RNI No. GUJHIN/2010/35230

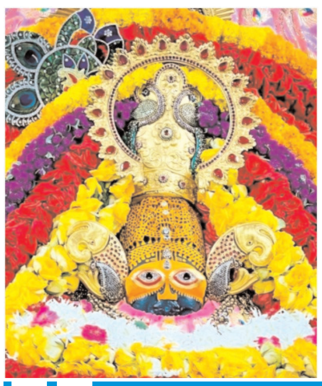

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:253। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (मंगलवार) 05 मई 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव 2026

‘पश्चिम बंगाल में खिल गया कमल’

पश्चिम बंगाल, असम में भाजपा, केरल में कांग्रेस, तमिलनाडु में टीवीके की सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की मतगणना के रूझानों में पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में भारी उलटफेर की संभावना के साथ भारतीय जनता पार्टी बंगाल में अपने दम पर जबरदस्त बहुमत हासिल करने जा रही है वहीं तमिलनाडु में अभिनेता विजय के करिश्में के दम पर टीवीके स्पष्ट रूप से सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। केरल में सत्ता परिवर्तन के संकेतों के बीच एक दशक बाद कांग्रेस के नेतृत्व में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा की सरकार बनने की प्रबल संभावना है। असम और पुड्डुचेरी में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार की वापसी निश्चित लग रही है।

• बंगाल में ‘दीदीगीरी’ खत्म

तमिलनाडु में भी रूझानों में एग्जिट पोल के विपरीत भारी उलट फेर देखने को मिला है। राज्य में अभी तक रूझानों में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत के संकेत नहीं हैं लेकिन विधानसभा की 234 में से 224 सीटों के रूझानों में टी वी के अप्रत्याशित रूप से110 सीटों से

साथ सबसे आगे है। अन्नाद्रमुक दूसरे स्थान पर 57 सीटों पर तथा सत्तारूढ द्रमुक 48 सीटों पर आगे रहते हुए तीसरे स्थान पर है। कांग्रेस 4 तथा पीएमके 5 सीट पर आगे है। पिछले चुनाव में द्रमुक गठबंधन को 158 जबकि अन्नाद्रमुक गठबंधन को 69 सीटें मिली थी।

असम विधानसभा की 126 में से 124 सीटों के रूझान मिलने हैं और इनमें राजग को स्पष्ट बहुमत मिलता दिख रहा है। रूझाानों में भाजपा को 79 , कांग्रेस को 24 , असम गण परिषद को 09 और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीओपीएफ) को 10 सीटों पर बढत हासिल है। पिछले चुनावों में राजग को 74, कांग्रेस गठबंधन को 28 तथा एयूडीएफ को 15 सीटें मिली थी। केरल में अनुमानों के अनुरूप कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा को बहुमत मिलने जा रहा है।

विधानसभा की 140 में 127 सीटों के रूझान मिले हैं जिनमें से कांग्रेस को 63 उसके सहयोगी दल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को 23 , मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी को 25, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी को 09 और केएफसी को 7 सीटों पर बढत मिल रही है।पिछली चुनाव में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा को 94 और संयुक्त मोर्चा को 42 सीट मिली थी। पुड्डुचेरी विधानसभा की 30 में से 16 सीटों के परिणाम और शुरूआती रूझानों मिले हैं जिनमें राजग के बहुमत की ओर बढने के संकेत मिले हैं। एआईएनआरसी ने छह सीटें जीत ली हैं और उसके उम्मीदवार तीन सीटों पर आगे हैं। निर्दलीय उम्मीदवार एक सीट पर जीत के साथ दो सीटों पर आगे चल रहे हैं । भाजपा ने एक सीट जीती है और एक पर आगे है। कांग्रेस और अन्नाद्रमुक ने भी एक-एक सीट जीती है।

-यह आंकड़े खबर लिखे जाने तक के हैं।

विजय का सियासी डेब्यू ‘ब्लॉकबस्टर’

तमिलनाडु में नई राजनीति का उदय!

एजेंसी

नई दिल्ली। हर चुनाव आपको कुछ ऐसे संकेत देता है, जो यह बता देते हैं कि हवा किस दिशा में बह रही है. मेरे लिए वह पल तब होता था, जब विजय चुनाव प्रचार के लिए अपनी वैन से बाहर निकलते थे. भारत में चुनाव कवर करने के अपने तीन दशकों के अनुभव में, मैंने कभी आम पुरुषों और महिलाओं को किसी राजनेता पर उपहारों की बौछार करते नहीं देखा. (मेरे पटना के एक दोस्त ने बताया कि 90 के दशक में लालू प्रसाद यादव के लिए ऐसा क्रेज था, पर उसके अलावा कभी नहीं) लेकिन यहां विजय को टेडी बियर, क्रिकेट बैट, चश्मे, तस्वीरें, फ्रूट ड्रिंक, नारियल पानी और न जाने क्या-क्या मिल रहा था. यह दिखाता था कि लोग विजय के साथ भावनात्मक रूप से जुड़े हुए थे. उन्हें केवल एक और उम्मीदवार के रूप में नहीं देखा जा रहा था जो वोट मांग रहा हो. बल्कि ‘विजय अन्ना’ और ‘विजय थम्बी’ को उनका अपना माना जा रहा था.

तमिलनाडु में भी रूझानों में एग्जिट पोल के विपरीत भारी उलट फेर देखने को मिला है। राज्य में अभी तक रूझानों में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत के संकेत नहीं हैं लेकिन विधानसभा की 234 में से 224 सीटों के रूझानों में टी वी के अप्रत्याशित रूप से110 सीटों से साथ सबसे आगे है। **-यह आंकड़े खबर लिखे जाने तक के हैं।**

बंगालवासियों ने घुसपैठियों और उनके हितेषियों को ऐसा सबक सिखाया...बंगाल में प्रचंड जीत पर बोले गृहमंत्री अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में बीजेपी की शानदार प्रदर्शन पर गृहमंत्री अमित शाह ने प्रतिक्रिया दी है. साथ ही उन्होंने तुष्टीकरण की राजनीति करने वालों को लेकर भी अपनी बात रखी है. बंगाल में 4 मई को आ रहे चुनाव परिणाम पर अमित शाह ने खुशी जाहिर करते हुए एक्स पर पोस्ट किया है. उन्होंने कहा कि बंगालवासियों ने घुसपैठियों और उनके हितैषियों को ऐसा सबक सिखाया है, जिसे तुष्टीकरण की राजनीति करने वाली पार्टियां कभी भूल नहीं पाएंगी. बंगाल ने जिन आशाओं और आकांक्षाओं के साथ मोदी जी के नेतृत्व पर यह विश्वास जताया है, हम निश्चित रूप से उन्हें पूरा करेंगे. उन्होंने कहा कि चैतन्य महाप्रभु, स्वामी विवेकानंद, कविगुरु टैगोर, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे महापुरुषों की पावन भूमि बंगाल का खोया गौरव लौटाने और ‘सोनार बांग्ला’ के स्वप्न को साकार करने के लिए भाजपा दिन-रात एक कर देगी. शाह ने कहा कि बंगाल में भाजपा को मिली यह ऐतिहासिक जीत हमारे असंख्य कार्यकर्ताओं के त्याग, संघर्ष और बलिदान का परिणाम है. यह उन परिवारों के धैर्य की जीत है, जिन्होंने हिंसा सहकर भी भगवा ध्वज नहीं छोड़ा. उन्होंने कहा कि भाजपा की शून्य से आज प्रचंड बहुमत तक पहुंचने की इस कठिन यात्रा में जिन कार्यकर्ताओं ने अपने प्राणों की आहुति दी, हिंसा झेली, यातनाएं सहीं और फिर भी विचारधारा के पथ से डिगे नहीं, उन सभी कार्यकर्ताओं और उनके परिजनों को नमन करता हूं. बंगाल की जनता ने इस प्रचंड बहुमत से भाजपा के उन सभी शहीद कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी है।

विश्वास का उदय- बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक महाविजयः जेपी नड्डा

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ऐतिहासिक जीत की ओर अग्रसर है। इसपर जीत पर खुशी जाहिर करते हुए केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि विश्वास का उदय- बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक महाविजय है। उन्होंने कहा किआज का दिन भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए भावुक पल है। पश्चिम बंगाल में भाजपा की अभूतपूर्व महाविजय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और जनकल्याणकारी नीतियों पर जनता की मुहर और तृणमूल कांग्रेस के कुशासन, भ्रष्टाचार, टोलाबाजी, घुसपैठ, तुष्टिकरण, अराजकता एवं गुंडागर्दी की करारी हार है। सोमवार को एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि इतिहास गवाह है कि बंगाल जब परिवर्तन ठान लेता है तो कोई भी ताकत उसे नहीं रोक पाती। गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर, बंकिम चन्द्र चटर्जी, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी जैसे महान देशभक्तों की पावन धरा ने तृणमूल कांग्रेस के अहंकार को चूर-चूरकर पहली बार भाजपा पर भरोसा जताया है। इस प्रचंड विजय पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य एवं नेता प्रतिपक्ष सुवेन्दु अधिकारी और बूथ-स्तरीय कर्मठ कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई दी और प्रदेश के सभी मतदाताओं का हृदय से आभार जताया।

बंगाल-असम में जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले- वर्षों की साधना सिद्ध

इससे परफॉर्मेंस की पॉलिटिक्स पर भरोसा दिखा; गंगोत्री से गंगासागर तक कमल खिला

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा 5 राज्यों में से 3 (पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी) में सरकार बना रही है। दिल्ली स्थिति भाजपा मुख्यालय पर मनाए जा रहे जश्न में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- आज का दिन ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है। सालों की साधना जब सिद्धी में बदलती है तो चेहरे पर जो खुशी होती है वो खुशी में देशभर के कार्यकर्ताओं के चेहरे पर देख रहा हूं। पिछले साल 14 नवंबर को मैंने यहीं से कहा था गंगा जी बिहार से आगे होते हुए गंगासागर तक जाती हैं। आज बंगाल की जीत के साथ गंगोत्री से लेकर गंगासागर तक कमल ही कमल खिला है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और अब पश्चिम बंगाल। आज मां गंगा के पास बसे राज्यों में भाजपा एनडीए सरकार है।

एक कार्यकर्ता होने के नाते मैं भाजपा के हर कार्यकर्ता की खुशी में शामिल हूं। आज का ये दिन कई मायनों में खास है। ये देश के उज्जवल भविष्य की उद्घोषणा, भरोसे

मोदी ने नितिन नवीन की तारीफ की

आज नया इतिहास रच दिया है। भाजपा के अध्यक्ष नितिन नवीन ने पद संभालने के बाद ये पहले चुनाव थे। इन चुनाव में पार्टी कार्यकर्ताओं को उनका जो मार्गदर्शन था वो इस विजय में बहुमूल्य रहा।

का दिन है। भरोसा भारत महान लोकतंत्र पर, भरोसा परफॉर्मेंस की पॉलिटिक्स पर, भरोसा एक भारत श्रेष्ठ भारत भावना पर।

मोदी ने कहा- डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की आत्मा को कितनी शांति मिली होगी। उन्होंने 1951 में जनसंघ की स्थापना करके हर कार्यकर्ता को संदेश दिया कि देश के लिए जीना और देश के लिए मरना है। डॉ. मुखर्जी ने बंगाल को भारत का हिस्सा बनाए रखने के लिए बड़ी लड़ाई लड़ी।

मोदी बोले- हमारा मंत्र नागरिक देवो भव

मोदी बोले-साल 2021 में हमने पुडुचेरी की जनता के सामने बेस्ट पुडुचेरी का विजन रखा उन्होंने उस विजन पर विश्वास जताया।

मैं पुडुचेरी के युवाओं को, फिशरमैन साथियों को भी विश्वास दिलाता हूं कि एनडीए आपके उज्वल भविष्य के लिए काम करती रहेगी। आज देश के 20 से ज्यादा राज्यों में भाजपा एनडीए की सरकारें हैं। हमारा मंत्र है नागरिक देवो भव। हम जनता की सेवा में जुटे हैं। इसलिए जनता भाजपा पर ज्यादा भरोसा कर रही है।

मोदी बोले- 2013 में जब भाजपा ने मुझे प्रधानमंत्री के उम्मीदवार के रूप में काम दिया और काशी में जब फॉर्म भरने गया तो मेरे दिल से निकला कि न मुझे किसी ने भेजा है मां गंगा ने मुझे बुलाया है।

आज में महसूस करता हूं कि मां गंगा का आशीर्वाद हम सब पर है। मां ब्रह्मपुत्र, मां कामख्या का भी हम सब पर आशीर्वाद रहा है। असम की जनता ने तीसरी बार एनडीए पर भरोसा किया है। असम के इतिहास की बहुत बड़ी घटना है असम की टी गार्डन वाले क्षेत्रों में भी भाजपा को समर्थन मिला है। असम अब अपने विकास की रफ्तार अब और बढ़ाएगा।

महा-विस्फोटः अंकलेश्वर में खाकी की ‘दलाली’, वर्दी पर चढ़ा माफिया का खून!

मौत का सौदागर माफिया विजय, और उसकी रखैल बनी अंकलेश्वर पुलिस!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंकलेश्वर। शर्म करो भरूच पुलिस! अगर तुम्हारी रगों में कानून का खून दौड़ता है, तो डूब मरो, क्योंकि अंकलेश्वर की सड़कों पर कानून का जनाज़ा निकल चुका है। जिसे हम रक्षक समझते थे, वो भक्षक बनकर माफिया की गोद में खेल रहे हैं। ‘महानगर मेट्रो’ आज उस ‘खाकी’ को नंगा करने जा रहा है, जिसने चंद रुपयों के लिए अपनी वर्दी का मान और जनता का विश्वास माफिया ‘विजय’ के पैरों में गिरवी रख दिया है।

चोटा बाज़ारः पुलिस के ‘हफ्ते’ का तीर्थस्थान!

रेलवे स्टेशन के पास बसा चोटा बाज़ार अब बाज़ार नहीं, बल्कि ‘पाप की मंडी’ बन चुका है। यहाँ माफिया विजय का काला साम्राज्य चीख-चीख कर कह रहा है कि गुजरात में शराबबंदी सिर्फ कागज़ों पर है। सट्टे के अड्डे, वरली मटका और ‘आसरा’ के नाम पर हज़ारों घरों के चिराग बुझ रहे हैं, लेकिन PI चावड़ा की आँखों पर गांधी के नोटों की पट्टी बंधी है। तार फड़ फड़िया इलाके से जो शराब की बदबू आती है, वो दरअसल पुलिस के भ्रष्टाचार की सड़ांध है।

वर्दीधारी गद्दारः मुखबिरों की बलि चढ़ाती ‘कातिल’ पुलिस!

अंकलेश्वर पुलिस ने जो पाप किया है, उसकी माफ़ी न कानून देगा न खुदा। जब कोई जांबाज

नागरिक अपनी जान जोखिम में डालकर इन अवैध अड्डों की सूचना देता है, तो LCB और स्थानीय पुलिस रेड करने के बजाय उस नागरिक का नंबर सीधे माफिया विजय को ‘सुपारी’ के तौर पर दे देती है। सुन लो अधिकारियों! अगर उस सूचना देने वाले को खरोंच भी आई, तो उसके खून का कतरा-कतरा तुम्हारी वर्दी पर गिरेगा। तुम पुलिस नहीं, अपराधियों के ‘पेड एजेंट’ बन चुके हो।

PI चावड़ा और LCB PI वालाः सवालो से डर या गुनाह का कबूलनामा?

जब ‘महानगर मेट्रो’ ने इन वर्दीधारियों से तीखे सवाल पूछे, तो साहबों की सिट्टी-पिट्टी गुम हो गई। जवाब देने की हिम्मत नहीं थी, इसलिए कायरों की तरह हमारा नंबर ब्लॉक कर दिया।

* चावड़ा साहब! नंबर ब्लॉक करने से सच नहीं दबेगा। क्या आप उस दिन का इंतज़ार कर रहे हैं जब जहरीली शराब पीकर अंकलेश्वर की गलियों में लाशों के ढेर लगें?

* क्या आप चाहते हैं कि एक और ‘लट्ठाकांड’ हो और गुजरात सरकार की पूरी दुनिया में थू-थू हो?

सत्ता के खिलाफ ‘स्लीपर सेल’: क्या ये पुलिस अधिकारी बागी हैं?

यह महज़ भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि राज्य सरकार के खिलाफ खुली बगावत है।

1.सरकार गिराने की साजिशः क्या ये दागी अधिकारी विपक्ष के साथ मिलकर सरकार को बदनाम करने का ‘कॉन्ट्रैक्ट’ ले चुके हैं?

2.SP भरूच का मौनः भरूच के कप्तान साहब, आपकी नाक के नीचे ‘कमानांतर सरकार’ चल रही है। क्या आपका इंटेलिजेंस सो रहा है या फिर इस बहती गंगा में ऊपर तक हाथ धोए जा रहे हैं?

3.SMC की नाकामीः स्टेट मॉनिटरिंग सेल को जानकारी दी गई, लेकिन क्या विजय के काले धन ने गांधीनगर की दलीलों को भी खामोश कर दिया है?

मुख्यमंत्री जी, अब हंटर चलाइये!

गुजरात के मुख्यमंत्री और गृहमंत्री जी, आपकी शराबबंदी को ये अधिकारी अपने जूतों के नीचे कुचल रहे हैं। ये अधिकारी मुख्यमंत्री के आदेशों को नहीं, बल्कि माफिया विजय के इशारों को सलाम ठोकते हैं। जनता पूछ रही है–अंकलेश्वर पुलिस स्टेशन है या माफिया का हेडक्वार्टर?

(हम नहीं डरते किसी के नंबर ब्लॉक करने से, हम तो सिस्टम को अनब्लॉक करना जानते हैं!)

महानगर मेट्रो महा-पर्दाफाश

जैन शासन के ‘गद्दारों’ का काला साम्राज्य!

धर्म के नाम पर ‘हनीट्रैप’ का धंधा, वसूली का खेल और फर्जी पत्रकारों की फौजः क्या अपनों ने ही सुपारी ली है जैन धर्म को मिटाने की?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। जैन समाज की जड़ों में मठ्ठा डालने वाले ‘विभीषणों’ का समय अब समाप्त हो चुका है। एक तरफ हमारे पूज्य गच्छाधिपति शासन की ध्वजा को विश्व पटल पर लहरा रहे हैं, तो दूसरी तरफ समाज के भीतर छिपे कुछ ‘कीड़े’ इसे अंदर से खोखला करने में जुटे हैं। महानगर मेट्रो आज उस घिनौने सिंडिकेट की धज्जियां उड़ाने जा रहा है, जिसने धर्म को ब्लैकमेलिंग का अड्डा बना दिया है।

जगत पारेखः संघ से धक्के मारकर निकाला गया ‘अपराधी’ अब बना धर्मरक्षक?

खुद को संघ का ‘स्वयंभू’ नेता बताने वाले जगत पारेख का असली चेहरा अब बेनकाब हो चुका है। जिस व्यक्ति को उसकी नीच हरकतों की वजह से जैन संघ ने दूध में से मक्खी की तरह बाहर फेंक दिया था, वह आज संतों के चरित्र पर कीचड़ उछालने की हिम्मत कर रहा है?

* **याद रहेः** यह वही जगत पारेख है जिसे अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने सलाखों के पीछे पहुँचाया था।

* **सवालः** जिसके नाम पर मुकदमों की लंबी फेहरिस्त हो, वो समाज को नैतिकता का पाठ कैसे पढ़ा सकता है?

पापियों का ‘तिगड्डा’: कल्पेश, विक्रम और फर्जी पत्रकार हार्दिक हुडिया

इस षड्यंत्र के पीछे एक पूरा ‘गिरोह’ काम कर रहा है। कल्पेश सिंघवी और विक्रम बाफना जैसे लोग पर्दे के पीछे बैठकर साजिशें बुनते हैं, और इनका मोहरा बनता है हार्दिक हुडिया जैसा कथित पत्रकार। यह कोई पत्रकारिता नहीं, बल्कि पत्रकारिता के नाम पर डकैती है। इनका काम संतों के विरुद्ध फर्जी ‘हनीट्रैप’ के जाल बिछाना और फिर उसे सोशल मीडिया पर फैलाकर समाज को डराना है। इनका मकसद धर्म की रक्षा नहीं, बल्कि उगाही और वर्चस्व की भूख है।

पैसा लेकर धर्म का सौदाः ‘भीतरघात’ की पराकाष्ठा

जैन समाज आज अल्पसंख्यक है, हम संख्या में कम हैं लेकिन हमारी शक्ति हमारी एकता और हमारे संत हैं। इसी शक्ति को तोड़ने के लिए इन ‘पैसों के भूखे’ लोगों ने समाज का सौदा कर लिया है। चंद रुपयों के लिए किसी भी संत को बदनाम करना, फर्जी वीडियो बनाना और गंदी राजनीति करना–यह कृत्य किसी महापाप से कम नहीं है।

‘चेतावनीः जो लोग कांच के घरों में बैठकर हमारे गच्छाधिपतियों पर पत्थर फेंक रहे हैं, वे भूल गए हैं कि उनकी कुंडली अब महानगर मेट्रो के पास है। जैन शासन को बदनाम करके अपनी जेबें भरने वालों, तुम्हारी उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है! ‘

अगले अंक में बड़ा धमाका!

महानगर मेट्रो जल्द ही उन ‘सफेदपोशों’ के नामों की लिस्ट भी जारी करेगा, जो इस गिरोह को फंडिंग कर रहे हैं। हम उन रिकॉर्डिंग्स और सबूतों को सार्वजनिक करेंगे जो इन कथित रक्षकों का असली चेहरा जनता के सामने लाएंगे।

मुख्य संदेशः

‘धर्म की आड़ में धंधा करने वाले इन भेड़ियों को पहचानें। अगर आज हम चुप रहे, तो आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेंगी। जैन एकता जिंदाबाद, जैन शासन अमर रहे!

संपादकः यह रिपोर्ट पूरी तरह से तथ्यों और साक्ष्यों पर आधारित है। किसी भी प्रकार की गीदड़-भभकी हमें सच लिखने से नहीं रोक सकती।

विजय के पिता एस. ए. चंद्रशेखर का बड़ा बयान: कांग्रेस को दिया TVK के साथ गठबंधन का खुला न्योता!

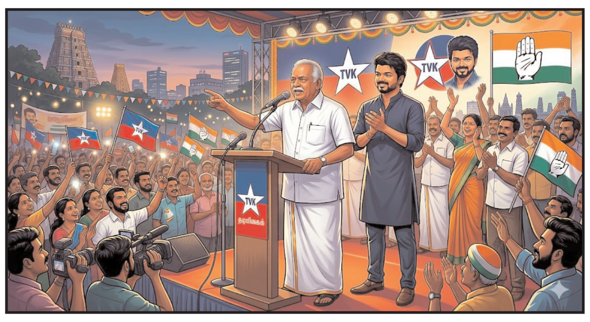

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चेन्नई। दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार विजय की राजनीतिक पारी शुरू होते ही तमिलनाडु की राजनीति में भूचाल आ गया है। विजय के पिता और दिग्गज निर्देशक एस. ए. चंद्रशेखर ने अब एक ऐसा बयान दिया है जिसने कांग्रेस खेमे में हलचल तेज कर दी है। उन्होंने सीधे तौर पर कांग्रेस को ऋङ्क्य (तमिलगा वेत्री कड़गम) के साथ हाथ मिलाने का खुला प्रस्ताव दिया है। 'कांग्रेस अपनी खोई ताकत वापस पाए एस. ए. चंद्रशेखर ने कांग्रेस की वर्तमान स्थिति पर कटाक्ष और सहानुभूति जताते हुए कहा कि कांग्रेस एक ऐतिहासिक और महान परंपराओं वाली पार्टी रही है। लेकिन, पिछले लंबे समय से दूसरी क्षेत्रीय पार्टियों को बैसाखी की तरह समर्थन देने के कारण जमीनी स्तर पर उसकी अपनी ताकत कमजोर पड़ गई है। विजय बनेंगे कांग्रेस का संबल? चंद्रशेखर ने एक बड़ा दावा **करते हुए कहा:** 'अब समय आ गया है कि कांग्रेस अपनी खोई हुई शक्ति को फिर से हासिल करे। यह मेरा नहीं, बल्कि विजय का विचार है। विजय खुद कांग्रेस को वह मजबूती और संजीवनी देने के लिए तैयार हैं, जिससे पार्टी अपनी पुरानी पहचान और धाक वापस पा सके। ' गठबंधन की अपील: मौके का फायदा उठाए कांग्रेस उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से अपील की है कि वे इस ऐतिहासिक मौके को न गंवाएं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर कांग्रेस और TVK साथ मिलकर आगे बढ़ते हैं, तो यह न केवल कांग्रेस के पुनरुद्धार के लिए अच्छा होगा, बल्कि राज्य की राजनीति की दिशा भी बदल देगा।

महानगर मेट्रो विशेष: अब देखना यह होगा कि क्या कांग्रेस विजय के पिता के इस 'ओपन ऑफर' को स्वीकार कर अपना पुराना गौरव हासिल करने की दिशा में कदम बढ़ाती है, या फिर तमिलनाडु की राजनीति में कोई नया समीकरण जन्म लेता है।

रिपोर्ट: ब्यूरो, महानगर मेट्रो

इंस्टाग्राम का 'राजा मेलडी' निकला शातिर ठग: संतान प्राप्ति के नाम पर मांगता था AC-फ्रिज और शराब; विज्ञान जाथा ने उतारा ढोंग का चोला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पादरा: आस्था के नाम पर मासूम लोगों की भावनाओं से खिलवाड़ करने वाले एक और पाखंडी का अंत हो गया है। वडोदरा जिले के पादरा स्टेशन इलाके में 'राजा मेलडी' के नाम से मशहूर और इंस्टाग्राम पर हजारों फॉलोअर्स रखने वाले एक कथित 'भुवा' (तांत्रिक) की पोल खुल गई है। अंधविश्वास के खिलाफ लड़ने वाली संस्था 'विज्ञान जाथा' ने जाल बिछाकर इस पाखंडी का पर्दाफाश किया, जिसके बाद आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

सोशल मीडिया पर जाल, दरबार में लूट

यह कथित भुवा खुद को 'माताजी का परम भक्त' बताकर इंस्टाग्राम के जरिए अपना प्रचार करता था। सूत्रों के अनुसार, वह लोगों को माताजी का डर दिखाकर अपनी ओर आकर्षित करता था। उसके कारनामों की **लिस्ट लंबी है:** कीमती सामानों की मांग: संतान प्राप्ति और बीमारियों को ठीक करने का झांसा देकर वह भक्तों से कैश के अलावा AC, फ्रिज और सोफे जैसी कीमती वस्तुओं की मांग करता था।

शराब की डिमांड: खुद को देवी का दूत बताने वाला यह पाखंडी 'प्रसाद' के नाम पर भक्तों से महंगी शराब मंगवाता था।

भय का कारोबार: जो लोग उसकी मांग पूरी नहीं करते थे, उन्हें माताजी के कोप और अनिष्ट होने का डर दिखाकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था।

ऐसे हुआ 'ऑपरेशन पर्दाफाश'

लगातार मिल रही शिकायतों के बाद, विज्ञान जाथा की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से इस ढोंगी के दरबार में दस्तक दी। टीम ने वैज्ञानिक तर्कों और सबूतों के सामने जब उसकी 'शक्तियों' को चुनौती दी, तो कथित भुवा के पास कोई जवाब नहीं था। विज्ञान जाथा ने मौके पर ही लोगों को समझाया कि कैसे यह व्यक्ति उनकी आस्था का फायदा उठाकर अपनी सुख-सुविधाएं जुटा रहा था।

पुलिस की गिरफ्त में 'राजा मेलडी'

पर्दाफाश होने के बाद भारी हंगामा हुआ और विज्ञान जाथा ने आरोपी को पादरा पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है कि अब तक कितने लोगों को इस ठग ने अपनी जालसाजी का शिकार बनाया है। 'आस्था और अंधविश्वास के बीच एक महीन रेखा होती है। ऐसे पाखंडी उसी का फायदा उठाते हैं। विज्ञान जाथा का यह कदम समाज को जागरूक करने के लिए सराहनीय है।' - स्थानीय नागरिक

सावधान रहें! महानगर मेट्रो अपने पाठकों से अपील करता है कि किसी भी बीमारी या समस्या के समाधान के लिए तांत्रिकों या पाखंडी भुवाओं के चक्कर में न आएं। विज्ञान और डॉक्टरों पर भरोसा रखें, अंधविश्वास पर नहीं।

'सरप्राइज एलिमेंट' पर काम करे भारत; प्रयागराज में 'नॉर्थ टेक सिम्पोजियम' का भव्य आगाज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रयागराज। देश की रक्षा तैयारियों को नई धार देने के उद्देश्य से प्रयागराज में 'नॉर्थ टेक सिम्पोजियम' का शानदार शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश के वैज्ञानिकों, रक्षा विशेषज्ञों और सैन्य अधिकारियों को संबोधित करते हुए एक दूरदर्शी दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिस तरह हम सीमाओं की सुरक्षा के लिए 'डिफेंस कॉरिडोर' बना रहे हैं, अब समय आ गया है कि देश में 'नॉलेज कॉरिडोर' भी तैयार किया जाए। 'सरप्राइज एलिमेंट' ही दिलाएगा जीत रक्षा मंत्री ने युद्ध के बदलते स्वरूप पर जोर देते हुए कहा कि आधुनिक युद्ध केवल हथियारों से नहीं, बल्कि दिमाग और तकनीक से जीते जाते हैं।

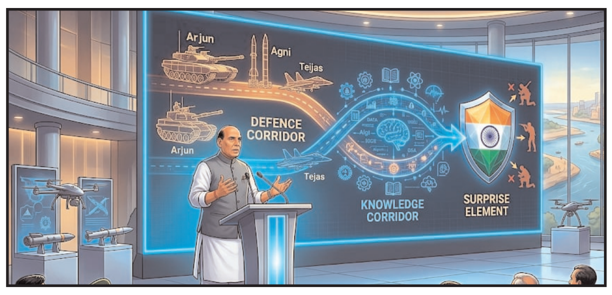

उन्होंने कहा: 'हमे अब 'सरप्राइज एलिमेंट' (अचानक अचंभित करने वाली तकनीक) पर काम करना होगा। अगर हमारी तकनीक और रणनीति दुश्मन के लिए अप्रत्याशित होगी, तभी हम सुरक्षा के मोर्चे पर हमेशा एक कदम आगे रहेंगे। ' स्वदेशी तकनीक और आत्मनिर्भरता पर जोर राजनाथ सिंह ने उत्तर भारत के इस प्रमुख रक्षा तकनीकी सम्मेलन में स्वदेशीकरण की जमकर वकालत की। उन्होंने कहा कि 'नॉलेज कॉरिडोर' के माध्यम से हम रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को एक नई गति दे सकते हैं, जिससे आने वाले समय में भारत रक्षा उपकरणों का केवल खरीदार नहीं बल्कि दुनिया का सबसे बड़ा निर्माता बनेगा।

प्रयागराज बना रक्षा शक्ति का केंद्र

प्रयागराज में आयोजित इस 'नॉर्थ टेक सिम्पोजियम' में अत्याधुनिक हथियारों, ड्रोन्स और एआई आधारित सुरक्षा उपकरणों की प्रदर्शनी भी लगाई गई है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सेना और निजी रक्षा उद्योगों के बीच की दूरी को कम करना है ताकि भविष्य की चुनौतियों का सामना मजबूती से किया जा सके।

राजनीति में कदम रखने के एक साल के भीतर 'थलपति' विजय का धमाका, क्या बनेंगे अगले मुख्यमंत्री ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चेन्नई। भारतीय राजनीति में जब भी बड़े बदलाव की बात होती है, तो अक्सर राजनीतिक पंडितों की नज़रें पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों पर टिकी रहती हैं। लेकिन इस बार हवाओं का रुख दक्षिण की ओर मुड़ गया है। तमिलनाडु की राजनीति में वह 'खेला' हो गया है जिसकी कल्पना बड़े-बड़े दिग्गजों ने नहीं की थी। महज एक साल पहले अपनी पार्टी ऋङ्क्य (तमिलगा वेत्री कड़गम) बनाने वाले सुपरस्टार विजय अब राज्य के अगले मुख्यमंत्री बनने की दौड़ में सबसे आगे निकल चुके हैं।

सिनेमा के पर्दे से सत्ता की कुर्सी तक

तमिल सिनेमा के 'थलपति' कहे जाने वाले विजय ने जब अपनी राजनीतिक पार्टी का ऐलान किया था, तब कई लोगों ने इसे केवल एक फिल्मी सितारे की महत्वाकांक्षा माना था। लेकिन ज़मीनी स्तर पर उनकी सक्रियता और हालिया घटनाक्रमों ने यह साफ कर दिया है कि उन्होंने द्रविड़ राजनीति के गढ़ में सेंध लगा दी है। उनकी रैलियों में उमड़ता जनसैलाब अब वोटों के समीकरण में बदलता नज़र आ रहा है।

विपक्ष पस्त, विजय का उदय

जहाँ एक ओर कांग्रेस अपनी खोई हुई ज़मीन तलाशने के लिए विजय के पिता एस. ए. चंद्रशेखर के प्रस्तावों की ओर देख रही है, वहीं दूसरी ओर विजय ने सीधे तौर पर जनता से संवाद कर स्थापित राजनीतिक दलों की नींद उड़ा दी है। तमिलनाडु, जो दशकों से छरूय और द्घछरूय के बीच बँटा रहा है, अब एक तीसरे विकल्प के रूप में विजय को स्वीकार करने की ओर बढ़ता दिख रहा है।

क्या विजय बदलेंगे तमिलनाडु की किस्मत?

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि विजय की साफ-सुथरी छवि और युवाओं के बीच उनकी ज़बरदस्त पकड़ उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुँचा सकती है। यदि वर्तमान रुझान और गठबंधन की चर्चाएँ हकीकत में बदलती हैं, तो वह दिन दूर नहीं जब तमिलनाडु की कमान एक ऐसे नायक के हाथ में होगी जिसने केवल एक साल में पूरी बिसात पलट **महानगर मेट्रो का सवाल:** क्या विजय तमिलनाडु की पारंपरिक राजनीति को खत्म कर एक नए युग की शुरुआत कर पाएंगे?

डीजल रिक्शा और टॉरस ट्रक के बीच जोरदार भिड़ंत, रिक्शा चालक की मौके पर ही गई जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मांगरोल। मांगरोल-पोरबंदर हाईवे पर आज एक बार फिर रफ्तार का कहर देखने को मिला है। दिवासगाम के पास हुए एक भयानक सड़क हादसे ने पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ा दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मांगरोल की ओर आ रही एक डीजल रिक्शा और टॉरस ट्रक के बीच आमने-सामने इतनी भीषण टक्कर हुई कि रिक्शा पूरी तरह चकनाचूर हो गया।

हादसे में रिक्शा चालक की दर्दनाक मौत

इस हृदयविदारक दुर्घटना में रिक्शा चालक हनीफ अब्दुल्ला कोतल (आयु 55 वर्ष) की घटनास्थल पर ही दुखद मृत्यु हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि रिक्शा चालक को संभलने तक का मौका नहीं मिला। हादसे के तुरंत बाद हनीफ कोतल को मांगरोल के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जैसे ही इस दुखद घटना की सूचना मृतक के परिवारजनों और स्थानीय समाजसेवियों को मिली, बड़ी संख्या में लोग अस्पताल पहुँच गए। परिजनों के विलाप से अस्पताल का माहौल गमगीन हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुँचकर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कानूनी कार्रवाई और जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह हादसा किसकी लापरवाही के कारण हुआ।

'कुश्ती संघ मुझे जहर दे सकता है! सुरक्षा के नाम पर साजिश की बू! क्या भारतीय कुश्ती संघ के साये में खिलाड़ी सुरक्षित हैं?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश की बेटियाँ जब इंसाफ के लिए सड़क पर उतरती हैं, तो व्यवस्था अक्सर बहरी हो जाती है। लेकिन अब जो खुलासा स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने किया है, उसने खेल जगत से लेकर सत्ता के गलियारों तक हड़कंप मचा दिया है। विनेश फोगाट ने भारतीय कुश्ती संघ द्वारा आयोजित टूर्नामेंट में शामिल होने से पहले अपनी जान को खतरा बताते हुए जो आशंकाएं व्यक्त की हैं, वे किसी 'खतरनाक साजिश' की ओर इशारा कर रही हैं।

'खतरे में है मेरी जान: खाने में मिल सकता है जहर '

विनेश फोगाट ने बेहद घातक आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें डर है कि कुश्ती संघ के टूर्नामेंट के दौरान उनकी सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया जा सकता है। उन्होंने खुलकर आशंका जताई कि:

भारतीय कुश्ती संघ के पदाधिकारियों पर मुझे रत्ती भर भरोसा नहीं है। मुझे डर है कि मेरे ड्रिंक्स या खाने में नशीला पदार्थ या जहर मिलाया जा सकता है ताकि मेरा करियर बर्बाद किया जा सके या मुझे शारीरिक नुकसान पहुँचाया जा सके। '

डॉक्टरों और अधिकारियों पर गहरा संदेह

विनेश ने अपनी आशंकाओं को और विस्तार देते हुए कहा कि टूर्नामेंट के दौरान नियुक्त किए गए डॉक्टर्स और अधिकारी भी उन्हीं लोगों के करीबी हैं जिनके खिलाफ उन्होंने मोर्चा खोला था। ऐसे में उन्हें डर है कि उनके डोप टेस्ट के साथ छेड़छाड़ की जा सकती है या उन्हें गलत दवाएं दी जा सकती हैं।

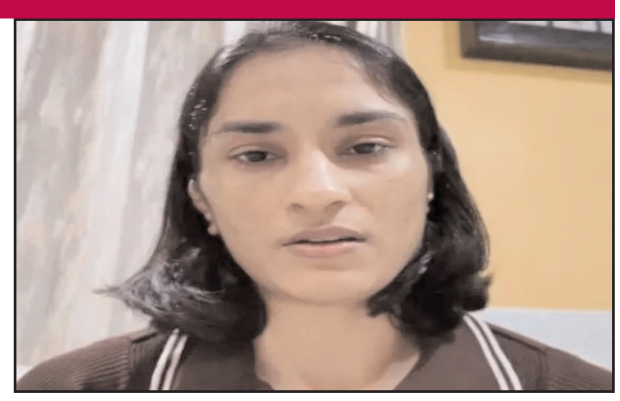

महानगर मेट्रो का कड़ा सवाल: क्या यही है खिलाड़ियों का **सम्मान?**

एक अंतरराष्ट्रीय चैंपियन, जिसने दुनिया भर में देश का तिरंगा लहराया, अगर आज वह अपने ही देश के खेल संघ से अपनी जान की भीख मांग रही है या जहर दिए जाने का डर जता रही है, तो यह सिस्टम के लिए डूब मरने वाली बात है। क्या कुश्ती संघ इस गंभीर आरोप के बाद अपनी कार्यप्रणाली बदलेगा? या फिर एक होनहार खिलाड़ी को मानसिक और शारीरिक रूप से तोड़ने का यह खेल जारी रहेगा?

स्वामी विवेकानंद और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के वैचारिक मूल्यों की पुनर्स्थापना का मार्ग प्रशस्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की जीत पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक मूल्यों की विजय बताया है। स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने कहा कि यह क्षण अत्यंत गौरवपूर्ण है, क्योंकि पश्चिम बंगाल की यह भूमि हमारे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की कर्मभूमि रही है, जिन्होंने राष्ट्र और अखंडता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। यह वही पवित्र धरती है जहाँ स्वामी विवेकानंद और नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे महान विभूतियों ने राष्ट्र निर्माण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में लंबे समय से गलत नीतियाँ चल रही थीं, जिनके कारण समाज में असंतुलन और तुष्टिकरण की प्रवृत्ति बढ़ी, जो अत्यंत चिंताजनक और पीड़ादायक था। अब जनता ने लोकतांत्रिक तरीके से परिवर्तन का मार्ग चुना है, जो प्रदेश को समान विकास, न्याय और राष्ट्रहित की दिशा में आगे ले जाएगा। स्वामी जी ने देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, गृह मंत्री श्री अमित शाह जी तथा भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन जी को इस विजय के लिए बधाई दी और कहा कि कठिन परिस्थितियों में प्राप्त यह सफलता जनविश्वास का प्रतीक है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अखिल भारत हिंदू महासभा ने पश्चिम बंगाल में अपने प्रत्याशी नहीं उतारे, ताकि राष्ट्रवादी मतों का विभाजन न हो और एक सशक्त सरकार का गठन हो सके।

पश्चिम बंगाल में सनातन का शंखनाद होगा सनातन जगतगुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पंचदस नाम जूना अखाड़ा के जगतगुरु सनातन सम्राट स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की जीत पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक मूल्यों की विजय बताया है। सनातन सम्राट जगतगुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने कहा कि यह क्षण अत्यंत गौरवपूर्ण है, क्योंकि पश्चिम बंगाल की यह भूमि हमारे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की कर्मभूमि रही है, जिन्होंने राष्ट्र और अखंडता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। यह वही पवित्र धरती है जहाँ स्वामी विवेकानंद और नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे महान विभूतियों ने राष्ट्र निर्माण का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में लंबे समय से गलत नीतियाँ चल रही थीं, जिनके कारण समाज में असंतुलन और तुष्टिकरण की प्रवृत्ति बढ़ी। अब जनता ने लोकतांत्रिक तरीके से परिवर्तन का मार्ग चुना है, जो प्रदेश को समान विकास, न्याय और राष्ट्रहित की दिशा में आगे ले जाएगा। सनातन सम्राट जगतगुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, गृह मंत्री श्री अमित शाह जी तथा भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन जी को इस विजय के लिए बधाई दी और कहा कि कठिन परिस्थितियों में प्राप्त यह सफलता जनविश्वास का प्रतीक है।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अखिल भारत हिंदू महासभा ने पश्चिम बंगाल में अपने प्रत्याशी नहीं उतारे, ताकि राष्ट्रवादी मतों का विभाजन न हो और एक सशक्त सरकार का गठन हो सके।

प्रेमी कुछ समय के लिए होता है, लेकिन दोस्त हमेशा रहता है

दोस्ती एक मन का आलिंगन है, जिसमें कोई शारीरिक आकर्षण नहीं होता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रिश्तों से परे...हमारे समाज की सबसे बड़ी ट्रेजेडी यह है कि हमने हमेशा एक आदमी और एक औरत के रिश्ते को एक तय लिमिट में ही देखा है। या तो यह खून के रिश्तों की पवित्रता है या शादी और प्यार की सामाजिक मंजूरी। हम या तो इन दोनों किनारों के बीच बहने वाली 'दोस्ती' नाम की विशाल नदी को पहचान नहीं पाए हैं, या हमने उसे पहचानने की हिम्मत नहीं की है। जब कोई आदमी किसी औरत को पसंद करता है, तो समाज और उसकी अपनी सोच उसे 'गर्लफ्रेंड' की कैटेगरी में डाल देती है। लेकिन, जिस औरत को वह पसंद करता है, उसे अपनी गर्लफ्रेंड बनाना उसे लिमिट करने जैसा है। सच्ची दोस्ती प्यार से ज़्यादा नेक और गहरा रिश्ता होता है, क्योंकि प्यार में अक्सर 'हक' जताने की चाहत होती है, जबकि दोस्ती में एक-दूसरे को 'आज़ाद' रखने की खुशी होती है। यह उन लोगों के लिए है जो शरीर से परे आत्मा के कनेक्शन को समझना चाहते हैं।

प्रेमिका के साथ रिश्ते में अक्सर शब्दों, एक्सप्लेनेशन और अपनी भावनाओं के बार-बार सबूत की ज़रूरत होती है। लेकिन जब कोई औरत सच्ची 'दोस्त' होती है, तो वह आपकी चुप्पी को भी सही तरह से दिखा सकती है। ज़िंदगी के ऐसे मोड़ पर जब आप दुनिया से हारे हुए, थके हुए चुपचाप बैठे हों, तो वह दोस्त आपसे कोई एक्सप्लेनेशन नहीं मांगेगी। वह आपकी नाकामी की वजह नहीं पूछेगी, बल्कि बस आपके बगल में बैठकर आपको महसूस कराएगी कि, 'मैं यहाँ हूँ!' यह बिना शब्दों वाला 'होना' ही आपको किसी भी फिजिकल टच से हज़ार गुना ज़्यादा आराम और ताकत देता है।

आईने जैसी दोस्ती.. मतलब

एक लवर आपको खुश रखने के लिए, झूठा लाड़-प्यार करने के लिए आपकी 'हाँ' में 'हाँ' मिला सकता है, लेकिन एक 'दोस्त' तो आईना होती है। जब आपकी गलती होगी तो वह आपको रोकेगी भी, ज़रूरत पड़ने पर रोकेगी भी और लड़ेगी भी। दोस्ती में कोई दोगलापन नहीं होता। उसे आपको पाने या आपसे कुछ पाने में कोई दिलचस्पी नहीं होती, उसे तो बस आपको 'पावरफुल' देखने में दिलचस्पी होती है। ऐसी दोस्ती में साफ सच होता है, जहाँ आप वही हो सकते हैं जो आप हैं।

जिस्मानी एहसास से परे, जिसमें एक दिमागी एहसास हो...

दोस्ती एक दिमागी एहसास है, जिसमें जिस्मानी एहसास का कोई मोह नहीं होता। जहाँ हवस पूरी होती है, वहीं सच्ची दोस्ती शुरू होती है। जो औरत आपकी दिमागी ताकत को समझ सके, आपके विचारों से बातचीत कर सके और आपकी पर्सनैलिटी के अंधेरे कोनों को रोशन कर सके, वही आपकी सच्ची दोस्त है। जिस्मानी आकर्षण समय के साथ कम हो जाएगा, लेकिन विचारों से बंधा दिमागी जुड़ाव कभी पुराना नहीं पड़ता।

असली जीत तो मर्द की होती है।

जो मर्द औरत का शरीर जीतने के बजाय उसका 'भरोसा' जीत सके, वही मर्द सच में जीता है। औरत को अपनी लवर बनाकर, आप उसे पा सकते हैं, लेकिन उसे अपनी

दोस्त बनाकर, आप उसे पूरा आसमान देते हैं जहाँ वह अपने पंख फैलाकर आपको आज़ाद आसमान में उड़ना सिखा सकती है। ऐसी पवित्रता बनाए रखने के लिए, एक मर्द को अंदर से बहुत मज़बूत और संयमित होना पड़ता है। आइए हम रिश्तों की एक ऐसी दुनिया बनाएँ जहाँ एक मर्द और एक औरत सिर्फ़ दो शरीरों के तौर पर नहीं, बल्कि दो पवित्र विचारों के तौर पर मिलें। जहाँ शक की कोई जगह न हो और जहाँ सीमाओं की दहलीज़ भरोसे का आँगन बनी रहे। 'बिना हवस के प्यार और बिना छुए साथ, यही एक आदमी और औरत के बीच दोस्ती की असली ताकत है। '

दर्शना पटेल-
(नेशनल अवॉर्ड पाने वाली)
स्पोर्ट्स टीचर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार अंतर्गत मोतीपुर स्कूल में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में हुए शामिल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार अंतर्गत नगर पालिक निगम राजनांदगांव के मोतीपुर स्कूल में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने महतारी वंदन योजना के तहत 27वीं किस्त के रूप में 68 लाख 52 हजार 382 महिलाओं को 642 करोड़ रूपए से अधिक की राशि का डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरण किया गया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने शिविर के दौरान राजनांदगांव और आसपास के क्षेत्रों के लिए कई महत्वपूर्ण अधोसंरचना एवं सुविधाओं की घोषणा की। इसमें प्रमुख रूप से राजनांदगांव-खैरागढ़ राजमार्ग (गठुला होते हुए) के लिए 200 करोड़ रूपए की लागत से नवीन बाईपास का निर्माण। इसके साथ ही टेड़ेसरा-घुमका-बाकल मार्ग (35 किमी) के चौड़ीकरण हेतु 75 करोड़ रूपए और धनगांव-इंदामरा-बांकल मार्ग हेतु 30 करोड़ रुपए, वार्ड क्रमांक 1, 2, 3, 8 में विकास कार्यों के लिए प्रत्येक वार्ड को 25-25 लाख रूपए, डोंगरगढ़ में माँ बम्लेश्वरी मंदिर के पास 15 कमरों का सर्किट हाऊस और जनपद पंचायत राजनांदगांव के नए भवन हेतु 1 करोड़ रूपए, हॉकी प्रशिक्षण के लिए नए खेल मैदान की घोषणा और जिले की महिला स्व-सहायता समूहों को पुनः रेडी टू ईट निर्माण की जिम्मेदारी की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामलला तीर्थयात्रा योजना के तहत 42 हजार से अधिक रामभक्तों को लाभान्वित किया गया है। मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना भी चालू की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने घोषणा की कि 1 मई से शुरू हुआ प्रदेशव्यापी समाधान शिविर 10 जून अर्थात 40 दिन तक चलेगा। मुख्यमंत्री ने राजनांदगांव जिला प्रशासन को अप्रैल माह में 1200 से अधिक प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए बधाई दी और अन्य जिलों को भी इसी गति से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जिला कलेक्टरों को सख्त निर्देश दिए हैं कि आम जनता की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना ही सुशासन तिहार का मुख्य उद्देश्य है। निराकरण में देरी करने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि महतारी वंदन योजना से महिलाएं न केवल परिवार संभाल रही हैं, बल्कि स्वरोजगार से भी जुड़ रही हैं। पीएम जनमन और प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से सीधे संवाद कर उन्होंने जमीनी हकीकत जानी। ई-डिस्ट्रिक्ट प्रणाली के माध्यम से अब 400 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं, जिससे लोगों का काम घर बैठे होगा। इसी तरह मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के तहत जल्द ही एक टोल-फ्री नंबर जारी किया जाएगा, जहां प्राप्त शिकायतों का निश्चित समय-सीमा में समाधान अनिवार्य होगा। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री ने आज महतारी वंदन योजना के तहत 640 करोड़ रूपए की राशि महिलाओं के खाते में अंतरित की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुशासन तिहार में छत्तीसगढ़ के कोने-कोने में पहाड़, नदी, गांव, खेत-खलिहान, स्कूल सहित विभिन्न स्थानों में भ्रमण कर रहे है। उन्होंने कहा कि ग्रीष्म ऋतु में स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए गोंदली (प्याज) रखे है तो आप सभी दे दे। कि नहीं ऐसे 45 डिग्री तापमान में छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों में वे भ्रमण कर रहे है।

महामहिम राज्यपाल ने नवाजा, LNCT यूनिवर्सिटी ने दिया मानद डॉक्टरेटः 'यह सम्मान मेरे समाज और लोगों के संघर्ष को समर्पित '

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर स्थापित करते हुए, मध्य प्रदेश की प्रतिष्ठित स्हष्टञ्ज यूनिवर्सिटी ने एक भव्य दीक्षांत समारोह के दौरान विशिष्ट व्यक्तित्व को 'मानद डॉक्टरेट' (Honorary Doctorate) की उपाधि से विभूषित किया। यह क्षण तब और भी ऐतिहासिक हो गया जब स्वयं महामहिम राज्यपाल ने अपने कर-कमलों से यह सम्मान प्रदान किया।

अविस्मरणीय पल: जब गूँज उठा सभागार

समारोह में जैसे ही मानद डॉक्टरेट की उपाधि की घोषणा हुई, पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज उठा। इस सम्मान को स्वीकार करते हुए सम्मानित विभूति भावुक नजर आए। उन्होंने इस उपलब्धि को निजी सफलता से ऊपर उठकर जन-सेवा का प्रतिबिंब बताया।

सम्मान के बाद संबोधन की मुख्य बातें:

सम्मान ग्रहण करने के बाद उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए अपने हृदय के उद्गार व्यक्त किए:

• **गौरव का क्षण:** LNCT यूनिवर्सिटी द्वारा इस उपाधि से सम्मानित होना मेरे लिए अत्यंत गर्व का विषय है, लेकिन महामहिम राज्यपाल के हाथों इसे ग्रहण करना इस पल को अविस्मरणीय बनाता है। '

ज़ जनता को समर्पण: उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यह डॉक्टरेट उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है। उन्होंने कहा, 'मैं इसे अपने लोगों की ओर से सप्रेम स्वीकार करता हूँ, यह गौरव उन्हीं का है। '

• **भविष्य का संकल्प:** यह सम्मान मिलने के बाद उन्होंने समाज के उत्थान के लिए और भी अधिक ऊर्जा और शक्ति के साथ कार्य करने का संकल्प दोहराया।

समाज के लिए प्रेरणा का स्त्रोत

LNCT यूनिवर्सिटी के इस कदम की सराहना करते हुए शिक्षाविदों ने कहा कि ऐसे सम्मानों से न केवल व्यक्ति का मनोबल बढ़ता है, बल्कि समाज में सकारात्मक कार्य करने वाले अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलती है।

बड़ावदा नगरी में सजेगा भक्ति, श्रद्धा और धर्म आराधना का अनुपम संगम

1021 वर्ष प्राचीन श्री आदिनाथ प्रभु के दिव्य बिंबों की भव्य पंचाह्निका प्रतिष्ठा महोत्सव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बड़ावदा। नगर में जैन त्रिस्तुतिक समाज के लिए अत्यंत गौरव एवं हर्ष का अवसर आया है। जीर्णोद्धारित एवं नवनिर्मित शिखरबद्ध जिनालय में प्रथम तीर्थंकर भगवान श्री आदिनाथ प्रभु अन्य जिनबिंबों एवं गुरु बिंबों की भव्य पंचाह्निका प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन आज 5 मई से 9 मई तक श्रद्धा एवं भक्ति भाव से संपन्न होगा। इस पावन अवसर पर सकल जैन श्रीसंघों को भावभरा आमंत्रण प्रदान किया गया है।

यह प्रतिष्ठा महोत्सव पुण्यसम्राट युगप्रभावक श्रीमद् विजय जयन्तसेन सूरीश्वरजी महाराजा के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद् विजय नित्यसेन सूरीश्वरजी म.सा. आदि श्रमण-श्रमणी वृंद की मंगलमयी निश्रा एवं शुभाशीर्वाद में आयोजित होगा। प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ 5 मई से होगा, जबकि मुख्य प्रतिष्ठा दिवस 8 मई 2026, शुक्रवार को आयोजित किया जाएगा। आयोजन श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ, बड़ावदा एंव श्रीसंघ शुभाज्ञा से संघवी श्रीमती वालीबाई सागरमलजी छाजेड़ परिवार, पारा-

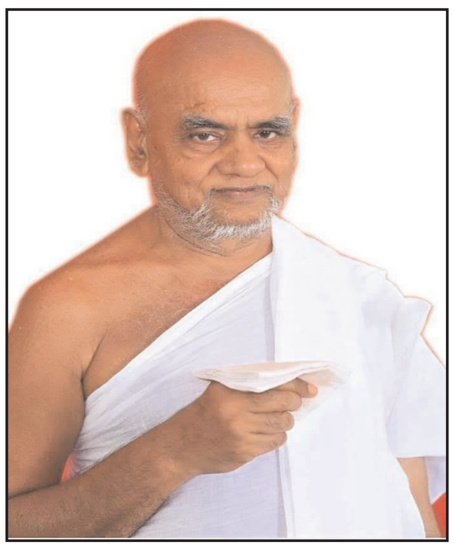

झाबुआ (मध्यप्रदेश) द्वारा किया जा रहा है। बड़ावदा स्थित श्री आदिनाथ जिन मंदिर का इतिहास अत्यंत प्राचीन, गौरवशाली एवं आध्यात्मिक महत्ता से परिपूर्ण रहा है। यह पावन तीर्थ लगभग 200 वर्ष से अधिक पुराना माना जाता है।

मंदिर में विराजमान भगवान श्री आदिनाथ दादा की दिव्य एवं चमत्कारिक प्रतिमा मंदिर परिसर स्थित एक प्राचीन कुएँ से प्राप्त हुई थी।विशेष उल्लेखनीय तथ्य यह है कि इस प्रतिमा पर संवत् 1062 की अंजनशलाका अंकित है, जिससे यह प्रतिमा लगभग 1021 वर्ष प्राचीन सिद्ध होती है। यह प्राचीनता इस तीर्थ की ऐतिहासिक एवं धार्मिक महिमा को और अधिक बढ़ाती है। समय-समय पर इस प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार एवं विकास कार्य संपन्न होता रहा है। विशेष रूप से पूज्य आचार्य श्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी महाराजा एवं पुण्यसम्राट युगप्रभावक श्रीमद् विजय जयन्तसेन सूरीश्वरजी महाराजा के पावन आशीर्वाद एवं प्रेरणा से मंदिर के पुनरुद्धार एवं उन्नयन के अनेक कार्य संपन्न हुए, जिससे तीर्थ की महिमा निरंतर विकसित होती रही।साध्वी श्री अविचलदृष्टा श्रीजी म.सा. की प्रेरणा से छाजेड़ परिवार, पारा द्वारा इस भव्य जिनालय के निर्माण का संकल्प लिया गया। 9 मई को प्रातः द्वार उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित होगा। सभी लाभार्थी परिवार द्वारा भगवान श्री आदिनाथ प्रभु एवं गुरु बिंबों की इस दिव्य प्रतिष्ठा महोत्सव में लाभ लिया गया है। श्रीसंघ बड़ावदा की शुभाज्ञा से भारतवर्ष के समस्त श्रीसंघों को स्व.समरथमलजी-लीलाबाई सकलेचा परिवार, बड़ावदा द्वारा जय जिनेन्द्र व स्नेह आमंत्रण प्रेषित किया गया है। बड़ावदा प्रतिष्ठा महोत्सव में जैन त्रिस्तुतिक श्री संघ सचिव ने जानकारी देते हुवे बताया कि आज पांच मई को आचार्य श्री आदि साधु साध्वी मंडल की शुभ निश्रा में श्री महावीर मंगल भवन एवं श्री राजजयंत आराधना भवन का लोकार्पण किया जाएगा।

गांधी भवन के निदेशक प्रो. के.पी. सिंह का कार्यकाल दो वर्ष बढ़ा, कुलपति ने जताया भरोसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के गांधी भवन ने पिछले चार वर्षों में जो अंतरराष्ट्रीय ख्याति अर्जित की है, उसे देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। गांधी भवन के निदेशक प्रोफेसर के.पी. सिंह के उत्कृष्ट कार्यों को सराहत हुए उनके कार्यकाल को दो वर्ष के लिए विस्तार (श्वदे दिया गया है। अब प्रो. सिंह अप्रैल 2028 तक इस पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। उपलब्धियों का रहा है शानदार सफर कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह ने प्रो. के.पी. सिंह के पिछले कार्यकाल के दौरान गांधी भवन को मिली राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान को इस विस्तार का मुख्य आधार बताया। उनके नेतृत्व में गांधी भवन ने केवल शैक्षणिक गतिविधियों तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्किः

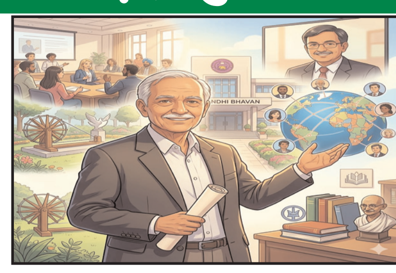

• गांधीवादी विचारधारा का प्रसारः छात्रों और शिक्षकों को व्यावहारिक रूप से गांधी जी के सिद्धांतों से जोड़ा।

• **वैश्विक आयोजनः** अंतरराष्ट्रीय स्तर के व्याख्यान, सामाजिक और साहित्यिक समारोहों का सफल आयोजन।

• विशिष्ट अतिथियों का आगमनः कार्यकाल के दौरान देश-विदेश की कई नामचीन हस्तियों ने गांधी भवन की गतिविधियों में शिरकत की। • **नवाचार** : गांधीवादी मूल्यों को आधुनिक जीवन में कैसे उतारें, इस पर नए प्रयोग किए गए। • 'जिन अपेक्षाओं के साथ कुलपति जी ने मेरा कार्यकाल बढ़ाया है, मैं उन पर खरा उतरने का भरसक प्रयास करूंगा। गांधी भवन को नई ऊंचाइयों पर ले जाना ही मेरी प्राथमिकता है। ' प्रो. के.पी. सिंह, निदेशक, गांधी भवनबहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं प्रो. सिंह प्रो. के.पी. सिंह वर्तमान में न केवल गांधी भवन का कार्यभार संभाल रहे हैं, बल्कि वे पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के प्रभारी होने के साथ-साथ दिल्ली पुस्तकालय संघ के अध्यक्ष पद का दायित्व भी बखूबी निभा रहे हैं। विश्वविद्यालय समुदाय ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि प्रो. सिंह के मार्गदर्शन में गांधी भवन आगामी वर्षों में शांति और सत्य के मार्ग पर चलते हुए और भी नए आयाम स्थापित करेगा।

पुण्य संचयः तपती धूप में बेजुबानों का सहारा बना जैन महिला संगठन, इंदौर के 4 क्षेत्रों में निःशुल्क सकोरे वितरित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

'**इंदौर।** भीषण गर्मी की आहट के साथ ही बेजुबान पक्षियों के लिए दाना-पानी का इंतजाम करने हेतु राष्ट्रीय खंडेलवाल सरावगी दिगंबर जैन महिला संगठन, इंदौर ने एक सराहनीय पहल की है। संगठन के संस्थापक संदीप शीतल पहाड़िया के मार्गदर्शन में 'निशुल्क सकोरे वितरण' अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत इंदौर के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र के चार प्रमुख मंदिरों में सकोरों का वितरण किया गया।

आचार्य श्री विभव सागर जी का मिला आशीर्वाद अभियान की शुरुआत नेमीनगर जैन कॉलोनी से हुई, जहाँ आचार्य श्री विभव सागर जी महाराज (ससंघ 13 मुनिराज एवं आर्यिका माताजी) का सानिध्य प्राप्त हुआ। आचार्य श्री ने अपने मंगल प्रवचन में महिला संगठन के कार्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि 'जैन धर्म में जीवदया ही मुख्य संदेश है। सामाजिक कार्यों के माध्यम से पशु-पक्षियों की रक्षा करना साक्षात पुण्य संचय का मार्ग है। **चार क्षेत्रों में सेवा की बयारः** एक

नजर में संगठन ने शहर के अलग-अलग हिस्सों में अपनी सक्रियता दिखाते हुए समाज को जागरूक किया:

1. नेमीनगर जैन कॉलोनी:
अध्यक्ष ज्योति सेठी और दक्षिण क्षेत्र अध्यक्ष दीपिका गंगवाल के नेतृत्व में समाजजन ने सकोरे लिए। यहाँ कैलाश लुहाड़िया, गिरीश पाटोदी और दिनेश सेठी जैसे प्रमुख समाजजन उपस्थित रहे।

2. राजेंद्र नगर मंदिर (अन्नपूर्णा):
यहाँ छोटी आबादी होने के बावजूद उत्साह बड़ा दिखा। संयोजिका मीना पाटनी और रजनी पाटनी की टीम ने घर-घर सकोरे पहुँचाने की जिम्मेदारी बखूबी निभाई और अन्य समाज को भी प्रेरित किया।

3. राजमोहल्ला दिगंबर जैन मंदिर:
शहर के मध्य क्षेत्र में हरियाली की कमी को देखते हुए शशि प्रभा बाकलीवाल और उनकी टीम ने न केवल सकोरे बांटे, बल्कि लोगों से 10-15 फीट ऊंचे छायादार पौधे लगाने का भी अनुरोध किया ताकि पक्षियों को बसेरा मिल सके।

4. ओम विहार कॉलोनी (एयरपोर्ट रोड):
यहाँ रश्मि पाटोदी और प्रीति बडजात्या की टीम ने मंदिर प्रांगण में पालतू जानवरों के लिए भी बड़े सकोरे रखवाकर अभियान को विस्तृत रूप दिया। पंकज काला और सतीश कासलीवाल सहित कई गणमान्य नागरिकों ने इसमें सहयोग किया। जीवदया का संकल्प इस पूरे आयोजन में समाज के परिवारों ने संकल्प लिया कि वे नियमित रूप से इन सकोरों में दाना-पानी भरेंगे। पश्चिम क्षेत्र की अध्यक्ष प्रियंका डोसी, महासचिव नमिता कासलीवाल, श्वेता काला और मोनिका अजमेरा ने चारों केंद्रों की संयोजक टीमों का आभार व्यक्त करते हुए उनके सेवा भाव की सराहना की।

ममता की हार पर टिकैत का 'विस्फोट': बोले- देश में बेईमानी से सब मुमकिन, बंगाल में तो वोट ही नहीं गिरने दिए गए!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सोनीपत। बंगाल चुनाव के नतीजों ने जहाँ एक ओर भाजपा खेमे में जश्न का माहौल पैदा कर दिया है, वहीं दूसरी ओर किसान नेता राकेश टिकैत ने इन परिणामों पर 'अविश्वास' जताते हुए बड़ा हमला बोला है। सोनीपत पहुंचे भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए इसे 'लोकतंत्र की हार' करार दिया है।

'बेईमानी की जीत हुई है' – टिकैत का सीधा प्रहार

मीडिया से मुखातिब होते हुए राकेश टिकैत ने बिना किसी लाग-लपेट के चुनाव परिणामों को 'बेईमानी का नतीजा' बताया। उन्होंने कहा कि देश में मौजूदा हालात ऐसे बन गए हैं कि 'बेईमानी करके कुछ भी हासिल किया जा सकता है।' टिकैत ने आरोप लगाया कि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों को मतदान करने से रोका गया और वोटों की लूट हुई।

ममता की लड़ाई को सराहा

भले ही आंकड़ों में ममता बनर्जी पीछे छूटती नजर आ रही हों, लेकिन टिकैत ने उनके जज्बे की तारीफ की। उन्होंने कहा:

ज़ अकेली जंगः ममता बनर्जी ने जिस तरह विपरीत परिस्थितियों में केंद्र की पूरी

मशीनरी से लोहा लिया, वह काबिले तारीफ है।

• लोकतंत्र पर खतराः चुनाव में हार-जीत मायने नहीं रखती, लेकिन जिस तरह से 'धांधली' कर नतीजे बदले गए, वह लोकतांत्रिक भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं है।

सियासी हलकों में मचा हड़कंप

राकेश टिकैत का यह बयान तब आया है जब भाजपा बंगाल में ऐतिहासिक बढ़त के दावे कर रही है। टिकैत के इस 'बेईमानी' वाले बयान ने विपक्षी दलों को एक नया मुद्दा दे दिया है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि टिकैत का यह रुख आने वाले दिनों में किसान आंदोलन और चुनावी राजनीति के बीच के तनाव को और ज्यादा बढ़ा सकता है।

'बंगाल में जनता की राय नहीं, बल्कि सिस्टम की मनमानी चली है। ममता के वोट पड़ने ही नहीं दिए गए, फिर भी उन्होंने **जबरदस्त लड़ाई लड़ी।'** - राकेश टिकैत (किसान नेता)

मेट्रो कॉलमः सवाल जो खड़े हुए

1.क्या वाकई बंगाल चुनाव में बड़े पैमाने पर धांधली हुई जैसा टिकैत दावा कर रहे हैं?

2.क्या हार के बाद विपक्षी खेमे में 'ईवीएम' और 'धांधली' का पुराना राग फिर से अलापा जाएगा?

3.क्या टिकैत का यह बयान किसान आंदोलन की अगली रणनीति का हिस्सा है?

महानगर मेट्रो न्यूज़ ब्यूरो की रिपोर्ट।

गांधी भवन के निदेशक प्रो. के.पी. सिंह का कार्यकाल दो वर्ष बढ़ा, कुलपति ने जताया भरोसा

दिल्ली विश्वविद्यालय का बड़ा फैसलाः प्रो. के.पी. सिंह का कार्यकाल 2 साल बढ़ा, गांधीवादी विचारधारा को वैश्विक स्तर पर किया है प्रमोट।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। महानगर मेट्रो ब्यूरोदिल्ली विश्वविद्यालय के गांधी भवन ने पिछले चार वर्षों में जो अंतरराष्ट्रीय ख्याति अर्जित की है, उसे देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। गांधी भवन के निदेशक प्रोफेसर के.पी. सिंह के उत्कृष्ट कार्यों को सराहत हुए उनके कार्यकाल को दो वर्ष के लिए विस्तार दे दिया गया है। अब प्रो. सिंह अप्रैल 2028 तक इस पद की जिम्मेदारी संभालेंगे।

उपलब्धियों का रहा है शानदार सफर

कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह ने प्रो. के.पी. सिंह के पिछले कार्यकाल के दौरान गांधी भवन को मिली राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान को इस विस्तार का मुख्य आधार बताया। उनके नेतृत्व में गांधी भवन ने केवल शैक्षणिक गतिविधियों तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्किः

• **गांधीवादी विचारधारा का प्रसारः** छात्रों और शिक्षकों को व्यावहारिक रूप से गांधी जी के सिद्धांतों से जोड़ा।

• **वैश्विक आयोजनः** अंतरराष्ट्रीय स्तर के व्याख्यान, सामाजिक और साहित्यिक समारोहों का सफल आयोजन।

• **विशिष्ट अतिथियों का आगमनः** कार्यकाल के दौरान देश-विदेश की कई नामचीन हस्तियों ने गांधी भवन की गतिविधियों में शिरकत की।

• **नवाचार** : गांधीवादी मूल्यों को आधुनिक जीवन में कैसे उतारें, इस पर नए प्रयोग किए गए।

• 'जिन अपेक्षाओं के साथ कुलपति जी ने मेरा कार्यकाल बढ़ाया है, मैं उन पर खरा उतरने का भरसक प्रयास करूंगा। गांधी भवन को नई ऊंचाइयों पर ले जाना ही मेरी प्राथमिकता है। '

— प्रो. के.पी. सिंह, निदेशक, गांधी भवन

बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं प्रो. सिंह प्रो. के.पी. सिंह वर्तमान में न केवल गांधी भवन का कार्यभार संभाल रहे हैं, बल्कि वे पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के प्रभारी होने के साथ-साथ दिल्ली पुस्तकालय संघ के अध्यक्ष पद का दायित्व भी बखूबी निभा रहे हैं। विश्वविद्यालय समुदाय ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि प्रो. सिंह के मार्गदर्शन में गांधी भवन आगामी वर्षों में शांति और सत्य के मार्ग पर चलते हुए और भी नए आयाम स्थापित करेगा।

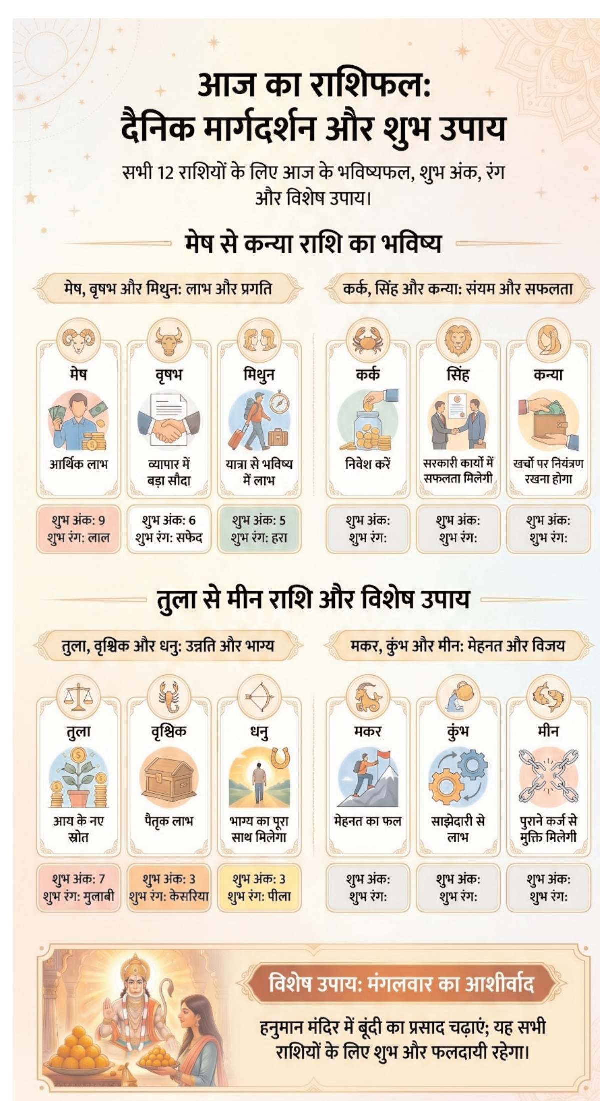

ममता का किला ढहा, भगवा लहर का उदय

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

इस जीत के पीछे कई बहुआयामी कारक कार्यरत थे। सबसे पहले, एंटी-इनकंबेंसी लहर ने जोरदार तरीके से अपना प्रभाव दिखाया। ममता बनर्जी सरकार पर भ्रष्टाचार, कटमनी, घुसपैठ और राजनीतिक हिंसा के गंभीर आरोप लगे थे। विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के तहत वोटर लिस्ट से 27 लाख कथित फर्जी नाम हटाए गए, जिसने बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे को केंद्र में ला खड़ा किया। मातुआ समुदाय–जो बांग्लादेशी हिंदू शरणार्थियों का सबसे बड़ा वोट बैंक है–ने नागरिकता संशोधन कानून (CAA) के कार्यान्वयन के बाद बीजेपी का पूर्ण समर्थन किया।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में बीजेपी ने 195+ सीटें जीतकर TMC के 15 वर्षीय शासन को उखाड़ फेंका। एंटी-इनकंबेंसी, घुसपैठ, भ्रष्टाचार और CAA ने मातुआ वोट एकजुट किया। ममता की 'अजेय' छवि टूटी, विपक्ष कमजोर। राष्ट्रीय INDIA गठबंधन प्रभावित, पूर्वी भारत में BJP विस्तार। नई सरकार विकास-कानूनव्यवस्था पर फोकस करेगी, परंतु हिंसा रोकना चुनौती। यह जीत लोकतंत्र में परिवर्तन का प्रतीक है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की ऐतिहासिक जीत ने न केवल ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 15 वर्षीय शासन को समाप्त कर दिया, बल्कि पूरे भारतीय राजनीति के परिदृश्य को हमेशा के लिए बदल दिया। रुझानों और अंतिम परिणामों के अनुसार, बीजेपी ने 294 सीटों वाली विधानसभा में 195 से अधिक सीटें हासिल कर स्पष्ट बहुमत प्राप्त कर लिया, जबकि टीएमसी 100 सीटों के आसपास सिमट गई। कांग्रेस और सीपीआई(एम) जैसे पारंपरिक विपक्षी दल क्रमशः 2-3 और 1-2 सीटों तक सीमित रह गए। यह परिणाम 2021 के चुनाव से पूरी तरह उलट हैं, जब टीएमसी ने 213 सीटों के साथ प्रचंड बहुमत हासिल किया था। बीजेपी का वोट शेयर 2016 के मात्र 10% से बढ़कर 2024 के लोकसभा चुनावों में 39% हो चुका था, और अब यह पूर्ण सत्ता में तब्दील हो गया।

इस जीत के पीछे कई बहुआयामी कारक कार्यरत थे। सबसे पहले, एंटी-इनकंबेंसी लहर ने जोरदार तरीके से अपना प्रभाव दिखाया। ममता बनर्जी सरकार पर भ्रष्टाचार, कटमनी, घुसपैठ और राजनीतिक हिंसा के गंभीर आरोप लगे थे। विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के तहत वोटर लिस्ट से 27 लाख कथित फर्जी नाम हटाए गए, जिसने बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे को केंद्र में ला खड़ा किया। मातुआ समुदाय–जो बांग्लादेशी हिंदू शरणार्थियों का सबसे बड़ा वोट बैंक है–ने नागरिकता संशोधन कानून (CAA) के कार्यान्वयन के बाद बीजेपी का पूर्ण समर्थन किया। इसके अलावा, कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में TMC कार्यकताओं द्वारा हिंसा, ने गैर-टीएमसी मतदाताओं को एकजुट किया। पहले चरण में 92.88% का रिकॉर्ड मतदान इसी असंतोष का प्रमाण था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के आक्रामक प्रचार ने इस लहर को और तेज किया। मोदी ने 'अंग-बंग-कलिंग' (बंगाल, बिहार, ओडिशा) में बीजेपी शासन का नारा दिया, जबकि शाह ने 152 में से 110 सीटों पर बढ़त का दावा किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिंदुत्व, विकास और 'बुलडोजर बाबा' की छवि के साथ हिंदू मतदाताओं को लामबंद किया। महिला आरक्षण बिल को केंद्र सरकार की विफलता बताने वाले विपक्षी दावों को बीजेपी ने पलटकर टीएमसी के कुशासन से जोड़ा। उच्च मतदान ने दबे हुए वोटरों–खासकर महिलाओं और युवाओं–को बाहर निकाला, जो टीएमसी के 'खेला होगा' नारे से प्रभावित नहीं हुए।

ममता बनर्जी की 'अजेय दीदी' वाली छवि इस हार के साथ पूरी तरह ध्वस्त हो गई। 2011 से बंगाल पर काबिज टीएमसी को अब विपक्ष की भूमिका निभानी पड़ेगी, जो उसके लिए अपरिचित चुनौती है। पार्टी में आंतरिक कलह की आशंका बढ़ गई है, क्योंकि शुभेंदु अधिकारी जैसे पूर्व TMC नेता बीजेपी में सफल साबित हुए। ममता ने एग्जिट पोल्स को 'बीजेपी का पेड नैरेटिव' करार दिया और केंद्र पर सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाया, लेकिन रुझान सरकार गंवाने की ओर स्पष्ट इशारा कर रहे थे। टीएमसी ने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए, परंतु निष्पक्षता के प्रमाण–जैसे रिकॉर्ड मतदान–ने इन दावों को कमजोर कर दिया। भविष्य में टीएमसी का पुनर्गठन कठिन होगा, क्योंकि उसका जमीनी संगठन भ्रष्टाचार के दागों से ग्रस्त हो चुका है। राष्ट्रीय स्तर पर इस जीत के मायने गहन हैं। 2024 लोकसभा चुनावों में सीमित बहुमत वाली मोदी 2.0 सरकार को बंगाल ने पूर्ण राज्य सरकार के रूप में मजबूत आधार प्रदान किया। पूर्वी भारत में बीजेपी का विस्तार–असम और बिहार के साथ अब बंगाल–हिंदुत्व और विकास मॉडल की अपार सफलता का प्रमाण है। INDIA गठबंधन कमजोर पड़ जाएगा, क्योंकि टीएमसी का राष्ट्रीय कद घटेगा। उत्तर प्रदेश 2027 और बिहार चुनावों पर इसका सीधा असर पड़ेगा, जहां बीजेपी मजबूत स्थिति में होगी। संघ परिवार की संगठनात्मक क्षमता ने क्षेत्रीय दलों को कड़ी टक्कर दी, जो भविष्य के चुनावी रणनीतियों को प्रभावित करेगी।

विपक्ष की स्थिति अब त्रिशंकु में आ गई है। कांग्रेस और वाम मोर्चा की नगण्य भूमिका 2021 से जारी रही, जो राष्ट्रीय विपक्ष की एकजुटता पर सवाल खड़े करती है। ममता का राजनीतिक करियर अब अनिश्चित है–क्या वे विपक्ष की नेता बनेंगी या पार्टी में नई पीढ़ी उभरेगी? विपक्ष को नई रणनीति अपनानी होगीः या तो कांग्रेस-वाम का मजबूत गठबंधन, या नया क्षेत्रीय मोर्चा। बंगाल अब बीजेपी का गढ़ बन चुका है, जिससे विपक्ष की आवाज राष्ट्रीय पटल पर और मद्धम हो गई।

सामाजिक-आर्थिक दृष्टि से, नई बीजेपी सरकार विकास, कानून-व्यवस्था और घुसपैठ रोक पर फोकस करेगी। मातुआ समुदाय को CAA के लाभ मिलेंगे, जबकि बंगाल की जर्जर अर्थव्यवस्था–जो टीएमसी के कुशासन से पीड़ित थी–को नई दिशा मिल सकती है। हालांकि, राजनीतिक हिंसा को समाप्त करना और बंगाली अस्मिता के साथ भगवा लहर का संतुलन बनाना प्रमुख चुनौतियां होंगी। महिलाओं, युवाओं और अल्पसंख्यकों के मुद्दे–जैसे आरक्षण, रोजगार और शिक्षा–नई सरकार के एजेंडे में रहेंगे। बंगाल की सांस्कृतिक विविधता को बनाए रखते हुए विकास मॉडल लागू करना होगा। भारतीय संस्कृति

भविष्य की संभावनाएं रोचक हैं। बीजेपी को आंतरिक कलह से बचना होगा, जो उसके बंगाल संगठन की पुरानी कमजोरी रही है। विपक्ष को पुनर्जनन की आवश्यकता है–शायद ममता के नेतृत्व में नया आक्रमक रुख या कांग्रेस का पुनरुद्धार। यह चुनाव सिद्ध करता है कि स्थानीय मुद्दे राष्ट्रीय एजेंडे को परिभाषित करते हैं। बंगाल ने साबित कर दिया कि परिवर्तन अपरिहार्य है, और लोकतंत्र में जनता की इच्छा सर्वोपरि होती है। यह जीत न केवल बीजेपी की रणनीतिक विजय है, बल्कि भारतीय राजनीति में एक नए युग की शुरूआत का प्रतीक है।

संपादकीय

किराये की संतान

जीवन की सांझ में बुजुर्गों को अपनों के पास न होने की टीस सालती है। कई बुजुर्गों के बच्चे विदेशों में अपना भविष्य तलाशने गए तो फिर लौटकर नहीं आये। जीवनभर की जमा-पूंजी से बनाये गए बड़े-बड़े घरों में वे सिर्फ दीवारें ताकते हैं। बच्चों के पास जाते भी हैं तो वहां रात-दिन काम में जुटे बच्चों के साथ रहना उन्हें रास नहीं आता। आत्मकेंद्रित होती पीढ़ी भी भारत में रहने वाले माता-पिता की सुध लेने लौटकर तक नहीं आती। ऐसे में साधन-संपन्न बुजुर्ग को कई बड़े शहरों में ऐसी कंपनियां किराये की सतानें उपलब्ध कराती हैं। ये किराये की संतानें बुजुर्गों के साथ सैर पर जाते हैं, लूडो आदि खेल खेलते हैं और उनका एकाकीपन दूर करते हैं। यद्यपि यह समस्या का अंतिम समाधान तो नहीं है लेकिन कुछ समय के लिए वे राहत महसूस करते हैं। दरअसल, बुजुर्गों के जीवन में अंदर से खालीपन इतना बढ़ गया है जिसे भरने के लिए वे किराये की संतानों की ओर उन्मुख होते हैं। कई कंपनियां बुजुर्गों को केयर का पैकेज देती हैं। वे ऐसे अटेंडेंट उपलब्ध कराती हैं जो बुजुर्गों के साथ बैठकर टीवी देखते हैं, ताश खेलते हैं, दिन-भर बातें करते हैं। कंपनियों की यह सुविधा सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं रह गई बल्कि गांवों तक लोग इन्हें अनुबंधित कर रहे हैं। हालांकि, खून के रिश्तों का कोई विकल्प नहीं हो सकता है, लेकिन तात्कालिक तौर पर वे इनकी उपस्थिति में कुछ सुकून हासिल कर सकते हैं। हालांकि, ऐसे दौर में जब उम्र-दराज लोगों के आय के स्रोत सिमटने लगते हैं और शरीर भी साथ नहीं देता तो बहुत से लोगों के सामने किराये की संतान का बोझ उठाना भी मुश्किल होता है। खासकर निजी क्षेत्र के सेवानिवृत्ति कर्मचारियों के लिए जिनकी पेंशन भी मुट्ठी में सिमट जाती है। विकसित देशों में सेवानिवृत्त लोगों के लिए तमाम कल्याणकारी योजनाएं लागू रहती हैं। वे अपनी नौकरी के दौरान पर्याप्त आयकर देते हैं। फिर सेवानिवृत्ति पर सरकारें उनकी देखभाल व मेडिकल सुविधाओं का दायित्व निभाती हैं। भारत में कथित लोककल्याणकारी सरकारें भरपूर आयकर वसूलने के बाद भी जिंदगी की सांझ में बुजुर्गों को उनके हाल पर छोड़ देती है। अपने भी गांठ का धन मजबूत होने पर ही अपने साथ निभाते हैं। ऐसे में बुजुर्गों व वृद्धों का जीवन अवसादमय हो जाता है। लगातार महंगी होती चिकित्सा सुविधाएं और आय के स्रोतों का संकुचन उन्हें भविष्य के भय से भर देता है। वास्तव में बुजुर्गों व वृद्धों को जीवन की सच्चाई को स्वीकार करते हुए इसका मुकाबला करने को तैयार रहना चाहिए। शारीरिक सक्रियता, योग, ध्यान, प्राणायाम व सत्संग उनके लिए मददगार होता है। अक्सर सोशल मीडिया पर चर्चा की जाती है कि यदि अनाथ आश्रमों के बच्चों को ओल्ड ऐज होम के बुजुर्गों के साथ रखा जाए तो दोनों की समस्या हल हो सकती है। एक ओर बच्चों को जहां अभिभावक मिल सकते हैं, वहीं बुजुर्गों को बच्चे मिल सकते हैं। गुणवत्ता वाले सुविधा-संपन्न वृद्धाश्रमों को बनाने के लिए सरकार के स्तर पर बड़े प्रयास करने की जरूरत है।

चिंतन-मनन

अपना दृष्टिकोण

एक कन्या ने अपने पिता से कहा, मैं किसी पुरातत्वविद् से विवाह करना चाहती हूं। पिता ने पूछा, क्यों? कन्या बोली, पिताजी! पुरातत्वविद् ही एक ऐसा व्यक्ति होता है जो पुरानी चीजों को ज्यादा मूल्य देता है। मैं भी ज्यों-ज्यों पुरानी होती जाऊंगी, बूढ़ी होती जाऊंगी, मेरा मूल्य भी बढ़ता जाएगा। वह मेरे से नफरत भी नहीं करेगा। पुरातत्वविद् यह नहीं देखता कि वस्तु कितनी सुन्दर है, कितनी असुन्दर है। वह इतना देखता है कि वस्तु कितनी पुरानी है। यह उसके मूल्यांकन की दृष्टि होती है।

कहने का अर्थ यह कि मूल्यांकन का अपना-अपना दृष्टिकोण होता है। मूल्यांकन का हमारा भी एक दृष्टिकोण है। अध्यात्म की साधना करने वाले व्यक्ति का अपना एक दृष्टिकोण होता है मूल्यांकन का और वह उसका स्वयं का दृष्टिकोण होता है, किसी से उधार लिया हुआ नहीं। उसका दृष्टिकोण बदले, चरित्र बदले। वह पुराना ही न रहे, नया बने। पुरानेपन का आग्रह छूटे। साधना में पुरातत्वविद् की दृष्टि काम नहीं देती। वहां नयेपन का आयाम खुलता है और सदा नया बना रहने की आकांक्षा बनी रहती है।

प्रत्येक समझदार आदमी का प्रयत्न सप्रयोजन होता है। ध्यान की साधना करने वाले व्यक्ति का साध्य है- रूपान्तरण दृष्टि का रूपान्तरण, चरित्र का रूपान्तरण। अहं को अर्हम् में बदलना। अहं और अर्हम् में केवल एक मात्रा का अन्तर है। साधक अहं को छोड़कर अर्हम् बनना चाहता है। एक मात्रा का अर्जन करना है। अहम् पर ऊर्ध्व र लगे, ऐसा प्रयत्न करना है। तब साधना सफल हो जाती है।

अमेरिका में महंगाई और बेघर होते लोग

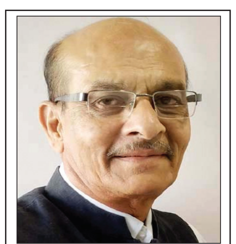

सनत जैन

विकास के बीच गहराती असमानता का संकट दुनिया की सबसे विकसित अर्थव्यवस्थाओं में गिने जाने वाले अमेरिका में बेघर लोगों की बढ़ती संख्या एक गहरी सामाजिक और आर्थिक विडंबना को उजागर करती है। तकनीकी प्रगति, उच्च आय और वैश्विक प्रभाव के बावजूद, देश का एक बड़ा वर्ग आज भी बुनियादी जरूरतों छत, भोजन और स्वास्थ्य से वंचित है। यह स्थिति केवल गरीबी का नहीं, बल्कि आर्थिक असमानता के बढ़ते अंतर का प्रत्यक्ष प्रमाण है। हाल के वर्षों में बेघर होना (होमलेसनेस) की समस्या तेजी से बढ़ी है। यह राजनीतिक जुमले नहीं हैं, जिसे एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल दिया जाए। बल्कि यू.एस. डिपार्टमेंट ऑफ हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट के आंकड़े हैं जो बताते हैं, कि लाखों लोग स्थायी आवास से वंचित हैं। इन बेघर इंसानों में बड़ी संख्या कामकाजी वर्ग की भी है। यह तथ्य विशेष रूप से चिंताजनक है कि रोजगार होने के बावजूद लोग घर नहीं ले पा रहे हैं। इसका मुख्य कारण आवास की आसमान छूती कीमतें और स्थिर या सीमित वेतन है। कुल मिलाकर महंगाई की मार अब बड़े स्तर पर भी देखने को मिलने लगी है। लॉस एंजिल्स, सैन फ्रांसिस्को और न्यूयॉर्क सिटी जैसे बड़े शहरों में स्थिति सबसे अधिक गंभीर है। यहां सड़कों, पुलों के नीचे, टेंट कॉलोनियों और अस्थायी शिविरों में रहने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इन महानगरों में किराया इतना अधिक हो चुका है कि न्यूनतम वेतन पाने वाला व्यक्ति एक साधारण घर का खर्च भी नहीं उठा सकता। वैश्विक मंदी के इस दौर में बढ़ती महंगाई इस संकट का प्रमुख कारण है, लेकिन इसके पीछे भी कई परस्पर कारण जुड़ते हैं। इनमें स्थिर आय, महंगी स्वास्थ्य सेवाएं, मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं और नशे की बढ़ती प्रवृत्ति को भी शामिल किया गया है। इन कारणों ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। कोविड-19 महामारी ने इस समस्या को और गहरा कर दिया, जब लाखों लोग बेरोजगार हो गए और उनकी आर्थिक सुरक्षा कमजोर पड़ गई। हालात को और चुनौतीपूर्ण बनाने में वैश्विक परिस्थितियों की भी भूमिका है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवियर गोरिन्शास ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष लंबा खिंचता है, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है। तेल की कीमतों में वृद्धि और महंगाई में उछाल से आर्थिक वृद्धि दर घटकर लगभग 2 फीसद तक पहुंच सकती है, जो वैश्विक मंदी का सबसे बड़ा संकेत माना जाता है। ईरान के खिलाफ इजरायल के साथ मिलकर युद्ध शुरू करते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 'छोटी और निर्णायक' लड़ाई बताया था, लेकिन वास्तविकता कहीं अधिक जटिल साबित हो रही है। युद्ध, महंगाई और आर्थिक अनिश्चितता का सीधा असर आम नागरिकों, खासकर कमजोर वर्गों पर पड़ता है।

यह कौन नहीं जानता कि बेघर लोगों का जीवन अत्यंत कठिन और असुरक्षित होता है। उन्हें खुले आसमान के नीचे रहना पड़ता है, जहां सुरक्षा, स्वच्छता और स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव होता है। कई लोग अस्थायी आश्रयों पर निर्भर रहते हैं, लेकिन वहां भी सीमित जगह और संसाधनों के कारण सभी को सुविधा नहीं मिल पाती। सरकार और सामाजिक संस्थाएं इस समस्या के समाधान के लिए प्रयासरत हैं, लेकिन चुनौतियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। इस हालात में केवल अस्थायी राहत उपाय पर्याप्त नहीं हैं। सस्ती आवास योजनाएं, रोजगार के बेहतर अवसर, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और मानसिक स्वास्थ्य समर्थन को मजबूत करना आवश्यक है। अमेरिका का यह परिदृश्य एक व्यापक संदेश देता है, केवल आर्थिक विकास किसी समाज की समृद्धि का मापदंड नहीं हो सकता। जब तक विकास के लाभ समाज के सभी वर्गों तक समान रूप से नहीं पहुंचते, तब तक असमानता की खाई गहराती रहेगी। बेघर लोगों की बढ़ती संख्या इस बात का स्पष्ट संकेत है कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को अब अपने विकास मॉडल पर पुनर्विचार करना होगा। युद्ध की भाषा को त्यागकर सभी को साथ लेकर आगे बढ़ना होगा। अन्यथा, 'अमेरिकन ड्रीम' केवल एक सपना बनकर रह जाएगा, जिसे हकीकत में बदलने का अवसर हर नागरिक को

अस्थमा की वैश्विक त्रासदीः सबसे ज़्यादा भारत में दुनिया की 46प्र. मौतें

दिलीप कुमार पाठक

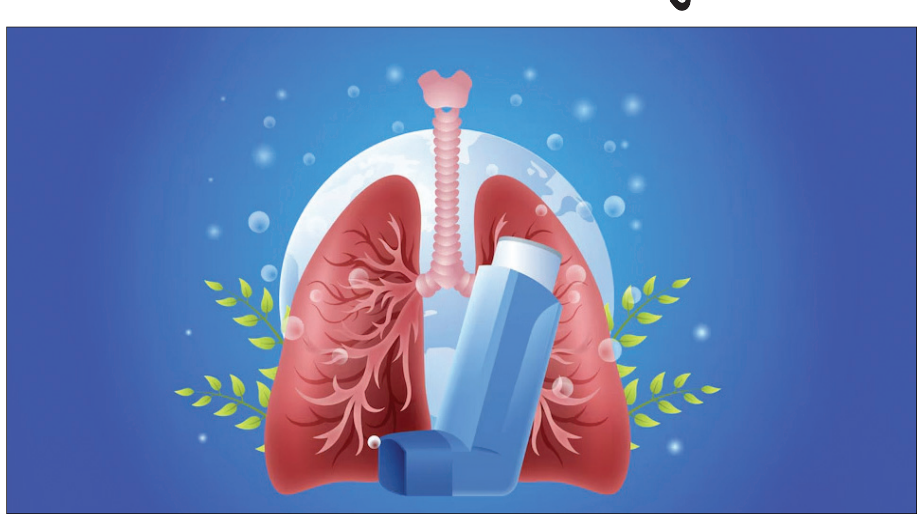

शहर की भागती भीड़ में अगर आप किसी चौराहे पर खड़े होकर गौर करें, तो आपको हर पांचवें-छठे बच्चे के कंधे पर लटके स्कूल बैग के किनारे से एक प्लास्टिक का इनहेलर झांकता मिल जाएगा। यह आज की वह कड़वी हकीकत है जिसे हम विकास की चकाचौंध में अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। हमने आलीशान हाईवे और चमकते एक्सप्रेस-वे तो बना लिए, हाथ में 5जी मोबाइल भी थाम लिया, लेकिन उसी हाथ में हमारे बच्चों के लिए नेबुलाइजर की पाइपें भी थमा दीं। हम विकास की ऐसी दौड़ में शामिल हो गए हैं जहां बैंक बैलेंस तो बढ़ रहा है, लेकिन फेफड़ों की उम्र घट रही है।

आज विश्व अस्थमा दिवस पर जब दुनिया इलाज की पहुंच की बात कर रही है, तो हमें यह पूछना होगा कि क्या हम वाकई बीमारी का इलाज ढूंढ रहे हैं या उस जड़ को ही खाद-पानी दे रहे हैं जो इस बीमारी को पैदा कर रही है?अस्थमा अब केवल जेनेटिक या पुरानी बीमारी नहीं रह गई है। यह विशुद्ध रूप से एक इकोलॉजिकल क्राइम यानी पर्यावरण के खिलाफ किए गए अपराध का नतीजा है। भारत की हवा में जो जहर घुल चुका है, वह सीधे हमारे फेफड़ों को नुकसान पहुंचा रहा है। प्रदूषण की बात चलते ही हमारी सुई अक्सर गाड़ियों के धुएं पर टिक जाती है, लेकिन हम उस मौसमी कहर को कैसे भूल सकते हैं जो उत्तर भारत के एक बड़े हिस्से का दम घोंट देता है? खेतों में जलती पराली ने अस्थमा के संकट को एक भयावह मोड़ दे दिया है। जब किसान भाई मजबूरन खेतों में आग लगाते हैं, तो वह काला धुआं सरहदों को नहीं पहचानता। वह धुआं स्मॉग बनकर हमारे घरों के ड्राइंग रूम तक घुस आता है, और तब सांस के मरीजों के लिए हर एक पल मौत से लड़ने जैसा होता है। विडंबना देखिए कि जिस मिट्टी से हमें अन्न मिलता है, उसी मिट्टी के ऊपर जलती आग हमारे मासूमों के फेफड़ों को झुलसा रही है। अगर आंकड़े देखें तो भारत में करीब 3 करोड़ से ज्यादा लोग अस्थमा से जूझ रहे हैं। सबसे भयावह तथ्य यह है कि दुनिया भर में अस्थमा से होने वाली मौतों में लगभग 46 प्रतिशत मौतें अकेले भारत में होती हैं। भारत में अस्थमा मरीजों की तादाद उतनी बड़ी समस्या नहीं है, जितनी कि उनसे होने वाली मौतों का आंकड़ा, जो दुनिया में सबसे ज्यादा है।

यह आंकड़ा डराने वाला कम और शर्मिंदा करने वाला ज्यादा है। यह बताता है कि हमारे यहां या तो बीमारी की पहचान बहुत देर से होती है, या फिर इलाज इतना महंगा और जटिल है कि आम आदमी की पहुंच से बाहर है। अस्थमा के साथ सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि इसके साथ एक सामाजिक कलंक जुड़ा है। आज भी कई माता-पिता यह स्वीकार करने को तैयार नहीं होते कि उनके बच्चे को दमा है। उन्हें लगता है कि इनहेलर की लत लग जाएगी। जबकि मेडिकल साइंस कहता है कि इनहेलर ही सबसे सटीक इलाज है क्योंकि यह सीधे प्रभावित नली पर काम करता है। दवाइयों की गोलियां पूरे शरीर में घूमकर असर करती हैं, जबकि इनहेलर सीधे फेफड़ों पर निशाना साधता है। समाज की इसी नासमझी और इलाज के डर ने इस बीमारी को घर-घर में घातक बना दिया है। प्रदूषण की मार केवल बाहर ही नहीं है, हमारे घरों के भीतर भी है। अगरबत्ती का धुआं, बंद कमरों की नमी और रसोई से निकलता धुआं ये सब अस्थमा के मरीजों के लिए साइलेंट किलर का काम करते हैं। इसके ऊपर से बढ़ती गर्मी और हीटवेव ने इस संकट को दोगुना कर दिया है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, हवा में ओजोन का स्तर और धूल के कण बढ़ते हैं, जो सांस की नलियों में सूजन पैदा कर देते हैं। अब समय केवल जागरूकता का नहीं, बल्कि जवाबदेही का है।

सरकार को पराली प्रबंधन के ऐसे विकल्प देने होंगे जो किसान की जेब पर भारी न पड़ें, और सड़कों की धूल के लिए सख्त नियम बनाने होंगे। लेकिन क्या सिर्फ कानून काफी हैं? नागरिक के तौर पर हमें सोचना होगा कि हम सिर्फ एसी चलाकर गर्मी से तो बच रहे हैं, पर बाहर की हवा को और जहरीला नहीं बना रहे? क्या हम कूड़ा जलाने या बेवजह गाड़ियां दौड़ाने से पहले अपनी अगली पीढ़ी के फेफड़ों का ख्याल कर रहे हैं? हमें समझना होगा कि अस्थमा का इलाज सिर्फ महंगी दवाओं में नहीं है, बल्कि उस हवा में है जिसे हम और आप साझा करते हैं। यदि आज हमने अपनी जीवनशैली और पर्यावरण को लेकर सख्त कदम नहीं उठाए, तो आने वाली नस्लें हमें माफ नहीं करेंगी। दवाएं तो शायद मिल जाएं, लेकिन कुदरती और खुली सांसों का कोई विकल्प नहीं है। आखिर हमारी तरक्की का क्या मतलब, अगर वह हमें खुली हवा में सुकून से सांस लेने के लायक भी न छोड़े?

(लेखक पत्रकार हैं)

बंगाल में BJP की जबरदस्त जीत पर वाराणसी में बंटी झालमुड़ी, बंगाली महिलाओं का जश्न

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पश्चिम बंगाल. चुनाव के रुझानों में बीजेपी को बढ़त मिलते ही वाराणसी में बंगाली समाज की महिलाओं ने गंगा घाट पर शंखनाद कर पूजा की और झालमुरी खाकर जश्न मनाया. उन्होंने मां गंगा और बाबा विश्वनाथ से बीजेपी की जीत की कामना की, जबकि अंतिम नतीजों का अभी इंतजार जारी है.

पश्चिम बंगाल चुनाव मतगणना के नतीजे के रुझान भाजपा के पक्ष में आने से पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी की उत्साहित बंगीय समाज की महिलाओं ने गंगा घाट किनारे शंखनाद करके मां गंगा भोलेनाथ की प्रार्थना की और झालमुड़ी खाकर रुझान पर उत्साह दिखाया. साथ ही उम्मीद जताई कि भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल में जीतने वाली है.

यूं तो सुबह-ए-बनारस कचौड़ी जलेबी के नाश्ते के लिए मशहूर है लेकिन आज गंगा घाट के चौसट्टी घाट पर बंगाली समाज की महिलाओं ने झालमुरी से नाश्ता करके अपने दिन की शुरुआत की.

बंगाली महिलाओं ने न केवल झालमुरी बनाया, बल्कि आपस में बांटकर खाया भी. इसके पहले बंगाली महिलाओं ने शंखनाद करके मां गंगा और बाबा विश्वनाथ से कामना की कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की विजय हो.

बंगाली महिलाओं ने बताया कि जिस तरह से गरीबों का नाश्ता झालमुरी खाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगाल में संदेश दिया. उसी को दोहराते हुए वह आज सुबह गंगा घाट किनारे न केवल झालमुरी का नाश्ता कर रही हैं, बल्कि उन्होंने शंखनाथ करके मां गंगा और भोलेनाथ से बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की विजय की भी प्रार्थना की है.

बंगाल चुनाव में जैसे-जैसे नतीजे सामने आ रहे हैं बीजेपी जीत की ओर बढ़ रही है. ऐसे में भारतीय जनता पार्टी के समर्थकों में इसी तरह से उत्साह दिखाई पड़ रहा है. हालांकि, वोटों के गिनती पूरी होने के बाद ही राज्य में बहुमत को लेकर तस्वीर साफ हो सकेगी.

वादों से विश्वासघात तक, नारी शक्ति का अधूरा संकल्प: सीएम रेखा गुप्ता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राष्ट्र की यात्रा में कुछ क्षण ऐसे आते हैं, जब इतिहास नया रास्ता बनाता है और कुछ ऐसे भी जब चंद हाथ उस रास्ते पर अवरोध खड़े कर देते हैं। 17 अप्रैल 2026 का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक काले अध्याय के रूप में दर्ज हो चुका है। बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती वाले सप्ताह में, जब करोड़ों बेटियाँ संसद की ओर आश भरी निगाहों से देख रही थीं, 131वां संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा की दहलीज पर ही ठिठक गया। अत्यंत दुःखद है कि प्रधानमंत्री को विपक्ष की बाधाओं के कारण देश से क्षमा मांगनी पड़ी। महिला आरक्षण का इतिहास भारतीय राजनीति की सबसे लंबी टालमटोल की कहानी है। 1996 में पहली बार प्रस्तुत हुआ, 1998, 1999, 2002 और 2003 में बार-बार लाया और रोका गया, 2010 में राज्यसभा से पारित होने के बावजूद लोकसभा की दहलीज न लांघ सका। यह 'नौ दिन चले अढ़ाई कोस' जैसा था, हर बार किसी न किसी 'तकनीकी' आपत्ति ने इस मूल नैतिक प्रश्न को उलझा दिया।

इतिहास ने करवट ली

और फिर इतिहास ने करवट ली। 2023 में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संवैधानिक रूप दिया गया। उनके शब्द, 'समाज तब आगे बढ़ता है जब महिलाऐं आगे बढ़ती हैं', संरचनात्मक परिवर्तन का आधार बने। उन्होंने एक बार फिर सिद्ध किया कि वे इरादों के साथ-साथ क्रियान्वयन के कर्मयोगी भी हैं। परंतु इस अधिनियम के पूर्ण क्रियान्वयन हेतु परिसीमन और सीटों के विस्तार से जुड़े संशोधन आवश्यक थे और यही 131वां संशोधन विधेयक 17 अप्रैल को विपक्ष की कुटिल राजनीति का शिकार हो गया।

संख्याएं अपनी कहानी स्वयं कहती हैं

संख्याएं अपनी कहानी स्वयं कहती हैं। महिलाएं, जो जनसंख्या का लगभग आधा हिस्सा है, उन संस्थाओं में सबसे कम प्रतिनिधित्व रखती है जो उनके भविष्य को आकार देती हैं। लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व लगभग 14' और राज्यसभा में 16' है। 1951-52 के पहले आम चुनाव से आज तक संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व कभी 20' का आंकड़ा पार नहीं कर पाया। दूसरी ओर, स्वीडन और नॉर्वे में यह 46', फ्रांस-ऑस्ट्रेलिया में 38', जर्मनी में 35' और दक्षिण अफ्रीका जैसे विकासशील देश में 45' तक पहुंच चुका है। भारत आज भी संभावना और प्रदर्शन के बीच ठहरा हुआ है। शासन का स्वर बदल जाता है जब महिलाएं नीति-निर्माण की मेज तक पहुंचती हैं, तो शासन का स्वर बदल जाता है। पंचायतों और स्थानीय निकायों का तीन दशक का अनुभव बताता है'

ड्राइवर को लगी झपकी, अयोध्या से लौट रहे परिवार की कार का एक्सीडेंट, 6 की मौत

जोल्हुपुर मोड़ के पास हादसे में एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत, जबकि 4 अन्य गंभीर घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालौन। कालपी में ह॥-27 पर दर्दनाक हादसे में अयोध्या से लौट रहे एक परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 गंभीर रूप से घायल हैं. बताया जा रहा है कि ड्राइवर को झपकी आने से कार अनियंत्रित होकर टकरा गई. हादसे के बाद राहत-बचाव में काफी मशक्कत करनी पड़ी. जालौन जिले में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे ने खुशियों भरे सफर को मातम में बदल दिया. कालपी कोतवाली क्षेत्र के जोल्हुपुर मोड़ के पास हुए इस हादसे में एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं. सभी लोग अयोध्या से भगवान रामलला के दर्शन कर अपने घर लौट रहे थे. मिली जानकारी के अनुसार, ललितपुर जिले के महरौनी निवासी शशिकांत तिवारी अपने परिवार के साथ अयोध्या गए थे. सोमवार तड़के करीब 6 बजे जब वे लौट रहे थे, तभी रास्ते में कार चला रहे ड्राइवर को अचानक नींद की झपकी आ गई. इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे एक अज्ञात वाहन से जा टकराई. टक्कर इतनी भीषण थी कि कार

बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए. हादसे के समय कार में कुल 10 लोग मौजूद थे. इनमें से 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. घायलों में 4 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज जारी है. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दुर्घटना के बाद का दृश्य बेहद भयावह था. कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो चुका था. घायलों को बाहर निकालने के लिए स्थानीय लोगों और पुलिस को करीब एक घंटे तक कड़ी मशक्कत करनी पड़ी. केबिन में फंसे यात्रियों को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया.सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया. शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. मामले की जांच जारी है. पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने बताया कि नेशनल हाईवे-27 पर यह हादसा हुआ है और सभी मृतक ललितपुर जिले के निवासी हैं. यह हादसा एक बार फिर सड़क सुरक्षा और लंबी दूरी की यात्रा के दौरान सतर्कता की जरूरत को उजागर करता है.

बीवी के 3 आशिक और खूनी बीयर पार्टी: बागपत में पति को रास्ते से हटाने के लिए जिगरी दोस्तों ने रची साजिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागपत, दोस्ती और भरोसे के कत्ल की रूह कंपा देने वाली वारदात सामने आई है. यहां एक शख्स की पत्नी के तीन प्रेमियों ने मिलकर उसे मौत के घाट उतार दिया. हैरान करने वाली बात यह है कि हत्यारे मृतक के ही करीबी दोस्त थे, जिन्होंने बीयर पार्टी के बहाने उसे बुलाया था.उत्तर प्रदेश के बागपत के शहर कोतवाली क्षेत्र के मितली गांव में 2 मई की सुबह फास्ट फूड विक्रेता मूलचंद उर्फ सोनू का शव एक ट्यूबवेल पर मिला था. अब खुलासा हुआ है कि मृतक के तीन दोस्तों विशाल, दीपक और रिंकू ने मूलचंद की पत्नी के साथ अपने

अवैध संबंधों के चलते इस हत्या को अंजाम दिया. तीनों ने मूलचंद को घर से फोन कर ट्यूबवेल पर बुलाया और पहले साथ बैठकर शराब व बीयर पी. जैसे ही मूलचंद नशे में धुत्त हुआ, इन तीनों ने ईंट से उसका सिर कूचकर उसे मार डाला. पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्या में इस्तेमाल ईंट बरामद कर ली है.

दोस्ती की आड़ में दगाबाजी

मृतक मूलचंद उर्फ सोनू गांव में ही फास्ट फूड की दुकान चलाता था. उसे अंदाजा भी नहीं था कि जिन तीन दोस्तों- विशाल, दीपक और रिंकू- को वह अपना जिगरी यार समझता था, वे ही उसकी पीठ में छुरा घोंप रहे हैं. इन तीनों का मूलचंद की पत्नी के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था. मूलचंद को इस अवैध रिश्ते में कांटा मानते हुए तीनों ने उसे रास्ते से हटाने का खौफनाक प्लान तैयार किया.साजिश के मुताबिक, आरोपियों ने मूलचंद को पार्टी के बहाने ट्यूबवेल पर बुलाया. वहां घंटों तक बीयर और शराब का दौर चला. जब मूलचंद पूरी तरह नशे की हालत में आ गया और अपना बचाव करने की स्थिति में नहीं रहा, तब तीनों ने मिलकर पास पड़ी ईंट उठाई और उसके सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए. मौके पर बिखरी शराब की बोतलें और खून से सनी ईंटें इस बर्बरता की गवाह बनीं घटना की जानकारी मिलते ही एसपी सूरज राय के निर्देशन में टीम ने पड़ताल शुरू की. घटनास्थल के हालात और कॉल रिकॉर्ड्स के आधार पर पुलिस ने तीनों संदिग्धों को हिरासत में लिया. सख्ती से हुई पूछताछ में तीनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया. एसपी ने बताया कि आरोपियों ने अवैध संबंधों की बाधा दूर करने के लिए इस हत्याकांड को अंजाम दिया था.

दिल्ली में तीन दोस्तों को दौड़ा-दौड़ाकर मारे चाकू, लाडो सराय में सरेआम हुई वारदात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली । लाडो सराय में पेट्रोल पंप पर चार हमलावरों ने तीन युवकों पर चाकू से हमला किया, जिसमें अली अमन की मौत हो गई और दो घायल हैं। वारदात के दौरान मौजूद लोग तमाशबीन बने रहे, पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

लाडो सराय में सरेआम हुई वारदात

नई दिल्ली: साउथ-डिस्ट्रिक्ट के लाडो सराय इलाके में शनिवार रात पेट्रोल पंप पर शनिवार रात चार हमलावरों ने बाइक में तेल डलवाने आए तीन युवकों को घेरकर दौड़ा-दौड़ा कर चाकू मार दिए। सरेआम भीड़भाड़ वाले पेट्रोल पंप पर हमलावर ताबड़तोड़ वार करते रहे, लेकिन वहां मौजूद लोग तमाशबीन बने रहे। हमले में 24 वर्षीय अली अमन की मौत हो गई। जबकि उसके दो दोस्त सुफियान और ऋतिक गंभीर रूप से घायल हैं। साकेत थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक घटना शनिवार रात करीब 11 बजे लाडो सराय स्थित पेट्रोल पंप पर हुई। अली अमन अपने दोस्तों सुफियान और ऋतिक के साथ बाइक में पेट्रोल भरवाने पहुंचे थे। इसी दौरान चार से पांच की संख्या में आए युवकों ने अचानक तीनों पर हमला बोल दिया। परिजनों के अनुसार, हमला होते ही तीनों युवक जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे, लेकिन हमलावरों ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया औरचाकुओं से ताबड़तोड़ वार शुरू कर दिए। अली अमन पर 20 से ज्यादा, ऋतिक पर 15 से 20 और सुफियान पर करीब 8 वार किए गए। हमलावर तीनों को लहूलुहान हालत में छोड़कर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद तीनों को सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने अली अमन को मृत घोषित कर दिया। ऋतिक की हालत नाजुक बनी हुई है। जबकि सुफियान का इलाज जारी है। वहीं घटना के दौरान पेट्रोल पंप पर स्टाफ के अलावा काफी संख्या में ग्राहक भी मौजूद थे। पीड़ित मदद के लिए चिल्लाते रहे, लेकिन किसी ने हमलावरों को रोकने या बीच-बचाव की हिम्मत नहीं दिखाई। अली अमन पर 20 से ज्यादा, ऋतिक पर 15 से 20 और सुफियान पर करीब 8 वार किए गए मौके पर काफी लोग थे, लेकिन किसी ने बीच-बचाव की नहीं दिखाई हिम्मत

ऑटो चलाकर परिवार चला रहे थे अली

मृतक के रिश्तेदार यूसुफ अली खान ने बताया कि अली अमन ऑटो चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते थे। वह घर का इकलौता बेटा था। परिवार में मां और दो बहनें हैं। एक बहन की जल्द शादी होने वाली थी। उन्होंने कहा, अली बहुत सीधा-सादा लड़का था। परिवार की सारी जिम्मेदारी उसी पर थी। वहीं मृतक की मौसी बीनू ने कहा कि लोग अक्सर ऐसे मामलों में तमाशा देखते रहते है। अगर वहां मौजूद लोगों ने हिम्मत दिखाई होती तो मेरा लाल बच सकता था। वहीं पुलिस ने हत्या और हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस अधिकारी के अनुसार

पुलिस अधिकारी के अनुसार तीनों महरौली स्थित इस्लाम कॉलोनी में रहते हैं। घायलों ने चार लड़कों का नाम लिया है। पुलिस चारों आरोपियों की तलाश कर रही है। वहीं सूत्रों की मानें तो आरोपी और पीड़ित एक दूसरे को पहले से जानते हैं। घटना से पहले दोनों पक्षों की मुलाकात भी हुई थी। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। ओखला फेज-2 स्थित पार्क में मामूली कहासुनी खूनी झगड़े में बदल गई। तीन युवकों ने मिलकर एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया, जबकि बीच-बचाव करने आए उसके दोस्त को भी घायल कर दिया। पुलिस के मुताबिक, घटना 29 अप्रैल की शाम की है। अस्पताल में पुलिस को गोविंदपुरी निवासी 17 वर्षीय अनमोल कुमार ने बताया कि वह दोस्त समीर के साथ पार्क में खेल रहे थे। इसी दौरान वहां मौजूद अरमान से समीर की किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। कुछ देर बाद अरमान अपने भाई और साथी शहबाज के साथ वापस पार्क में पहुंचा। तीनों ने समीर पर हमला कर दिया। बीच-बचाव अनमोल पर भी हमला कर दिया। मैदानगढ़ी में सौतेले पिता को चाकू घोंपा साउथ डिस्ट्रिक्ट के मैदानगढ़ी इलाके में मां की दूसरी शादी से नाराज बेटे ने अपने सौतेले पिता पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपी युवक पेट में चाकू घोंपकर उसे वहीं फंसा छोड़ साथियों के साथ फरार हो गया।

अयोध्या से दर्शन करके ललितपुर लौट रहा परिवार हादसे का शिकार, जालौन में 6 लोगों की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालौन। जिले में सोमवार की सुबह हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया। झांसी-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग (ह॥-27) पर कालपी कोतवाली क्षेत्र के 84 गुंबद नामक स्थान के पास एक तेज रफ्तार टवेरा कार ने पीछे से ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ललितपुर जिले के महरौनी निवासी शशिकांत तिवारी (49) अपने पूरे परिवार के साथ अयोध्या से दर्शन कर वापस लौट रहे थे। सुबह लगभग 6 बजे जब वे कालपी क्षेत्र में पहुंचे, तभी चालक को अचानक नींद आने से कार अनियंत्रित हो गई और सामने जा रहे ट्रक से टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की रफ्तार करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटा थी, जिससे टक्कर इतनी भीषण हुई कि टवेरा के परखच्चे उड़ गए।

घटनास्थल पर 4 की मौत, इलाज के दौरान 2 ने तोड़ा दम

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा इतना जबरदस्त था कि 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 अन्य घायलों ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं, मृतकों में शशिकांत तिवारी, कृष्णकांत नायक, दीपक तिवारी, हरिमोहन तिवारी, भूषण तिवारी और अंशुल तिवारी शामिल हैं। सभी महरौनी, ललितपुर के निवासी बताए जाते हैं।

कार में फंसे रहे लोग

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त कार में लोग फंस गए। स्थानीय लोगों और पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद कार के दरवाजे काटकर घायलों को बाहर निकाला। कुछ लोग लगभग एक घंटे तक मलबे में दबे रहे। सभी घायलों को तुरंत राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई में भर्ती कराया गया। कार में कुल 10 लोग सवार थे, जिनमें स्वामी प्रसाद तिवारी, मनोज भोंडले और देशराज भी शामिल हैं, जिनका इलाज जारी है।

प्रशासन सक्रिय, एसपी ने दिए निर्देश

हादसे की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय और पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों का हालचाल जाना और चिकित्सकों को बेहतर इलाज के निर्देश दिए। जालौन एसपी विनय कुमार सिंह ने बताया कि प्राथमिक जांच में चालक को नींद आना हादसे का कारण नजर आ रहा है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है। ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है।

दिल्ली कांग्रेस में बड़ा फेरबदल, नए उपाध्यक्षों और महासचिवों की नियुक्ति पर अध्यक्ष ने लगाई मुहर.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्षों और महासचिवों की नियुक्ति को प्रस्ताव को तुरंत प्रभाव से मंजूरी दे दी है। कांग्रेस ने रविवार को अपनी दिल्ली इकाई में एक नए संगठनात्मक फेरबदल की घोषणा की थी, जिसमें उपाध्यक्षों और महासचिवों की नई नियुक्ति और तत्काल प्रभाव से राजनीतिक मामलों की 31 सदस्यीय समिति का गठन शामिल है। कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल द्वारा जारी किए गए दो अलग-अलग बयानों में पार्टी ने कहा कि दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी (डीपीसीसी) में की गई नियुक्तियों को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंजूरी दे दी है।

पार्टी के 12 नेताओं को किया गया नामित

पार्टी ने 12 नेताओं को उपाध्यक्ष नामित किया है, जिनमें सुरेंद्र कुमार, हरिशंकर गुप्ता, भीष्म शर्मा, सी.पी. मित्तल, कमलकांत शर्मा, जगजीवन शर्मा, आभा चौधरी, तस्वीर सोलंकी, मुदित अग्रवाल, लक्ष्मण रावत, अली मेहंदी और अब्दुल हन्नान का नाम शामिल है। इसके अलावा पार्टी ने 26 नेताओं को महासचिव नियुक्त किया है। वहीं, पार्टी ने दिल्ली इकाई के लिए राजनीतिक मामलों की 31 सदस्यीय समिति का गठन किया है। इस समिति में देवेंद्र यादव, अजय माकन, जेपी अग्रवाल, सुभाष चोपड़ा, अनिल चौधरी, संदीप दीक्षित, अलका लांबा, रमेश कुमार, उदित राज, राजेंद्र पाल गौतम, राजेश लिलोठिया, हारून यूसुफ, कृष्णा तीरथ और योगानंद शास्त्री जैसे वरिष्ठ नेता शामिल हैं।

ब्रेन डेड महिला के हार्ट से 14 साल के बच्चे को मिला नया दिल, ग्रीन कॉरिडोर से 20 मिनट में पहुंचा अस्पताल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। साहस और संवेदनशीलता का एक बेहतरीन उदाहरण सामने आया है। एक मां के निधन के बाद लिया गया परिवार का साहसिक फैसला 14 साल के एक बच्चे के लिए नई जिंदगी बन गया। ब्रेन डेड घोषित की गई सेना अधिकारी की पत्नी के अंगदान से बच्चे को नया दिल मिला, जिससे उसकी जान बचाई जा सकी। 2 मई को पंचकुला स्थित कमांड हॉस्पिटल में भारतीय सेना के 41 वर्षीय महिला को ब्रेन डेड घोषित किया गया। इस कठिन समय में उनके पति और दो बेटियों ने अंगदान का फैसला लिया, जिसने कई जिंदगियों को नई उम्मीद दी।

दिल्ली के अस्पताल तक ऐसे पहुंचा दिल

ब्रेन डेड घोषित होने के बाद उनका दिल नई दिल्ली के अपोलो हॉस्पिटल को आवंटित किया गया। अपोलो अस्पताल की एक विशेष मेडिकल टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए जरूरी व्यवस्था की और अंग को जल्दी लाने के लिए एक प्राइवेट विमान हायर किया। टीम चंडीगढ़ गई, वहां ब्रेन डेड महिला का हार्ट निकाला, उसे स्पेशल बॉक्स में प्रिजर्व किया और तय समय के भीतर उसे नई दिल्ली वापस लेकर आई। इस दिल को 14 साल के एक बच्चे में सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया गया, जिससे उसे नई जिंदगी मिली। फिलहाल मरीज स्थिर है और आईसीयू में निगरानी में है।प्राइवेट प्लेन, ट्रैफिक के बाद डॉक्टरों का करिश्मा यह जटिल ऑपरेशन कई एजेंसियों के बेहतर तालमेल से संभव हो पाया। चंडीमंदिर के कमांड अस्पताल के कर्नल अनुराग गर्ग के नेतृत्व और तालमेल की विशेष सराहना की गई। हरियाणा ट्रैफिक पुलिस, पंजाब ट्रैफिक पुलिस और एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, चंडीगढ़ ने भी तेजी से आवाजाही और प्राथमिक अनुमति देने में मदद की। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने बदरपुर के ट्रैफिक प्रभारी सब-इंस्पेक्टर अनिल कुमार की निगरानी में दिल्ली एयरपोर्ट से अपोलो अस्पताल तक ग्रीन कॉरिडोर बनाया, जिससे दिल को सिर्फ 20 मिनट में अस्पताल पहुंचाया गया। हार्ट ट्रांसप्लांट सर्जन डॉक्टर मुकेश गोयल ने बताया कि 15 साल का एक लड़का पिछले एक साल से एंड-स्टेज हार्ट फेलियर से जूझ रहा था। उसकी हालत बिगड़ने पर उसे लगभग हर महीने अस्पताल में भर्ती करना पड़ता था। उसके लिए हार्ट ट्रांसप्लांट ही एकमात्र विकल्प था। दो महीने पहले उसे नैशनल ऑर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन में रजिस्टर किया गया था। एक हफ्ते पहले उसकी हालत फिर बिगड़ गई और उसे अस्पताल में भर्ती किया गया। 2 मई को चंडीमंदिर के कमांड अस्पताल में एक उपयुक्त डोनर हार्ट उपलब्ध हुआ। डोनर 41 वर्षीय महिला थीं, जिन्हें दो हफ्ते पहले गंभीर ब्रेन हेमरेज हुआ था और वे ब्रेन डेड हो गई थीं। उनके परिवार ने अंगदान का फैसला लिया, जिससे कई लोगों की जान बची। दिल को चार घंटे के भीतर मरीज के शरीर में लगा कर ब्लड फ्लो शुरू करना जरूरी होता है।

पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी के पति का निधन, लखनऊ SGPGI में ली अंतिम सांस, प्रयागराज में होगा अंतिम संस्कार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ. पूर्व भाजपा सांसद रीता बहुगुणा जोशी के पति पीसी जोशी का सोमवार सुबह निधन हो गया। उन्होंने लखनऊ स्थित SGPGI में सुबह करीब 7 बजे अंतिम सांस ली। रीता बहुगुणा जोशी ने अपने आधिकारिक ङ्ग अकाउंट के जरिए इस दुखद समाचार की जानकारी साझा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई नेताओं ने शोक व्यक्त किया।

कुछ समय से चल रहे थे अस्वस्थ

परिजनों के मुताबिक, पीसी जोशी पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे और SGPGI में उनका इलाज चल रहा था। सोमवार सुबह अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी, जिसके बाद उनका निधन हो गया। पीसी जोशी पेशे से मैकेनिकल इंजीनियर थे। उन्होंने तकनीकी और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्ष 1976 में उनका विवाह रीता बहुगुणा जोशी से हुआ था। वे अपने सरल, मिलनसार और अनुशासित व्यक्तित्व के लिए जाने जाते थे। प्रयागराज में होगा अंतिम संस्कार परिवार के अनुसार, उनका पार्थिव शरीर सोमवार देर शाम प्रयागराज लाया जाएगा। मंगलवार को प्रयागराज में पूरे विधि-विधान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। सीएम योगी ने जताया शोक वहीं, इस दुखद खबर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी शोक व्यक्त किया। उन्होंने ङ्ग पर लिखा कि पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी के पति का निधन अत्यंत दुखद है और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने ईश्वर से शोक संतप्त परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति देने की कामना की।

गंदे नाले किनारे छिपाकर रखा था अवैध शराब का जखीरा, माफिया के 'पातालोक' तक पहुंची टीम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। मध्य प्रदेश के गुना जिले में अवैध शराब के खिलाफ आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान शराब तस्करों की चालाकी उस वक्त धरी की धरी रह गई, जब विभाग की टीम ने उनके हैरतअंगेज ठिकानों पर दबिश दी। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल और ग्वालियर संभाग उपायुक्त संदीप शर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के तहत, तस्करों द्वारा नाले के किनारे जमीन में छिपाकर रखी गई अवैध शराब को जब्त किया गया है।

बोरखेड़ा और बेरखेड़ी में दबिश

जिला आबकारी अधिकारी गुरुप्रसाद केवट ने बताया कि ग्राम बोरखेड़ा चक और बेरखेड़ी में घेराबंदी की। इस दौरान बोरखेड़ा में तस्करों ने गंदे नाले के बिल्कुल समीप 6 प्लास्टिक ड्रमों में करीब 300 किलोग्राम लाहन जमीन में छिपा रखा था, जिसे टीम ने बरामद कर मौके पर ही नष्ट कर दिया। वहीं, ग्राम बेरखेड़ी में एक झोपड़ी के भीतर बोरियों में पानी के पाउच की शक्ल में भरकर रखी गई 35 लीटर हाथ भट्टी शराब बरामद की गई।

अवैध नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई
नाले में छिपाकर रखी गई शराब बरामद
पुलिस ने दबिश लेकर बरामद की सामग्री
पुलिस ने कहा- जारी रहेगा नशे के खिलाफ अभियान

अधिकारियों ने कहा- जहरीली थी शराब

जब्त की गई इस पूरी सामग्री का अनुमानित मूल्य करीब 16,000 रुपये आंका गया है। इस मामले में विभाग ने आरोपियों के खिलाफ मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की विभिन्न धाराओं के तहत कुल 3 प्रकरण पंजीबद्ध किए हैं। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए कहा कि यदि यह जहरीली शराब बाजार में आती तो भारी तबाही मचाती।

जिले में अवैध शराब के खिलाफ अभियान

अधिकारियों ने मामले की जानकारी देते हुए कहा कि जिले में अवैध नशे के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान अवैध और जहरीली शराब को जब्त कर तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

निस्वार्थ प्रेम: जहाँ भावनाएं 'सवाल' नहीं, 'संबल' होती हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लेख: पवन माकन. आज के इस दौर में जहाँ हर रिश्ता किसी न किसी ज़रूरत या मतलब की बुनियाद पर टिका नज़र आता है, वहाँ 'निस्वार्थ प्रेम' की परिभाषा कहीं खो सी गई है। अक्सर हम जिसे अपना मानकर अपना सर्वस्व और अपनी चिंताएं समर्पित कर देते हैं, सामने वाला उसे प्रेम के बजाय 'पाबंदी' या 'सवाल' समझने लगता है।

सच्चाई तो यह है कि 'मैंने तुम्हें स्वार्थ के लिए प्यार नहीं किया! ' जब कोई व्यक्ति आपकी हर पल चिंता करता है, तो वह आप पर शक नहीं कर रहा होता, बल्कि वह आपके साथ खड़ा होने का अहसास दिला रहा होता है। आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में हर इंसान व्यस्त है। समय किसी के पास नहीं है, लेकिन उस व्यस्तता के बीच भी कोई आपके लिए कितने Efforts (प्रयास) लगाता है, यही एक सच्चे संबंध की असली पहचान है।

डिजिटल दौर और धड़कता अहसास

आजकल की तकनीक के युग में चाहे 'स्ब्1द्ग स्थ्र्ठ्ठद्वश्ठ' साझा करना हो या एक-दूसरे की गतिविधियों से जुड़े रहना, यह जासूसी नहीं बल्कि एक-दूसरे के प्रति फिक्र का हिस्सा है। यह एक ऐसी आदत है जो बताती है कि कोई हृदय आपके लिए हर पल धड़क रहा है। लेकिन विडंबना देखिए, जब समर्पण गहरा होता है, तो अक्सर उसे 'सवाल' का नाम दे दिया जाता है। प्रेम का अर्थ अधिकार जताना नहीं, बल्कि एक अटूट विश्वास और साथ देना है। अगर मेरी हर भावना तुम्हें एक सवाल लगती है, तो शायद कमी मेरे प्रेम में नहीं, बल्कि उसे समझने के नज़रिए में है। प्रेम स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि उम्र भर के साथ के लिए किया जाता है।

हमें यह समझने की ज़रूरत है कि जो व्यक्ति आपके लिए समय निकालता है और आपकी फिक्र करता है, वह दुनिया का सबसे कीमती इंसान है। भावनाओं को सवालों के घेरे में खड़ा करने के बजाय, उन्हें समझने की कोशिश करें।

सेल्फी-रील्स बनाना पड़ेगा महंगा, मिसिंग लिंक पर क्या न करें? महाराष्ट्र सरकार ने एडवाइजरी बताया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र दिवस पर मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के मिसिंग लिंक का मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उद्घाटन किया था। अब इस 'मिसिंग लिंक प्रोजेक्ट' को आम लोगों के लिए खोल दिया गया है। इस मिसिंग लिंक से फर्राटा भरने के लिए पूरा महाराष्ट्र इंतजार कर रहा था। सीएम फडणवीस ने 'मिसिंग लिंक प्रोजेक्ट' आम लोगों के लिए खुलने को 'स्वप्नपूर्ति' कहा है। इस लिंक से लोगों के आवाजाही से मुंबई-पुणे की यात्रा करीब 20 से 30 मिनट जल्दी पूरी होगी। इतना ही नहीं लोगों को नए रोमांच का अनुभव होगा। ऊंच केबल ब्रिज और सुरंग से होकर गुजरेंगे। इसी के साथ सरकार ने सेल्फी, रील्स और स्पीड को लेकर ड्राइवरों और यात्रियों को आगाह भी किया है।

ड्राइवरों के जारी की एडवाजरी

महाराष्ट्र सरकार ने 'मिसिंग लिंक प्रोजेक्ट' आम लोगों के लिए खुलने के साथ ही ड्राइवरों और यात्रियों के लिए एक बेहद जरूरी घोषणा की है। सरकार ने कहा है कि यशवंतराव चव्हाण मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर 'कनेक्टिंग लिंक' (मिसिंग लिंक) का उद्घाटन होने के बाद इसे अब ट्रैफिक के लिए खोल दिया गया है, हालांकि प्रशासन ने यह देखा है कि यात्रा के दौरान ड्राइवर केबल-स्टेड ब्रिज और सुरंगों के पास अपनी गाड़ियां रोककर सेल्फी और फोटो ले रहे हैं। एक्सप्रेसवे पर गाड़ियां रोकना मना है, और इससे गाड़ी मालिकों के लिए दुर्घटना का खतरा पैदा होता है। इसलिए, महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम ने लोगों से ऐसा न करने की अपील की है। 100 KM प्रति घंटा है स्पीड

हाईवे पुलिस ने एक नोटिफिकेशन जारी करके मुंबई-पुणे कनेक्टिंग लिंक प्रोजेक्ट के लिए स्पीड लिमिट (गति सीमा) की घोषणा की है। सुरंग के अंदर हल्के मोटर वाहनों के लिए 100 किमी/घंटा की स्पीड लिमिट तय की गई है, और बसों व यात्री वाहनों के लिए 80 किमी/घंटा की। कनेक्टिंग लिंक प्रोजेक्ट में शामिल दोनों सुरंगें और दोनों पुल 24&7 पूरी तरह से सीसीटीवी की निगरानी में हैं।

बंगाल फतह के बाद बीजेपी का 'ऑपरेशन लोटस'? राज्यसभा में टीएमसी को लग सकता है अब तक का सबसे बड़ा झटका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता। बंगाल चुनाव के नतीजों की गूँज अभी थमी भी नहीं थी कि देश की राजधानी दिल्ली से एक ऐसी खबर आ रही है जिसने राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मचा दिया है। सूत्रों के हवाले से मिल रही जानकारी के मुताबिक, ममता बनर्जी के गढ़ में बड़ी सेंधमारी की तैयारी हो चुकी है। दावा किया जा रहा है कि तृणमूल कांग्रेस (ञ्जरूष्ट) के 13 राज्यसभा सांसदों में से 9 सांसद पाला बदलकर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम सकते हैं।

सियासी भूचाल: क्या बिखर जाएगा ममता का कुनबा अगर ये आंकड़े हकीकत में बदलते हैं, तो यह केवल दलबदल नहीं बल्कि टीएमसी के वजूद पर एक बड़ा प्रहार होगा। राज्यसभा में टीएमसी की ताकत आधी से भी कम रह जाएगी। सूत्रों की मानें तो ये सांसद पिछले कुछ समय से बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व के संपर्क में हैं और सही मौके का इंतजार कर रहे हैं।

राज्यसभा का गणित: क्यों अहम है ये आंकड़ा?

राज्यसभा में फिलहाल संख्या बल का खेल बेहद नाजुक मोड़ पर है। यदि टीएमसी के 9 सांसद एक साथ इस्तीफा देते हैं या पाला बदलते हैं, तो:

- बीजेपी का उच्च सदन में दबदबा निर्विवाद हो जाएगा।
- विपक्ष की घेराबंदी पूरी तरह ध्वस्त हो जाएगी।
- केंद्र सरकार को महत्वपूर्ण बिल पास कराने के लिए क्षेत्रीय दलों के भरोसे नहीं रहना पड़ेगा।

दिल्ली की सियासत में 'खेला' होने के संकेत

जानकारों का कहना है कि बंगाल की जीत के बाद जिस तरह की आक्रामकता की उम्मीद थी, उसके उलट ये अंदरूनी बगावत टीएमसी के लिए आत्मघाती साबित हो सकती है। महानगर मेट्रो को मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली में बैठकों का दौर शुरू हो चुका है और अगले 48 घंटे बंगाल से लेकर दिल्ली तक की राजनीति के लिए बेहद 'घातक' साबित हो सकते हैं।

'राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं है। अगर 9 सांसद एक साथ मूव करते हैं, तो एंटी-डिफेक्शन लॉ (दलबदल कानून) की पेचीदगियां भी बदल

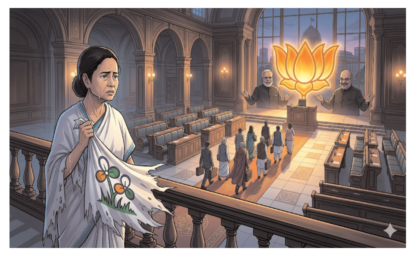

जाएंगी।' - राजनीतिक विश्लेषक

बड़ी बातें जिन पर टिकी हैं सबकी नजरें:

1. क्या ममता बनर्जी इस संभावित टूट को रोकने में कामयाब होंगी?
2. क्या बीजेपी बंगाल की हार का बदला राज्यसभा में 'खेला' करके लेगी?
3. वो 9 नाम कौन से हैं जो दीदी का साथ छोड़ने को तैयार हैं?

महानगर मेट्रो इस बड़ी खबर पर लगातार बना हुआ है। पल-पल की अपडेट के लिए जुड़े रहिए हमारे साथ।

प्रॉपर्टी के लिए ट्रिपल मर्डर, सोलापुर में भाई ने खत्म कर दिया भाई का पूरा परिवार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सोलापुर। जिले में संपत्ति विवाद ने एक भयावह रूप ले लिया, जब परिवार के भीतर ही खून-खराबा हो गया. दक्षिण सोलापुर तालुका के एक गांव में गुरुवार आधी रात को हुए तिहरे हत्याकांड ने पूरे इलाके को दहला दिया है. आरोप है कि सगे चाचा ने ही अपने भाई के परिवार पर हमला कर तीन लोगों की जान ले ली.

पुलिस के अनुसार, इस घटना में गायत्री सुधाकर मस्के, उनकी बेटी प्रिया मस्के और बेटे शिवराज मस्के की मौत हो गई. वारदात के बाद गांव में सन्नाटा और लोगों में गुस्सा दोनों साफ महसूस किया जा रहा है.

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतका गायत्री मस्के और मुख्य आरोपी शंकर उर्फ पप्पू मस्के के बीच पिछले कुछ महीनों से जमीन के

बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था. बताया जा रहा है कि गायत्री मस्के ने आरोपी से करीब 25 लाख रुपये की उधारी भी वापस मांगी थी. इसी बात को लेकर दोनों के बीच तनाव बढ़ता गया. गुरुवार रात यह विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने कथित तौर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया. हमले में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई.

घटना की सूचना मिलते ही सोलापुर तालुका पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. इस मामले में मुख्य आरोपी शंकर मस्के समेत कुल छह लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है. हालांकि, वारदात के बाद से मुख्य आरोपी फरार है और उसकी तलाश के लिए पुलिस की कई टीमें लगाई गई हैं. स्थानीय अपराध शाखा की टीम भी आरोपी की धरपकड़ में जुटी हुई है.

पुलिस निरीक्षक राहुल देशपांडे ने बताया कि आरोपी को पकड़ने के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा. इस घटना ने एक बार फिर रिश्तों में बढ़ते तनाव और संपत्ति विवादों के खतरनाक अंजाम की ओर इशारा किया है.

गांव में इस घटना को लेकर शोक और आक्रोश का माहौल है. स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटना ने इंसानी रिश्तों को शर्मसार कर दिया है. प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई है.

तपती धूप में बेज़ुबानों का सहारा बना जैन महिला संगठन, इंदौर के 4 क्षेत्रों में निःशुल्क सकोरे वितरित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर: भीषण गर्मी की आहट के साथ ही बेजुबान पक्षियों के लिए दाना-पानी का इंतजाम करने हेतु राष्ट्रीय खंडेलवाल सरावगी दिगंबर जैन महिला संगठन, इंदौर ने एक सराहनीय पहल की है। संगठन के संस्थापक संदीप शीतल पहाड़िया के मार्गदर्शन में 'निशुल्क सकोरे वितरण' अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत इंदौर के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र के चार प्रमुख मंदिरों में सकोरों का वितरण किया गया।

आचार्य श्री विभव सागर जी का मिला आशीर्वाद

अभियान की शुरुआत नेमीनगर जैन कॉलोनी से हुई, जहाँ आचार्य श्री विभव सागर जी महाराज (ससंघ 13 मुनिराज एवं आर्यिका माताजी) का सानिध्य प्राप्त हुआ। आचार्य श्री ने अपने मंगल प्रवचन में महिला संगठन के कार्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि 'जैन धर्म में जीवदया ही मुख्य संदेश है। सामाजिक कार्यों के माध्यम से पशु-पक्षियों की रक्षा करना साक्षात पुण्य संचय का मार्ग है। ' चार क्षेत्रों में सेवा की बयार: एक नजर में संगठन ने शहर के अलग-अलग हिस्सों में अपनी सक्रियता दिखाते हुए समाज को जागरूक किया:

1. नेमीनगर जैन कॉलोनी:

अध्यक्ष ज्योति सेठी और दक्षिण क्षेत्र अध्यक्ष दीपिका गंगवाल के नेतृत्व में समाजजन ने सकोरे लिए। यहाँ कैलाश लुहाड़िया, गिरीश पाटोदी और दिनेश सेठी जैसे प्रमुख समाजजन उपस्थित रहे।

2. राजेंद्र नगर मंदिर (अन्नपूर्णा): यहाँ छोटी आबादी होने के बावजूद उत्साह बड़ा दिखा। संयोजिका मीना पाटनी और रजनी पाटनी की टीम ने घर-घर सकोरे पहुँचाने की जिम्मेदारी बखूबी निभाई और अन्य समाज को भी प्रेरित किया।

3. राजमोहल्ला दिगंबर जैन मंदिर: शहर के मध्य क्षेत्र में हरियाली की कमी को देखते हुए शशि प्रभा बाकलीवाल और उनकी टीम ने न केवल सकोरे बांटे, बल्कि लोगों से 10-15 फीट ऊंचे छायादार पौधे लगाने का भी अनुरोध किया ताकि पक्षियों को बसेरा मिल सके।

4. ओम विहार कॉलोनी (एयरपोर्ट रोड): यहाँ रश्मि पाटोदी और प्रीति बडजात्या की टीम ने मंदिर

प्रांगण में पालतू जानवरों के लिए भी बड़े सकोरे रखवाकर अभियान को विस्तृत रूप दिया। पंकज काला और सतीश कासलीवाल सहित कई गणमान्य नागरिकों ने इसमें सहयोग किया।

जीवदया का संकल्प

इस पूरे आयोजन में समाज के परिवारों ने संकल्प लिया कि वे नियमित रूप से इन सकोरों में दाना-पानी भरेंगे। पश्चिम क्षेत्र की अध्यक्ष प्रियंका डोसी, महासचिव नमिता कासलीवाल, श्वेता काला और मोनिका अजमेरा ने चारों केंद्रों की संयोजक टीमों का आभार व्यक्त करते हुए उनके सेवा भाव की सराहना की।

मध्य प्रदेश में 62 IPS अफसरों के तबादले, 19 जिलों के SP बदले; सिंगरौली और सिवनी में विवादों की गाज

अफसरों की तबादला सूची में सबसे प्रमुख नाम सिंगरौली के स्क्कमनीष खत्री का है. जिले में दिन-दहाड़े हुई 15 करोड़ रुपये की बैंक डकैती के बाद उन्हें हटाकर भोपाल पुलिस मुख्यालय में एआईजी नियुक्त किया गया है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मध्य प्रदेश। सरकार ने बड़ा फेरबदल करते हुए 62 IPS अफसरों का तबादला कर दिया. इनमें 19 पुलिस अधीक्षक शामिल हैं, जिन्हें अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक से लेकर पुलिस उपायुक्त स्तर तक की नई भूमिकाएं सौंपी गई हैं. दिन के शुरुआती घंटों में जारी एक आदेश में गृह विभाग ने सिंगरौली के पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री का तबादला कर दिया और उन्हें भोपाल स्थित पुलिस मुख्यालय में सहायक पुलिस महानिरीक्षक के पद पर तैनात किया. यह तबादला जिले के एक बैंक में दिन-दहाड़े हुई 15 करोड़ रुपये की हालिया लूट की घटना के बाद किया गया है. सिवनी के पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता को इंदौर का DCP नियुक्त किया गया है. यह नियुक्ति

ऐसे समय में हुई है जब जिले में पुलिस अधिकारियों की संलिप्तता वाले एक हवाला रैकेट की जांच चल रही है. आदेश के अनुसार, भिंड, शिवपुरी, रीवा, सागर, धार, मुरैना, छतरपुर, खंडवा, नीमच, पांढुर्ना, सिंगरौली, दमोह और सिवनी सहित 19 जिलों के पुलिस अधीक्षकों का तबादला किया गया है. इस आदेश के तहत, कई ऐसे IPS अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं जो DIG रैंक पर पदोन्नति मिलने के बाद भी SP के पद पर ही कार्यरत थे. रीवा के SP शैलेंद्र चौहान को भोपाल में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) नियुक्त किया गया है; धार के SP मयंक अवस्थी को इंदौर में पुलिस उप महानिरीक्षक नारकोटिक्स के पद पर तैनात किया गया है, और झाबुआ के SP शिवदयाल को भोपाल स्थित पुलिस मुख्यालय में DIG बनाया गया है. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (रेडियो) रियाज इकबाल, राहुल कुमार लोढ़ा (SP रेल, भोपाल) और सिमाला प्रसाद (SP रेल, जबलपुर) को पुलिस मुख्यालय में DIG के पद पर तैनात किया गया है.

आदेश में बताया गया है कि भिंड के SP असित यादव को ग्वालियर रेंज का DIG नियुक्त किया गया है, जबकि भोपाल के DCP (जोन-2) विवेक सिंह को शहडोल रेंज का DIG बनाया गया है.

बंगाल में खिला कमल तो गदगद हुए सीएम मोहन, बोले- 'ममता जब निर्ममता करेगी तो...'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल. राजधानी की रातीबड़ पुलिस ने एक ऐसे शातिर चोर को गिरफ्तार किया है, जिसने अपने दोस्त के साथ मिलकर केवल घरेलू गैस सिलेंडरों की चोरी का 'बिजनेस' बना लिया था। ताज्जुब की बात यह है कि इन चोरों ने ईरान-इजरायल और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव का फायदा उठाया, क्योंकि इससे गैस की सप्लाई प्रभावित हुई और इन्हें सिलेंडर के ऊंचे दाम मिलने लगे।

दिनदहाड़े सूने मकानों पर 'सर्जिकल स्ट्राइक'

रातीबड़ थाना प्रभारी आरबी शर्मा के मुताबिक, आरोपी सतीश राजपूत (24) और उसका फरार साथी राहुल शर्मा दिन के समय सूने घरों की रेकी करते थे। जैसे ही इन्हें पता चलता कि घर में कोई नहीं है, ये ताला तोड़कर अंदर घुसते और केवल गैस सिलेंडर लेकर चंपत हो जाते। सिलेंडर को बेचना और नकदी में बदलना इनके लिए आसान था। यह मामला 1 मई को तब सामने आया जब एक पीड़ित परिवार विदिशा में शादी अटेंड कर लौटा और घर के ताले टूटे मिले। पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए करीब 125 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी सर्विलांस और मुखबिरों की मदद से सतीश को धर दबोचा गया।आरोपी ने पूछताछ में कबूला है कि वह और उसका साथी महंगी शराब पीने और अपनी लाइफस्टाइल को मेंटेन करने के लिए यह चोरियां करते थे। आरोपी पहले भी गैस सिलेंडर चोरी के मामले में जेल जा चुका है। आरबी शर्मा, थाना प्रभारी, रातीबड़ ईरान-इजरायल जंग का उठाया फायदा पुलिस की पूछताछ में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ। आरोपियों ने बताया कि ईरान और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध के कारण मार्केट में गैस की किल्लत की खबरें थीं। इस स्थिति का फायदा उठाकर वे चोरी के सिलेंडर को ऊंचे दामों पर ब्लैक में बेच देते थे।

सीटी बजाने पर स्कूटी सवार महिला ने युवक को बीच सड़क सैंडल से 'सूत' दिया, पुलिस ने दोनों पर ठोकी FIR

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अशोकनगर. सीटी बजाने पर स्कूटी सवार महिला ने युवक को बीच सड़क सैंडल से 'सूत' दिया, पुलिस ने दोनों पर ठोकी FIR अशोकनगर में छेड़छाड़ करना एक युवक को भारी पड़ गया। स्कूटी से जा रही महिला को देख युवक ने सीटी क्या बजाई, महिला ने बीच सड़क सैंडल उतारकर उसकी ऐसी क्लास लगाई कि वीडियो वायरल हो गया। मध्यप्रदेश के अशोकनगर जिले में स्कूटी से जा रही दो महिलाओं को देख युवक को सीटी बजाना उस समय महंगा पड़ गया। जब महिला ने उतरकर युवक की बीच सड़क कॉलर पकड़ कर सैंडिल से पटाई कर दी इसके बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

टिफिन देने जा रही थी महिला

मामला जिले के पिपरई रोड स्थित बंधन मैरिज गार्डन का है। शनिवार की रात 8:30 बजे शहर के बाहुबली कॉलोनी की रहने वाली एक महिला एक अन्य महिला के साथ जा रही थी। तभी विकास रजक नाम के लड़के ने सीटी बजाई। आवाज सुनकर महिला आग बबूला हो गई और स्कूटी रोककर युवक के साथ पहले झूमा झटकी की और फिर सैंडल निकाल कर मारने लगी। महिला ने बताया कि वह टिफिन सेंटर चलाती है और कर्मचारी नहीं था इसलिए खुद टिफिन देने जा रही थी। तभी उसके साथ यह घटना हुई।

एक महिला ने की मारपीट, दूसरी बनाती रही वीडियो

इस बीच महिला ने युवक पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया और उसके साथ बीच रोड पर मारपीट की। वहीं एक अन्य महिला ने उसकी वीडियो बनाई इतना ही नहीं, महिलाओं ने युवक की मोटरसाइकिल में भी तोड़फोड़ की। इस बीच हंगामे के कारण सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। मौके पर देहात थानाप्रभारी भुवनेश शर्मा भी पहुंचे और मामले को शांत कराया। इस दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए महिला की शिकायत पर विकास रजक के खिलाफ छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज किया तो वहीं दूसरे पक्ष से फरियादी विकास रजक की शिकायत पर महिला पर मारपीट सहित गाली गलौज की धाराओं पर मुकदमा दर्ज किया।

फायरब्रांड नेता नाजिया इलाही खान को पाकिस्तान से मिली जान से मारने की धमकी, बोलीं- मैं डरने वाली नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खरगोन। सुप्रीम कोर्ट की वकील और भाजपा की फायरब्रांड नेता नाजिया इलाही खान को पाकिस्तान से जान से मारने की धमकी मिली है। उन्होंने खुद इसका खुलासा किया है, जिसके बाद हड़कंप मच गया। जानकारी अनुसार खरगोन में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए वे आईं थी। मंच से भाजपा की फायरब्रांड नेता नाजिया इलाही खान ने मंच से एक चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि इंदौर से खरगोन आते समय उनके मोबाइल पर पाकिस्तान के नंबर से एक कॉल आया, जिसमें उन्हें धमकी दी गई कि 'खरगोन पहुंचोगी तो मृत्यु हो जाएगी। '

मैं इस तरह की धमकियों से डरने वाली नहीं: नाजिया इलाही

नाजिया इलाही खान ने कहा कि मैं तरह की धमकियों से वे डरने वाली नहीं हैं। उन्होंने मंच से जवाब देते हुए कहा कि एक समय था जब खरगोन को सिमी और पाकिस्तान समर्थित तत्वों ने प्रभावित करने की कोशिश की थी, लेकिन अब यह क्षेत्र विकास और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक बन चुका है। उन्होंने अपने विरोधियों द्वारा 'जहरीला' कहे जाने पर भी प्रतिक्रिया दी और कहा कि वे भगवान शिव की भक्त हैं और यह 'जहर' उनके लिए प्रसाद के समान है। 'अखिल भारतीय हिंदवी गौरव सम्मान' से नवाजा गया कार्यक्रम के दौरान विविधा संस्था द्वारा वर्ष 2026 का 'अखिल भारतीय हिंदवी गौरव सम्मान' नाजिया इलाही खान को प्रदान किया गया। इसके अलावा सुप्रसिद्ध गीतकार डा. विष्णु सक्सेना को 'अखिल भारतीय कविवर विद्यापति सम्मान' तथा कवयित्री शारदा ठाकुर को 'अखिल भारतीय मां नर्मदा सम्मान' से सम्मानित किया गया। महामंडलेश्वर और सांसद शामिल हुए समारोह में 'निमाड़ स्तवन-2026' स्मारिका का विमोचन भी किया गया, जिसका इस वर्ष का विषय 'निमाड़ के संत' रहा।

स्पाइसजेट और प्रवर्तक अजय को झटका, याचिका खारिज, लगा जुर्माना

-कोर्ट ने 19 जनवरी को 144 करोड़ रुपए जमा करने का दिया था आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला सामने आने से विमानन कंपनी से जुड़ा बड़ा विवाद फिर चर्चा में आ गया। बता दें कि कोर्ट ने स्पाइसजेट और उसके प्रवर्तक अजय सिंह की वह याचिका खारिज कर दी है, जिसमें उन्होंने पहले दिए गए आदेश की समीक्षा की मांग की थी। इस आदेश के तहत उन्हें 144 करोड़ रुपए जमा करने को कहा था, जिसे लेकर उन्होंने राहत की गुहार लगाई थी। जानकारी के मुताबिक न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने याचिका को खारिज करते हुए स्पाइसजेट और अजय सिंह पर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने साफ कहा कि मामला खारिज किया जाता है और पहले दिया गया आदेश लागू रहेगा। बता दें कोर्ट ने 19 जनवरी को स्पाइसजेट को कुल 194 करोड़ रुपए की स्वीकृत देनदारी में से 144 करोड़ रुपए छह सप्ताह के अंदर जमा करने का निर्देश दिया था। बाद में इस समय सीमा को 18 मार्च तक बढ़ा दी थी। बताया जा रहा है कि स्पाइसजेट और अजय सिंह ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और कंपनी की खराब वित्तीय स्थिति का हवाला देते हुए इस आदेश पर पुनर्विचार की मांग की थी। उन्होंने कोर्ट को यह भी प्रस्ताव दिया कि नकद राशि जमा करने के बजाय गुरुग्राम स्थित एक व्यावसायिक संपत्ति को गारंटी के तौर पर स्वीकार कर लिया जाए। साथ ही यह भी कहा कि केंद्र सरकार से कुछ सहायता मिलने की उम्मीद है। हालांकि दूसरी ओर कलानिधि मारन और उनकी कंपनी कल एयरवेज ने इस पुनर्विचार याचिका का कड़ा विरोध किया। उनका कहना था कि इसी तरह के तर्क पहले भी सुप्रीम कोर्ट में रखे जा चुके हैं और वहां उन्हें खारिज किया जा चुका है। ऐसे में इस आधार पर दोबारा राहत नहीं दी जानी चाहिए।

बंगाल चुनाव पर रामदेव की प्रतिक्रिया, यह सबक उनके लिए जो सोचते हैं कोई उन्हें हिला नहीं सकता

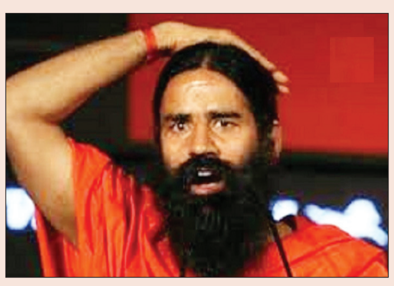

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के रुझानों को लेकर योग गुरु बाबा रामदेव ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी की जीत हो रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उनके योद्धाओं के नेतृत्व में जो बंगाल में हुआ है, वहां अप्रत्याशित है, ऐतिहासिक है। बहुत मायनों में ये सबक है कि हम यहां स्थापित हैं और हमें सत्ता से कोई हिला नहीं सकता है। उन्होंने कहा, वर्चस्ववाद के उन्माद में जो लोग पगलाए हुए थे, उनके लिए ये बंगाल का चुनाव एक बहुत बड़ा सबक है कि अब आपको विजय चाहितए है, तब अंतिम वोटर से लेकर बूथ मैनेजमेंट तक राजनीति की सभी दिशाओं को आपको साधना होगा। जो लोग हिंदू समाज को जाति वर्ग समुदायों में बांटकर एक मजहबी तुष्टिकरण कुचक्र को स्थापित करना चाहते थे उनके लिए भी बड़ा सबक है।

नदी में कार गिरने से 4 लोगों की मौतें

कबीरधाम(एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा में देर रात तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर फोक नदी में जा गिरी। इस हादसे में कार सवार 4 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना पांडातराई थाना क्षेत्र की है। शुरुआती जानकारी के अनुसार सभी युवक बिरगांव (रायपुर) से पंडरिया में शादी में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान पांडातराई के पास कार का बैलेंस बिगड़ा और पलटते हुए 30 फीट नीचे नदी में जा गिरी। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने घायलों को बाहर निकला और पुलिस को हादसे की सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेस की मदद से अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। जहां दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। दोनों घायलों को रायपुर रेफर किया गया है। परिजनों को भी हादसे की सूचना दे दी गई है। वहीं मृतकों के शवों का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है। पीएम के बाद परिजनों को शव सौंपा जाएगा।

सड़क पर सोने की अफवाह ने बटोरी भीड़ : वलसाड में हर चमकती चीज़ सोना नहीं निकली

वलसाड (एजेंसी)। गुजरात के वलसाड जिले में हाल ही में अजीबोगरीब घटना देखने को मिली, जहां नारगोल कोस्टल हाइवे पर सड़क किनारे पड़े कुछ चमकदार टुकड़ों को लोग सोना समझ बैठे। दोपहर की तेज धूप में इन टुकड़ों पर जब रोशनी पड़ी, तब वे वाकई सोने की तरह चमकने लगे, जिसने वहां से गुजर रहे लोगों का ध्यान खींचा। देखते ही देखते यह अफवाह बिजली की तरह फैल गई कि सड़क पर खजाना यानी सोना बिखरा पड़ा है।

जैसे ही यह खबर आसपास के गांवों और बस्तियों तक पहुंची, लोग अपना काम छोड़कर सड़क की ओर दौड़ पड़े। विशेषकर महिलाएं और बच्चे बड़ी संख्या में वहां पहुंचे, कोई दुपट्टे में, तब कोई थैली में इन चमकदार टुकड़ों को बटोरने लगा। चिलचिलाती गर्मी और धूप की परवाह किए बिना सड़क पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। हर कोई झुक-झुककर इन टुकड़ों को उठाने की होड़ में था, जैसे उन्हें सचमुच कोई बड़ा खजाना मिल गया हो। इस पूरे घटनाक्रम को किसी ने मोबाइल पर कैद कर लिया और वीडियो सोशल मीडिया पर तुरंत वायरल हो गया, जिससे हर कोई यह देखकर हैरान था कि आखिर सड़क पर क्या गिर गया, जिसे लोग सोना समझ बैठे। हालांकि, सोने की कहानी का सच ज्यादा देर तक छिपा नहीं रह सका। स्थानीय स्तर पर इन टुकड़ों की जांच की गई, तो पता चला कि ये कीमती धातु सोना नहीं, बल्कि साधारण तांबा या पीतल जैसे धातु के टुकड़े थे। जो लोग इन्हें खजाना समझकर खुशी-खुशी बटोर रहे थे, उन्हें बाद में निराशा हाथ लगी। सच्चाई सामने आने से पहले ही बड़ी मात्रा में ये टुकड़े लोग अपने साथ ले जा चुके थे।

ममता और स्टालिन का प्रदर्शन सिर्फ दो दलों की हार नहीं, क्या अब इंडिया गठबंधन टिक पाएगा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। 4 मई को अब तक आए चुनावी नतीजों के बाद 5 राज्यों की चुनावी तस्वीर करीब साफ हो चुकी है। जहां बंगाल में पहली बार बीजेपी सरकार बनाने जा रही है। वहीं तमिलनाडु में अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। बंगाल और तमिलनाडु दोनों ही राज्यों में बदलाव के साथ दो सबसे शक्तिशाली क्षेत्रीय नेताओं को गहरा धक्का लगा है। इन नेताओं की हार का असर आने वाले आम चुनाव और विपक्षी एकता पर पड़ना तय है। बीजेपी पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के चौथे कार्यकाल की उम्मीदों पर पानी फेरती दिख रही है। वहीं तमिलनाडु में स्टालिन अपनी कुर्सी गंवा बैठे हैं और टीवीके प्रमुख थलपति विजय का मुख्यमंत्री बनना तय है।

बात दें कि स्टालिन और ममता दोनों विपक्षी इंडिया गठबंधन के सबसे प्रमुख चेहरों में से हैं। दोनों नेता अब तक अपने-अपने राज्यों में भाजपा के विस्तार को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। पिछले कुछ चुनावों में कांग्रेस की कई हार के बाद विपक्ष के चेहरे के रूप में राहुल गांधी के नाम पर इंडिया गठबंधन के भीतर ही सवाल थे। वहीं अब ममता बनर्जी और स्टालिन को चुनाव में जो झटका लगा है वह इंडिया गठबंध की स्थिति को और जटिल कर देगा।

2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी अपने दम पर सरकार बनाने से चूकी थी। बीजेपी जितनी सीटों की उम्मीद लगाए बैठी थी उसके मुताबिक सफलता नहीं मिली। साथ ही सवाल उठने लगे कि बीजेपी की स्थिति अब कमजोर हो रही है लेकिन आम चुनाव के बाद कई राज्यों में बीजेपी ने जीत हासिल आकलन को गलत साबित किया। 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद बीजेपी ने महाराष्ट्र, हरियाणा, बिहार, दिल्ली और ओडिशा सहित कई राज्यों में अपनी स्थिति मजबूत की है। पश्चिम बंगाल में मिली जीत ने इस दायरे को और भी बढ़ाया है।

आज आए नतीजों में तमिलनाडु में न केवल डीएमके की हार हुई बल्कि सीएम एमके स्टालिन अपनी सीट भी हार गए है। डीएमके ने 2021 में एआईएडीएमके को हराकर सत्ता में वापसी की और 234 में से 133 सीटें जीतीं। लेकिन यह चुनाव तमिलनाडु के राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव लेकर आया है। वहीं बंगाल में 2011 में ममता सत्ता में आईं और उन्होंने लेफ्ट के तीन दशक के शासन का अंत किया। बीजेपी की बढ़ती चुनौती के बावजूद उन्होंने 2016 और 2021 में अपनी स्थिति मजबूत की। लेकिन अब चौथी बार जीत का सपना टूट गया।

तमिलनाडु में लंबे समय से डीएमके और एआईएडीएमके का वर्चस्व रहा लेकिन इस चुनाव में टीवीके के उदय ने कई राजनीतिक पंडितों को चौंका दिया। राजनीतिक विश्लेषक टीवीके की लोकप्रियता में इस उछाल का एक बड़ा कारण विजय की व्यक्तिगत लोकप्रियता को मानते हैं, खासकर युवा और महिला मतदाताओं के बीच। थलपति के नाम से जाने जाने वाले विजय ने तीन दशकों के फिल्मी करियर में अपनी दमदार फैन फॉलोइंग के साथ राजनीति में कदम रखा और अब पहले ही चुनाव के बाद उनका राज्य का अगला सीएम बनना लगभग तया है।

लालू परिवार को राबड़ी आवास खाली करने का अल्टीमेटम : सरकार ने दिया 15 दिन का समय

बेटी रोहिणी ने नोटिस को लालू यादव का अपमान बताया

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में एक बड़ी हलचल सामने आई है, जहाँ सम्राट सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और उनके परिवार को पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास राबड़ी आवास खाली करने के लिए 15 दिनों का समय दे दिया है। यह वहीं आवास है जहाँ पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव रहते हैं। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, सम्राट सरकार ने पहले भी करीब एक साल पहले 25 नवंबर को आवास खाली करने का आदेश दिया था, लेकिन लालू परिवार की ओर से अब तक आवास खाली नहीं किया गया। इसके बाद अब सम्राट सरकार ने सख्त रुख दिखाकर अंतिम चेतावनी दी है। भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों द्वारा जारी नोटिसों में राबड़ी देवी के अलावा, हाल ही में चुनाव हार चुके कई पूर्व विधायकों को भी सरकारी बंगले खाली करने को कह दिया गया है। बताया जा रहा है कि लालू परिवार करीब 20 वर्षों से 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास में रह रहा था। भवन निर्माण विभाग ने राबड़ी देवी को पहला नोटिस तब जारी किया था जब उन्हें बिहार विधान परिषद के आवासन के लिए पटना के 39 हार्डिंग रोड पर एक नया आवास आवंटित किया गया था। इस घटनाक्रम पर लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस सुशासन बाबू का विकास मॉडल बताकर लालू प्रसाद का अपमान करार दिया और लिखा, घर से निकल सकते हो, बिहार की जनता के दिल से कैसे निकालिएगा। हालांकि, इस पूरे मामले पर अभी तक सरकार या संबंधित विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, जिससे राजनीतिक गलियारों में अटकलें और तेज हो गई हैं।

देश के कई राज्यों में आंधी-बारिश का प्रकोप: 4 की मौत, यूपी में 64 जिलों में अलर्ट

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश के राजस्थान, बिहार, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश सहित करीब 10 राज्यों में आंधी-बारिश और ओलावृष्टि का दौर जारी है। बीते 24 घंटों में खराब मौसम के चलते चार लोगों की जान गई है। इसमें राजस्थान में तीन और उत्तर प्रदेश में एक व्यक्ति शामिल है। जम्मू-कश्मीर में भूस्खलन के कारण एक महत्वपूर्ण सड़क मार्ग बंद हुआ है, जिससे यातायात प्रभावित हुआ है।

उत्तर प्रदेश में खराब मौसम ने जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लखनऊ में सुबह से तेज हवाएं चल रही हैं राजस्थान के दौसा, कोटपूतली-बहरोड़, अलवर और हनुमानगढ़ जैसे जिलों में आंधी के साथ भारी बारिश और ओलावृष्टि दर्ज की गई, जिससे कई झुग्गी-झोपड़ियां उखड़ गईं और जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर पेड़ गिरने से 40 मिनट तक लंबा जाम लगा रहा। हरियाणा के सिरसा, भिवानी और महेंद्रगढ़ में भी तेज बारिश के साथ ओले गिरे, वहीं उत्तराखंड के 11 जिलों में बारिश हुई, जिसमें नैनीताल, देहरादून और अल्मोड़ा में ओलावृष्टि की सूचना है। जम्मू-कश्मीर के लघामा में हुए भूस्खलन के कारण बारामूला-उरी नेशनल हाईवे को बंद करना पड़ा, और यातायात को वैकल्पिक मार्गों से डायवर्ट किया गया है। मौसम विभाग ने राजस्थान के 19 जिलों के लिए ऑरेंज और 8 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

आगामी दो दिनों तक भी मौसम का मिजाज ऐसा ही बने रहने का अनुमान है। 5 मई को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश के साथ बिजली गिरने की आशंका है, जबकि उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड और ओडिशा में आंधी-बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा, असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। 6 मई को पंजाब, हरियाणा, दिल्ली सहित कई अन्य राज्यों में भी बारिश का अनुमान है।

रुझानों को लेकर शशि थरुर बोले- सीएम को लेकर अभी कोई चर्चा नहीं

-केरल में यूडीएफ का बेहतरीन प्रदर्शन, राज्य में राजनीतिक तौर-तरीकों को बदलना जरुरी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में शुरुआती रुझानों से पता चलता है कि कांग्रेस 50 से ज्यादा सीटों पर आगे है। पार्टी नेता शशि थरूर ने सोमवार को कहा कि सरकार, नीति और राज्य के पुनरुद्धार में तत्काल बदलाव की जरुरत है। थरूर ने 140 सदस्यीय विधानसभा में संयुक्त लोकतांत्रिक गठबंधन (यूडीएफ) के अच्छे प्रदर्शन पर भरोसा जताया। थरूर ने कहा कि हम बदलाव की पार्टी हैं। हम इस सरकार के दस साल के राजनीतिक तौर-तरीकों को बदलना चाहते हैं और यह बदलाव इतना जरूरी है कि इसे बदलना ही पड़ेगा। मेरे विचार से एक नई तरह की राजनीति बेहद जरुरी है।

सीएम पद को लेकर उन्होंने कहा कि हम अभी इस विषय पर चर्चा नहीं करना चाहते। चुनाव परिणाम आने दीजिए। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे साहब जीतने वाले विधायकों से बात करने के लिए किसी को भेजेंगे। उसके बाद वे अपनी राय देंगे। फिर हाईकमान इसका फैसला करेगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी शुरूआती रुझानों के मुताबिक केरल में कांग्रेस 61 सीटों पर आगे चल रही है, जबकि सीपीआई (एम) 29 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। राज्य भर में मतगणना जारी रहने के दौरान, सीपीआई नौ सीटों पर, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) 22 सीटों पर और बीजेपी सिर्फ एक सीट पर आगे है।

थरूर ने केरल को निवेश का स्वर्ग बनाने, रोजगार सृजित करने और पलायन रोकने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि मेरे विचार नई सरकार के लिए भी उपयोगी साबित होंगे, लेकिन मेरा संदेश निश्चित रूप से विकास का होगा, इस भयावह वित्तीय स्थिति को पूरी तरह से बदलना होगा, केरल को एक बार फिर निवेश का स्वर्ग बनाने के लिए जरुरी कार्य करना होगा, ताकि हम विकास कर सकें, अपने लोगों के लिए रोजगार सृजित कर सकें और ऐसी स्थिति को रोक सकें जहां हमारे युवा राज्य छोड़कर जा रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि उनके पास अवसर नहीं हैं।

टीएमसी को अपने भ्रष्टाचार का जवाब मिला : हुमायूं कबीर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के रुझानों पर आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के अध्यक्ष हुमायूं कबीर ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की अपेक्षित हार राज्य में हुए व्यापक भ्रष्टाचार और जनविरोधी फैसलों का सीधा परिणाम है। कबीर ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि जनता ने टीएमसी को आखिरकार जवाब दे दिया है, जो कि टीएमसी को मिलाना चाहिए था। एजेयूपी प्रमुख कबीर ने कहा, मैंने पहले ही अनुमान लगाया था कि भाजपा को टीएमसी से अधिक सीटें मिलेंगी। टीएमसी ने अपने तीन बार के कार्यकाल में सिर्फ लोगों पर अत्याचार किया, जमकर भ्रष्टाचार किया और गलत निर्णय लिए। उन्होंने राज्य में बढ़ती बेरोजगारी, खराब सड़कों, लचर शिक्षा व्यवस्था और अस्पतालों की दयनीय स्थिति का हवाला दिया, जहाँ एक बिस्तर पर तीन-तीन मरीजों का इलाज होता है। एजेयूपी कबीर के अनुसार, इन सभी विफलताओं के कारण ही टीएमसी को सत्ता से बाहर होना पड़ रहा है। भाजपा की संभावित जीत पर उन्होंने कहा कि उन्हें कोई आपत्ति नहीं है, क्योंकि यह बंगाल की जनता का जनादेश है। यदि जनता ने भाजपा को वोट दिया है, तब उनकी जीत स्वाभाविक है। इस बीच, हुमायूं कबीर ने खुद रेजीनगर और नाओदा विधानसभा सीटों पर अपनी जीत का दावा किया, जहाँ वे फिलहाल आगे चल रहे थे। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में दो चरणों में हुए विधानसभा चुनावों के वोटों की गिनती सोमवार सुबह 8 बजे शुरू हुई। सोमवार दोपहर 1:30 बजे तक चुनाव आयोग के रुझानों के अनुसार, 291 सीटों पर भाजपा 194 सीटों पर बढ़त बनाए हुए थी, जबकि सत्तारूढ़ टीएमसी 92 सीटों पर आगे थी। ऑल इंडिया सेकुलर फ्रंट दो और माकपा एक सीट पर बढ़त पर थी, जबकि कांग्रेस राज्य में शून्य पर बनी हुई थी।

लिपुलेख मार्ग से कैलाश मानसरोवर यात्रा पर नेपाल की आपत्ति

- भारत ने क्षेत्रीय दावों को किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल ने एक बार फिर लिपुलेख दर्रे के माध्यम से प्रस्तावित कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर कूटनीतिक मोर्चा खोल दिया है। काठमांडू ने भारत और चीन दोनों देशों को संदेश भेजकर इस मार्ग के उपयोग पर अपनी आधिकारिक आपत्ति दर्ज कराई है। नेपाल सरकार का तर्क है कि 1816 की सुगौली संधि के आधार पर लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी उसके संप्रभु क्षेत्र का हिस्सा हैं। यह विवाद ऐसे समय में दोबारा गरमाया है जब भारत ने जून और अगस्त के बीच इस पारंपरिक मार्ग से तीर्थयात्रा आयोजित करने की योजना साझा की है। नेपाल का कहना है कि महाकाली नदी के पूर्व में स्थित ये तमाम इलाके उसके अभिन्न अंग हैं और उसने कूटनीतिक माध्यमों से अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है।

नेपाल के इन दावों पर भारत के विदेश मंत्रालय ने कड़ी और स्पष्ट प्रतिक्रिया दी है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने दो टूक शब्दों में कहा कि इस मामले पर भारत का रुख हमेशा से सुसंगत और स्पष्ट रहा है। भारत ने स्पष्ट किया कि लिपुलेख दर्रा साल 1954 से ही कैलाश मानसरोवर यात्रा का पारंपरिक मार्ग रहा है और दशकों से श्रद्धालु इसी रास्ते का उपयोग करते आ रहे हैं, इसलिए इसमें कोई भी नया बदलाव या उल्लंघन नहीं हुआ है। भारत ने नेपाल द्वारा पेश किए गए क्षेत्रीय दावों को पूरी तरह से खारिज करते हुए कहा कि ये दावे न तो ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित हैं और न ही इनके पीछे कोई ठोस साक्ष्य है। भारत ने यह भी साफ कर दिया है कि किसी भी देश द्वारा एकतरफा तरीके से सीमा विस्तार दिखाना या दावों को पेश करना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य नहीं है। नेपाल सरकार की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि उसने चीन को भी इस संबंध में सूचित किया है कि लिपुलेख उसके क्षेत्राधिकार में आता है। नेपाल का आग्रह है कि इस विवादित क्षेत्र में सड़क निर्माण, व्यापारिक विस्तार या तीर्थ यात्रा जैसी कोई भी गतिविधि न की जाए। हालांकि, इन तल्खियों के बीच दोनों देशों ने संवाद की गुंजाइश बरकरार रखी है। भारत ने स्पष्ट किया है कि वह नेपाल के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों को महत्व देता है और सीमा से जुड़े सभी लंबित मुद्दों को आपसी बातचीत और कूटनीतिक माध्यमों से सुलझाने के लिए हमेशा तैयार है। वहीं, नेपाल ने भी ऐतिहासिक संधियों और साक्ष्यों के आधार पर समाधान निकालने की प्रतिबद्धता दोहराई है, लेकिन फिलहाल लिपुलेख मार्ग को लेकर दोनों पड़ोसी देशों के बीच कूटनीतिक गतिरोध बना हुआ है।

कूटनीति के मोर्चे पर मई का महीना भारत के लिए अहम, मोदी इस महीने करेंगे चार यूरोपीय देशों की यात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मई के मध्य यूरोप के चार देशों की अहम यात्रा पर जाएंगे। कूटनीति के मोर्चे पर मई का महीना भारत के लिए अहम होने जा रहा है। इस दौरान इटली, वेटिकन, नॉर्वे, स्वीडन, नीदरलैंड जैसे देशों के साथ ट्रेड, रक्षा सहयोग, यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर चर्चा होने की संभावना है। पीएम मोदी के यूरोप की यात्रा के दौरान संयुक्त अरब अमीरात में भी कुछ देर रुकने की उम्मीद है। इस चार देशों की यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार, तकनीकी सहयोग और रणनीतिक साझेदारी जैसे कई मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

ईरान-अमेरिका-इजरायल में तनाव के बीच कूटनीति के मोर्चे पर मई का महीना भारत के लिए अहम होने जा रहा है। अमेरिका के साथ कम होते भरोसे के बाद यूरोपीय देशों भारत की तरफ नजर बना रहे हैं, क्योंकि एशिया में भारत के साथ साझेदारी दोनों ही पक्षों के लिए एक फायदा का सौदा साबित हो सकती है। ट्रंप प्रशासन के बढ़ते दबाव के बीच भारत-यूरोप संबंधों ने लगातार स्थिर प्रगति की है। अब मध्य यूरोप के इन चार देशों का दौरा भी इस प्रगति में एक और कदम माना जा रहा है। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार वह 15-17 मई तक नीदरलैंड, 17 मई को स्वीडन, 17-19 मई तक नॉर्वे और 19-20 मई तक इटली का दौरा करेंगे। इस चार देशों की यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार, तकनीकी सहयोग और रणनीतिक साझेदारी जैसे कई मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। 15 मई को ओस्लो में होने वाला तीसरा भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन, जिसमें भारत, डेनमार्क, आइसलैंड, नॉर्वे, स्वीडन और फिनलैंड के नेता एक साथ जुटेंगे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यूरोप दौरे का मुख्य एजेंडा है। भारत के नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली के साथ मजबूत राजनयिक, आर्थिक और रणनीतिक संबंध हैं। ये यूरोपीय देश भारत के प्रमुख व्यापारिक साझेदार हैं, नीदरलैंड श्व में सबसे बड़ा, इटली चौथा, सेमीकंडक्टर, जल प्रबंधन, रक्षा, हरित ऊर्जा, नवाचार और जलवायु पर सहयोग बढ़ रहा है। पीएम मोदी की इस यात्रा से ये संबंध और मजबूत होंगे।

जल संकट गहराया: पाकिस्तान टॉप 10 देशों में शामिल, भारत में भी खतरा बढ़ा

नई दिल्ली(एजेंसी)। दक्षिण एशिया में लगातार बढ़ती गर्मी और तेजी से घटते जल संसाधन गंभीर पर्यावरणीय और सामाजिक संकट की ओर इशारा कर रहे हैं। अप्रैल के अंत तक भारत और पाकिस्तान में रिकॉर्ड तोड़ तापमान दर्ज हुआ हैं, जिससे हीटवेव की स्थिति और अधिक भयावह हो गई। इस भीषण गर्मी ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। कई क्षेत्रों में पानी की मांग तेजी से बढ़ी है, जबकि उपलब्धता लगातार कम हो रही है।

मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि जल संकट अब केवल किसी एक देश या क्षेत्र की समस्या नहीं रहा है, बल्कि यह एक वैश्विक चुनौती बन चुका है। दुनिया के कई देशों में प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता लगातार घट रही है, जो भविष्य के लिए गंभीर संकेत है। इसी कड़ी में पाकिस्तान उन शीर्ष 10 देशों में शामिल हो गया है, जहां प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता बेहद कम स्तर पर पहुंच चुकी है। वहां जल संकट के पीछे कई कारण जिम्मेदार हैं, जैसे अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि, कमजोर जल प्रबंधन प्रणाली और जलवायु परिवर्तन का व्यापक प्रभाव है।

पाकिस्तान की स्थिति इसलिए भी चिंताजनक है, क्योंकि वहां की अधिकांश जल आपूर्ति सिंधु नदी प्रणाली पर निर्भर है। वर्षा के अनियमित पैटर्न और बर्फबारी में कमी ने संकट को बढ़ा दिया है। इसके अलावा कृषि और घरेलू उपयोग में पानी की अत्यधिक खपत भी स्थिति को बिगाड़ रही है।

वहीं भारत में भी स्थिति धीरे-धीरे चिंताजनक होती जा रही है। हालांकि भारत अभी वैश्विक टॉप 10 जल संकटग्रस्त देशों में शामिल नहीं है, लेकिन यहां भी प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता में लगातार गिरावट दर्ज हुई है। बढ़ती जनसंख्या, तेज शहरीकरण, भूजल का अत्यधिक दोहन और जल संरक्षण के प्रति जागरूकता की कमी इसके प्रमुख कारण हैं।

देश के कई राज्यों में भूजल स्तर खतरनाक रूप से नीचे जा चुका है। विशेष रूप से उत्तर भारत और पश्चिम भारत के कई हिस्सों में स्थिति गंभीर बनी हुई है। कई गांवों और शहरों में पानी की कमी रोजमर्रा की समस्या बन चुकी है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और भी गहरा सकता है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (मंगलवार)
05 मई 2026

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 356 , निफ्टी 121 अंक उछला

मुंबइ । घरेलू शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। इसके अलावा मध्य पूर्व में तनाव कम होने से भी बाजार उछला है। बंगाल और असम में चुनाव परिणामें में भाजपा की जीत से भी बाजार में उत्साह का माहौल है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 355.90 अंक बढ़कर 77,269.40 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 121.75 अंक बढ़कर 24,119.30 पर बंद हुआ। व्यापक बाजारों में भी तेजी रही। निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.70 फीसदी और निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.63 फीसदी की बढ़त रही।। वहीं निफ्टी रियल्टी और निफ्टी मेटल ने बेंचमार्क इंडेक्स में करीब 2.41 फीसदी और 1.09 फीसदी की तेजी रही। वहीं, निफ्टी आईटी और निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक के शेयरों में गिरावट रही। निफ्टी में अदाणी पोर्ट्स के शेयर उछले, इसके अलावा आयशर मोटर के शेयरों में 3.11 प्रतिशत की तेजी आई।

इसके अलावा, अदाणी इंटरप्राइजेज, श्रीराम फाइनेंस, एचयूएल, एलएंडटी, मैक्स हेल्थ, ग्रासिम, इटरनल और सिप्ला के शेयरों में भी बढ़त रही जबकि कोटक बैंक, भारती एयरटेल, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, ओएनजीसी, टीसीएस, इंडिगो, इंफोसिस और आईटीसी के शेयरों में गिरावट आई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ऑपरेशन फ्रीडम की घोषणा से ब्रेंट क्रूड की कीमतें 2.45 फीसदी तक गिरीं। आज एशियाई बाजारों में बढ़त रही जबकि अमेरिकी शेयर बाजार में मिश्रित रुख रहा, जिसमें एसएंडपी 500 और नैस्डैक ने रिकॉर्ड ऊंचाई पर कारोबार किया। इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 621.31 अंक चढ़कर 77,534.81 के स्तर पर पहुंच गया, जो निवेशकों के मजबूत भरोसे को दर्शाता है।

परिधान रिटेल सेक्टर में आई तेजी, मार्च तिमाही में दिखा मजबूत उछाल

वैल्यू फैशन सेगमेंट में दिखी खास मजबूती, लिस्टेड कंपनियों का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

दिसंबर तिमाही की सुस्ती को पीछे छोड़ते हुए भारतीय परिधान रिटेल क्षेत्र ने मार्च तिमाही में फिर से रफ्तार पकड़ ली है। स्टोरों से होने वाली बिक्री में बढ़ोतरी और नए स्टोर खोलने की तेज गति ने इस क्षेत्र को जबरदस्त मदद दी है। खास तौर पर वैल्यू फैशन कैटेगरी में यह रिकवरी ज्यादा मजबूत दिख रही है, जहां सूचीबद्ध कंपनियों ने पिछले एक महीने में निफ्टी 50 से तीन गुना अधिक रिटर्न दिया है। जेएम फाइनेंशियल रिसर्च के अनुसार कपड़ों के सेक्टर, खासकर वैल्यू फैशन में बड़े पैमाने पर रिकवरी देखने को मिल रही है। यह रिकवरी तीसरी तिमाही के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आई है, जो त्योहारों के दूसरी तिमाही में होने से प्रभावित हुई थी। ज्यादातर परिधान रिटेलरों ने तीसरी तिमाही में बिक्री में गिरावट या 2 प्रतिशत से भी कम वृद्धि दर्ज की थी। हालांकि, चौथी तिमाही में औसतन मध्यम-एक अंक या उससे अधिक वृद्धि की उम्मीद है। जीएसटी दरों में कटौती, आयकर दरों में कमी और कम ब्याज दरों जैसे व्यापक उपभोक्ता खुदरा कारकों से मांग में बहाली के शुरुआती संकेत मिल रहे हैं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज को उम्मीद है कि परिधान क्षेत्र चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 16 प्रतिशत की राजस्व वृद्धि दर्ज करेगा, जिसमें वैल्यू अपैरल रिटेलरों का प्रदर्शन प्रीमियम रिटेलरों से बेहतर रहेगा। वी-मार्ट के तिमाही-पूर्व अपडेट ने चौथी तिमाही में कंपनी के राजस्व में सालाना आधार पर 24.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी का संकेत दिया है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 के लिए अपने नए स्टोर खोलने के लक्ष्य को पार करते हुए कुल 80 स्टोर तक अपनी संख्या बढ़ाई है, जो वित्त वर्ष 2025 में 53 थी। ऐंटीक स्टॉक ब्रोकिंग ने वी-मार्ट में सेम स्टोर सेल्स ग्रोथ में सुधार और लगातार दो अंकों की राजस्व वृद्धि देखी है, जिसकी मुख्य वजह स्टोर विस्तार और अधिग्रहण में सुधार है। उन्होंने 842 रुपये के संशोधित कीमत लक्ष्य के साथ इस शेयर को खरीदने की सलाह दी है।

वारी एनर्जीज का विदेशी राजस्व 20 प्रतिशत गिरा, मार्जिन पर दबाव

पश्चिम एशिया संकट से निर्यात प्रभावित, महंगी धातुओं ने मार्जिन घटाया

नई दिल्ली ।

वारी एनर्जीज को वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में चुनौतियों का सामना करना पड़ा। पश्चिम एशिया संकट से विदेशी बाजारों से प्राप्त राजस्व करीब 20 प्रतिशत गिरा, जबकि महंगी कमोडिटी कीमतों ने मार्जिन पर दबाव डाला। कंपनी के एक वे रिष्ठ अ धिकारी ने बताया कि पश्चिम एशिया संकट से खेपों में देरी हुई और स्टॉक बढ़ गया। इससे कंपनी को कम महंगे बाजारों में निर्यात करना पड़ा, जिससे राजस्व मिश्रण बिगड़ गया। विदेशी प्रीमियम बाजार ने पिछली तिमाही में कुल राजस्व में 32.6 प्रतिशत का योगदान दिया था। तिमाही में कंपनी का मार्जिन घटकर 18.6 प्रतिशत रहा, जो पिछले साल इसी अवधि में 23 प्रतिशत था। मार्जिन में गिरावट का मुख्य कारण चांदी, तांबे और एल्युमीनियम जैसी कमोडिटी की रिकॉर्ड उच्च कीमतें रहीं। चांदी की कीमतों ने सेल लागत पर भारी असर डाला। गैस की कमी ने कांच की कीमतों को भी प्रभावित किया। इन चुनौतियों के बावजूद, वारी एनर्जीज अगले दो वर्षों में 30,000 करोड़ रुपये का पूंजीगत खर्च करेगी। यह निवेश बैटरी ऊर्जा भंडारण, इंगट-वेफर, सेल और ग्लास विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में होगा।

डीमार्ट के शेयर 4 फीसदी गिरे, मिश्रित तिमाही नतीजों का दिखा असर

नई दिल्ली ।

रिटेल दिग्गज एवेन्यू सुपरमार्ट्स (डीमार्ट) के शेयर 4 मई को 4 फीसदी गिरावट के साथ 4,407 रुपए पर आ गए। मार्च तिमाही के मिश्रित नतीजों ने बाजार को प्रभावित किया, जहां कंपनी का शुद्ध मुनाफा 656.6 करोड़ रुपए रहा, जो विश्लेषकों के 680 करोड़ रुपए के अनुमान से कम था। हालांकि डीमार्ट का परिचालन प्रदर्शन मजबूत दिखा। राजस्व 18.9 फीसदी बढ़कर 17,683.9 करोड़ रुपए और ऐ बि टा 26.7 फीसदी बढ़कर 1,210.5 करोड़ रुपए रहा, जो अनुमान से अधिक था। यह कंपनी के बेहतर परिचालन और मार्जिन में सुधार को दर्शाता है। शुरुआती गिरावट के बावजूद डीमार्ट का शेयर पिछले एक साल में 10.4 फीसदी ऊपर है।

टाटा समूह में लिस्टिंग पर मतभेद के बीच ट्रस्ट प्रतिनिधियों की होगी समीक्षा

8 मई की बैठक में होगा फैसला, टाटा संस को सूचीबद्ध करने पर अलग-अलग राय से तनाव

मुंबई ।

टाटा समूह में नियंत्रण और रणनीति को लेकर एक महत्वपूर्ण मोड़ आ गया है। टाटा ट्रस्ट्स 8 मई को होने वाली अपनी बैठक में टाटा संस के निदेशक मंडल में अपने प्रतिनिधियों की भूमिका की गहन समीक्षा करने जा रहा है। कुछ प्रतिनिधियों के सार्वजनिक रूप से टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने का समर्थन करने के बाद यह कदम उठाया गया है, जबकि ट्रस्ट के भीतर एक बड़ा धड़ा इसे निजी ही बनाए रखने के पक्ष में है। जानकारी के अनुसार ट्रस्ट के उपाध्यक्ष वेनु श्रीनिवासन और विजय सिंह जैसे सदस्यों द्वारा सूचीबद्धता के पक्ष में दिए गए हालिया बयान चर्चा का विषय बने हुए हैं। जबकि ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा के नेतृत्व में अधिकांश सदस्य कंपनी को निजी ही बनाए रखने के पक्षधर हैं। ट्रस्ट अब यह सुनिश्चित करना चाहता है कि उसके नामित सदस्य उसकी मौजूदा सोच और रणनीति के अनुरूप हों। पिछले साल विजय सिंह को टाटा संस के बोर्ड में दोबारा जगह न मिलने के बाद अब वेनु श्रीनिवासन की स्थिति पर भी संशय बना हुआ है। जानकारों का मानना है कि इन बदलावों का टाटा समूह की भविष्य की रणनीति और नेतृत्व पर गहरा असर पड़ सकता है। बैठक में एक स्थायी ट्रस्टी से जुड़ी शिकायत पर भी विचार हो सकता है, जो आंतरिक समीक्षा की गंभीरता को दर्शाता है। यह बैठक समूह के भविष्य की दिशा तय करने में

निजी बैंकों का थोक ऋण पर जोर, बैंक 27 में रिकवरी की कर रहे उम्मीद

बैंकों ने कॉर्पोरेट उधार में अतिरिक्त निवेश करना पसंद किया

नई दिल्ली ।

वित्तीय वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में निजी क्षेत्र के बड़े बैंकों ने अपनी ऋण वृद्धि को गति देने के लिए कॉर्पोरेट और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को ऋण देने पर जबरदस्त भरोसा जताया है। इस अवधि में खुदरा ऋणों में धीमी, एकल अंक की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे बैंकों को अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ा। हालांकि, बैंक वित्त वर्ष 2027 में खुदरा ऋण में तेजी आने की उम्मीद कर रहे हैं, जिससे उनके बही खाते में सार्थक वृद्धि होने की संभावना है। पश्चिमी एशिया में तनाव के बावजूद, अर्थव्यवस्था के विशिष्ट क्षेत्र जैसे डेटा सेंटर, हरित ऊर्जा और रक्षा के साथ-साथ कुछ बड़े औद्योगिक समूह मजबूत प्रदर्शन कर रहे हैं। बॉन्ड बाजार में अपेक्षाकृत महंगी स्थितियों ने भी कंपनियों को बैंकों से ऋण लेने के लिए प्रेरित किया है, जिससे बड़े बैंकों को इन क्षेत्रों में ग्राहक संबंधों का लाभ उठाते हुए ऋण वितरण में बड़ा हिस्सा मिल रहा है। बैंकों ने कॉर्पोरेट उधार में अतिरिक्त निवेश करना पसंद किया। खुदरा मोर्चे पर, ऋण वितरण वृद्धि मजबूत बनी हुई है, लेकिन इसका असर बही खाते पर दिखने में आमतौर पर दो से तीन तिमाही लगती हैं। पहले, ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के कारण उच्च लागत वाले ऋणों को पुनर्वित्त कराने का चलन था, जिससे बकाया राशि में वृद्धि दिखती थी। अब जब ब्याज दरें स्थिर हैं, पुनर्वित्त कम हो रहा है, और वितरण पाइपलाइन सीधे ऋण विस्तार में अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी है। देश के तीन

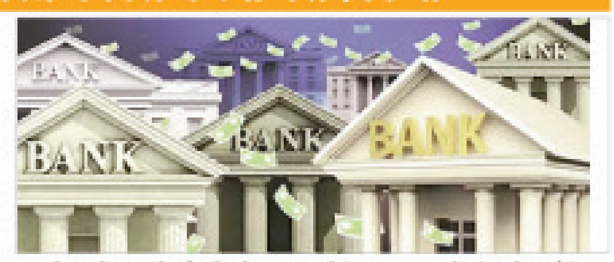

सबसे बड़े निजी बैंकों ने इस प्रवृत्ति को दर्शाया। एचडीएफसी बैंक ने खुदरा बही खाते में केवल 6.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की, जबकि इसके छोटे और मध्यम बाजार खंड में 17.2 फीसदी और कॉर्पोरेट उधार में 13 फीसदी की वृद्धि हुई। एक्सिस बैंक में खुदरा वृद्धि 8 फीसदी रही, जबकि एसएमई ऋण में 24 फीसदी और कॉर्पोरेट ऋण में 38 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि हुई। आईसीआईसीआई बैंक की खुदरा बही खाता वृद्धि 9.5 फीसदी बढ़ी, लेकिन यह उसके बिजनेस बैंकिंग और ग्रामीण पोर्टफोलियो से काफी कम थी। एक्सिस बैंक के एक अ धिकारी ने भी थोक बैंकिंग में मजबूत अवसरों की पुष्टि की, जबकि खुदरा वितरण की मजबूती पर जोर दिया, जिसका प्रभाव धीरे-धीरे बही खाते पर दिखेगा। कुल मिलाकर, निजी बैंक फिलहाल कॉर्पोरेट और एमएसएमई क्षेत्रों पर अपनी वृद्धि के लिए निर्भर कर रहे हैं, जबकि खुदरा बाजार में भविष्य की तेजी का इंतजार कर रहे हैं।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय विनिर्माण में चमक, पर महंगाई का दबाव बढ़ा

- अप्रैल में खरीद प्रबंधक सूचकांक 54.7 पहुंचा, परिचालन स्थितियों में सुस्ती और बढ़ी लागत से चुनौतियां

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बावजूद अप्रैल माह में भारतीय विनिर्माण गतिविधियों ने अपनी गति बनाए रखी है। एचएसबीसी द्वारा जारी खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) मार्च के 53.9 से बढ़कर अप्रैल में 54.7 पर पहुंच गया, जो क्षेत्र में लगातार विस्तार का संकेत है। हालांकि, इसी अवधि में परिचालन परिस्थितियों में पिछले चार सालों की दूसरी सबसे सुस्त वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे बढ़ती लागत और मुद्रास्फीति का दबाव स्पष्ट दिख रहा है। रिपोर्ट के अनुसार उत्पादन, निर्यात सहित नए ऑर्डर और रोजगार में अप्रैल माह में वृद्धि दर्ज की गई है। कंपनियों के प्रबंधकों ने विज्ञापन और मजबूत मांग को बिक्री और उत्पादन में वृद्धि का कारण बताया। विदेशों से नए ऑर्डर में भी सात महीने की सबसे तेज बढ़ोतरी देखी गई, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जापान, चीन और खाड़ी देशों से महत्वपूर्ण योगदान मिला। हालांकि एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पीएमआई में बढ़ोतरी के बावजूद परिचालन परिस्थितियों में सबसे सुस्त वृद्धि दर्ज हुई है। पश्चिम एशिया संकट का असर अब स्पष्ट रूप से मुद्रास्फीति पर दिख रहा है। लागत अगस्त 2022 के बाद सबसे तेजी से बढ़ी है, वहीं उत्पादों की कीमतें पिछले छह महीने में उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। एल्यूमीनियम, रसायन, ईंधन और पेट्रोलियम उत्पादों सहित विभिन्न वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि से कंपनियों पर लागत का बोझ बढ़ा है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि नए ऑर्डर और उत्पादन में

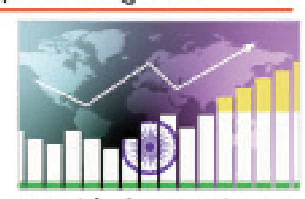

वृद्धि हुई है, लेकिन इसकी रफ्तार कम से कम साढ़े तीन साल में सबसे धीमी रही है। कुल मिलाकर मुद्रास्फीति की दर अगस्त 2022 के बाद के उच्चतम स्तर पर रही, जिसके कारण विनिर्माताओं को अपने उत्पादों के दाम में बढ़ोतरी करनी पड़ी। हालांकि, उपभोक्ता उत्पाद एकमात्र उपवर्ग रहा जहां कीमतों में कमी आई।

पीपीएफ खाता निष्क्रिय? घबराएं नहीं, ऐसे करें दोबारा एक्टिवेट

आपका पैसा सुरक्षित, लेकिन सुविधाओं के लिए जरूरी है सक्रिय करना

नई दिल्ली ।

अगर आप भी अपने पब्लिक प्रोविडेंट फंड खाते में सालाना न्यूनतम 500 रुपये जमा करना भूल गए हैं और आपका खाता निष्क्रिय हो गया है, तो चिंता न करें। आपका निवेश सुरक्षित है और इसे दोबारा सक्रिय करना बेहद आसान है, ताकि आप सभी सुविधाओं का लाभ उठा सकें। पीपीएफ नियमों के तहत हर वित्तीय वर्ष में न्यूनतम 500 रुपये जमा करना अनिवार्य है। ऐसा न करने पर खाता निष्क्रिय हो जाता है। अच्छी खबर यह है कि निष्क्रिय होने के बावजूद आपके जमा पैसे पर ब्याज मिलता रहता है, क्योंकि यह सरकारी गारंटी वाली योजना है। हालांकि, आप लोन या आंशिक निकासी जैसी सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। खाता दोबारा सक्रिय करने के लिए आपको बैंक या पोस्ट ऑफिस जाकर एक लिखित आवेदन देना होगा। साथ ही प्रत्येक निष्क्रिय वर्ष के लिए 50 रुपये का जुर्माना और 500 रुपये का न्यूनतम निवेश जमा करना होगा। उदाहरण के लिए, 2 साल के बंद खाते के लिए आपको 100 रुपये जुर्माना और 1000 रुपये बकाया निवेश जमा करने होंगे। यह प्रक्रिया फिलहाल ऑनलाइन उपलब्ध नहीं है।

गोदरेज इंडस्ट्रीज़ का 2031 तक 5 लाख करोड़ मार्केट कैप का महत्वाकांक्षी लक्ष्य

- नई कॉर्पोरेट पहचान, क्राफ्टिंग टुमॉरो उद्देश्य और ईएसजी प्रतिबद्धताओं पर ज़ोर

मुंबई।

भारत के पुराने व्यापारिक घरानों में से एक, गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप (जीआईजी) ने 2031 तक 5,00,000 करोड़ रुपये से अधिक मार्केट कैप हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। मुंबई में, समूह ने अपनी भविष्य की रणनीतियों और नई कॉर्पोरेट पहचान का अनावरण किया। ग्रुप अगले सात वर्षों में 15 फीसदी से अधिक वार्षिक बिक्री वृद्धि और 20 फीसदी से अधिक प्रति शेयर आय वृद्धि का लक्ष्य रखता है। इसके लिए सूचीबद्ध कंपनियों की संख्या तीन से बढ़ाकर पांच की जाएगी, साथ ही प्रत्येक कंपनी का लक्ष्य इक्विटी पर 18 फीसदी से अधिक रिटर्न देना होगा। रणनीतिक बदलाव के तहत जीआईजी ने निवेशकों हेतु नई कॉर्पोरेट जीआई पहचान पेश की है, जो गोदरेज के उपभोक्ता लोगो की जगह नहीं लेगी। क्राफ्टिंग टुमॉरो सिंस 1897 के नए उद्देश्य के साथ, समूह द गोदरेज वे के मूल्यों - प्रदर्शन, लोग और ग्रह (पर्यावरण) पर ज़ोर देता है।

गोदरेज इंडस्ट्रीज ने 2035 तक नेट-ज़ीरो परिचालन और 2047 तक ग्रह-हितैषी आपूर्ति श्रृंखला का लक्ष्य रखा है। अगले पांच वर्षों में, समूह में महिलाओं, एलजीबीटीक्यू प्लस और दिव्यांगजनों का 40 फीसदी प्रतिनिधित्व हासिल करने की भी योजना है, जो समावेशी कार्य संस्कृति के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बजाज ऑटो की बिक्री अप्रैल में 40 फीसदी बढ़कर हुई 5,13,792 इकाई

नई दिल्ली।

बजाज ऑटो लिमिटेड की अप्रैल में कुल बिक्री 40 प्रतिशत बढ़कर 5,13,792 इकाई हो गई जो पिछले वर्ष के इसी महीने में 3,65,810 इकाई थी। वाहन विनिर्माता कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि घरेलू बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 2,48,210 इकाई हो गई जबकि अप्रैल 2025 में यह 2,20,615 इकाई थी।निर्यात में 83 प्रतिशत की तेज वृद्धि दर्ज हुई और यह 2,65,582 इकाई रहा। अप्रैल 2025 में यह 1,45,195 इकाई रहा था। घरेलू बाजार में दोपहिया वाहनों की बिक्री 11 प्रतिशत बढ़कर 2,10,063 इकाई हो गई जबकि अप्रैल 2025 में यह 1,88,615 इकाई थी। दोपहिया वाहनों का निर्यात 78 प्रतिशत बढ़कर 2,29,890 इकाई हो गया जो एक वर्ष पहले इसी अवधि में

1,29,322 इकाई था। कंपनी ने बताया कि वाणिज्यिक वाहनों की कुल बिक्री अप्रैल 2026 में 54 प्रतिशत बढ़कर 73,839 इकाई हो गई जो पिछले वर्ष इसी महीने में 47,873 इकाई थी।

ट्रंप की प्रोजेक्ट फ्रीडम से एशियाई बाजारों में सकारात्मक शुरुआत

दक्षिण कोरियाई सूचकांक रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई ।

एशियाई शेयर बाजारों ने सप्ताह की शुरुआत मजबूत सकारात्मक रुख के साथ की, जिसमें दक्षिण कोरियाई सूचकांक ने नया रिकॉर्ड स्तर छुआ।

निवेशक जहां वैश्विक हालात पर करीब से नजर बनाए हुए हैं, वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा घोषित प्रोजेक्ट फ्रीडम ने उन्हें कुछ राहत प्रदान की है।

यह पहल अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाई गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रोजेक्ट फ्रीडम घोषणा। में होर्मुज जलडमरूमध्य, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का अहम मार्ग है, में गैर-संबद्ध देशों के नागरिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए अमेरिकी युद्धपोतों, विमानों और हजारों सैनिकों की तैनाती शामिल है।

जानकारों का मानना है कि इस रणनीतिक कदम से अमेरिका-ईरान तनाव के कारण वैश्विक व्यापार और तेल आपूर्ति पर पड़ रहे दबाव को कुछ हद तक कम किया जा सकेगा।

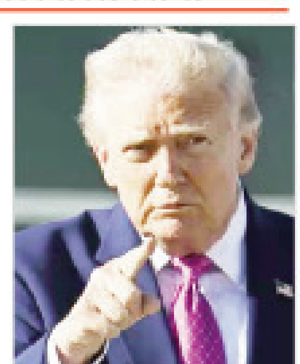

बाजारों में, दक्षिण कोरिया की रिकॉर्ड बढ़त के अलावा, भारत और हांगकांग के सूचकांक भी मजबूती के साथ बंद हुए। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया में हल्की गिरावट दर्ज की गई, जबकि जापान और चीन के बाजार सार्वजनिक अवकाश के कारण बंद रहे।

कच्चे तेल की कीमतें शुरुआती कारोबार में लगभग स्थिर रहीं, जिससे निवेशकों की सतर्कता का पता चलता है। विशेषज्ञों ने आने वाले दिनों में वैश्विक राजनीति, खासकर अमेरिका-ईरान संबंधों और तेल कीमतों पर पैनी नजर रखने की सलाह दी है, क्योंकि ये कारक बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

अदाणी के पक्ष में फैसला, एनसीएलएटी ने वेदांता की जेएएल चुनौती खारिज की

ऋणदाताओं की समिति के व्यावसायिक निर्णय को कायम रखा

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने सोमवार को अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड द्वारा जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के अधिग्रहण के पक्ष में फैसला सुनाया है। एनसीएलएटी ने वेदांता लिमिटेड की उन दो याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिनमें अदाणी की सफल बोली को चुनौती दी गई थी। न्यायालय की दो-सदस्यीय पीठ ने कहा कि अपील में कोई दम नहीं है और निर्णायक प्राधिकरण (एनसीएलटी) के निर्णय में हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं है। अपीलीय न्यायाधिकरण ने ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) के निर्णय को विभिन्न समाधान योजनाओं के समग्र मूल्यांकन और उनकी व्यावसायिक समझ पर आधारित बताया। एनसीएलएटी ने यह भी कहा कि समाधान प्रक्रिया के दौरान समाधान पेशेवर द्वारा कोई महत्वपूर्ण अनियमितता नहीं की गई। वेदांता ने अपनी बोली को सकल मूल्य के लिहाज से 3,400 करोड़ रुपये और शुद्ध वर्तमान मूल्य (एनपीवी) के आधार पर लगभग 500 करोड़ रुपये अधिक बताते हुए मूल्यांकन मानदंडों पर सवाल उठाया था। हालांकि, एनसीएलएटी ने कहा कि सीओसी द्वारा उच्च मूल्य वाली योजना को अस्वीकार करना मनमाना या अनुचित नहीं कहा जा सकता। गौरतलब है कि एनसीएलटी ने 17 मार्च को अदाणी एंटरप्राइजेज की 14,535 करोड़ रुपये की बोली को मंजूरी दी थी, जिसे वेदांता ने एनसीएलएटी और उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी, लेकिन दोनों जगह उसे राहत नहीं मिली। अदाणी को कर्जदाताओं के सर्वाधिक 89 प्रतिशत मत मिले थे।

क्या आप भी घर के आंगन को देना चाहती है खूबसूरत लुक, तो इन बेकार चीजों का इस तरह करें इस्तेमाल

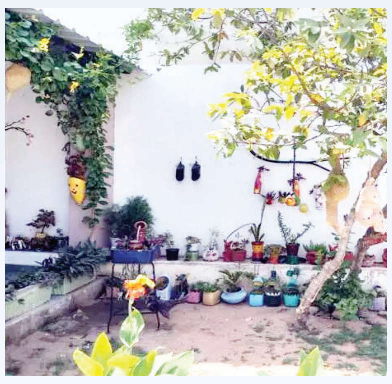

हर कोई अपने घर को सुंदर बनाना चाहता है। ऐसे में घर को खूबसूरत बनाने के लिए हर छोटी-छोटी बात का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। अगर आप भी अपने घर के आंगन को आकर्षक बनाना चाहते हैं तो यह खबर आपके लिए है। आज हम आपको कुछ टिप्स बताएंगे, जिनकी मदद से आप घर के उस हिस्से को सजा सकते हैं जहां सबसे ज्यादा लोग आते-जाते हैं।

अपने यार्ड को ऐसे बनाएं खूबसूरत

आंगन घर की सुंदरता में चार चांद लगा देता है। इसे खूबसूरत बनाने के लिए आप कई तरह के पौधे, फूल और सजावटी सामान का इस्तेमाल कर सकते हैं। सबसे पहले आप किसी भी दुकान या नर्सरी से रंग-बिरंगे फूलों के गमले लाकर अपने घर के आंगन में रख सकते हैं। आजकल बाजार में सजावट के लिए भी एक से एक पौधे आसानी से उपलब्ध हैं।

दीवारों पर बेलें लगाएँ

आप आंगन की दीवारों को सुंदर बनाने के लिए मनी प्लांट, मोगरा जैसी कई सुगंधित लताएं लगा सकते हैं। इससे आंगन की दीवारें चमक उठेंगी। आप आंगन के बाहर बाउंड्री पर नींबू, संतरा या आम जैसे छोटे पेड़ लगा सकते हैं। यह पेड़ आपके यार्ड को हरा-भरा बना देगा और घर आने वाले सभी मेहमान आपके यार्ड की तारीफ करने लगेंगे।

आँगन में एक सुन्दर झूला लगाओ

इतना ही नहीं, आप अपने यार्ड में एक छोटा सा फव्वारा भी स्थापित कर सकते हैं। यह आपके घर में शांति और सुन्दरता ला सकता है। इसके अलावा आप आंगन में छोटा सा सुंदर झूला या बेंच लगा सकते हैं ताकि आप शांति से बैठ सकें या झूले में झूलकर प्रकृति का आनंद ले सकें। यहां बैठने से आपको आराम मिलेगा।

बांस की छड़ियों का उपयोग करें

आप शाम के समय अपने आँगन में रोशनी या लैंप का उपयोग कर सकते हैं। इससे पूरा प्रांगण रोशन हो जाएगा। आप अपने आँगन को पत्थरों से सजा सकते हैं। इसके अलावा, सजावट के लिए भी बांस की छड़ियों का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

प्रतिदिन यार्ड साफ करें

इन सभी सुझावों के अलावा आपको अपने यार्ड को रोजाना साफ करना चाहिए और पौधों को पानी देना चाहिए। यदि आप ऐसा करेंगे तो आपका यार्ड हरा-भरा और सुंदर दिखेगा। ये सभी टिप्स आपके यार्ड को सुंदर बनाने में आपकी मदद करेंगे।

घर को मिलेगा अमीरों वाला रॉयल लुक, इन 4 ट्रिक्स से हमेशा साफ-सुथरा दिखेगा हर कोना

हर किसी का सपना होता है कि उसका घर न केवल आरामदायक हो, बल्कि उसका लुक भी रॉयल और शानदार हो। खासकर जब बात सफाई और सजा-संवारा की हो, तो यह महत्वपूर्ण होता है कि घर का हर कोना हमेशा साफ-सुथरा और व्यवस्थित दिखे। हालांकि, घर को हमेशा एक रॉयल लुक देना और उसे अच्छे से सजाना उतना कठिन भी नहीं है। कुछ आसान और प्रभावी ट्रिक्स के जरिए आप भी अपने घर को अमीरों जैसा दिखा सकते हैं। आइए जानते हैं उन 4 खास ट्रिक्स के बारे में, जो आपके घर को हमेशा साफ-सुथरा और शानदार बनाए रखेंगी।

1. फर्नीचर की व्यवस्था और डिजाइन

घर के फर्नीचर की सही व्यवस्था और चयन रॉयल लुक पाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुछ बुनियादी फर्नीचर डिज़ाइनों को ध्यान में रखकर आप घर को रॉयल बना सकते हैं। जैसे :

क्लासिक और स्लीक फर्नीचर : अमीर घरों में हमेशा क्लासिक, एंटीक और स्लीक डिज़ाइन का फर्नीचर होता है। इसके लिए आप अपनी लाइविंग रूम में लकड़ी के सुरुचिपूर्ण सोफा सेट या मेटल और ग्लास के संयोजन वाले टेबल का चुनाव कर सकते हैं।

साफ-सुथरी व्यवस्था : फर्नीचर की व्यवस्था इस तरह करें कि घर में हवा का सही संचार हो और कमरे की विशालता बनी रहे। फर्नीचर का ओवरलोडिंग न करें और हर सामान को उसकी जगह पर व्यवस्थित रखें।

2. साफ-सफाई का ध्यान रखें

अमीर लोग हमेशा अपने घर की सफाई का विशेष ध्यान रखते हैं। घर को हमेशा साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखना रॉयल लुक में एक अहम योगदान देता है। कुछ टिप्स :

डेली क्लीनिंग रूटीन : घर के हर हिस्से को रोज़ाना साफ करने की आदत डालें। फ्लोर को अच्छे से धोने के लिए एक अच्छा क्लीनर इस्तेमाल करें और वाइप से टेबल, काउंटर और गद्दे साफ करें।

धूल-मिट्टी से बचाव : खिड़कियों और दरवाजों के पर्दों को नियमित रूप से धोएं ताकि धूल-मिट्टी का जमाव न हो। एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल भी कमरे को ताजगी से भर देता है।

3. हाई-एंड डेकोर और एक्सेसरीज़

रॉयल लुक पाने के लिए, घर में सही डेकोर और एक्सेसरीज़ का होना जरूरी है। कुछ महत्वपूर्ण चीजों का ध्यान रखें :

आर्ट पीस और वॉल पेंटिंग : दीवारों पर पेंटिंग या आर्ट पीस लगाना घर को रॉयल लुक देता है। अमीर घरों में अक्सर महंगे और अनोखे आर्टवर्क होते हैं, जिन्हें देखकर ही घर की भव्यता का अहसास होता है।

लक्ज़री लाइटिंग : अच्छे और भव्य लाइटिंग से घर की खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं। आप सोने के रंग के झूमर, क्रिस्टल लाइट्स या महंगे चांदी के लैंप का इस्तेमाल कर सकते हैं।

विंटर कुशन और थ्रो : सोफे पर रंग-बिरंगे, मुलायम और लक्ज़री फैब्रिक के कुशन और थ्रो रखें। यह न केवल सोफे को और आकर्षक बनाता है, बल्कि घर को भी रॉयल और आरामदायक लुक देता है।

4. रंगों का चुनाव और व्यवस्था

घर में सही रंगों का चुनाव भी उसकी सफाई और रॉयल लुक को बेहतर बना सकता है। अमीर घरों में रंगों का चयन बेहद ध्यान से किया जाता है, क्योंकि यह कमरे की खूबसूरती और शांति को बढ़ाता है।

लाइट और न्यूट्रल शेड्स : रॉयल लुक के लिए हलके रंग जैसे क्रीम, बेज, सफेद, हल्के गुलाबी या आइलिवन पिंक का चुनाव करें। इन रंगों से घर की जगह खुली और रोशन दिखेगी। इसके अलावा, डार्क टोन जैसे डार्क ग्रीन या ब्लू भी रॉयल लुक के लिए बेहतरीन होते हैं।

कलर्ड ऐक्सेंट्स : कमरे में थोड़े-बहुत रंग के ऐक्सेंट्स जैसे सजावटी वस्त्र, कुशन या दीवारों पर पेंटिंग्स भी रॉयल लुक को हाईलाइट करते हैं। इनसे कमरे की सुंदरता और विविधता में इजाफा होता है।

इन ट्रिक्स को अपनाकर आप अपने घर को एक रॉयल और क्लासी लुक दे सकते हैं, जो न केवल आपको बल्कि आपके मेहमानों को भी प्रभावित करेगा। सही फर्नीचर, अच्छी सफाई, खूबसूरत डेकोर और उपयुक्त रंगों के साथ, आपका घर हमेशा साफ-सुथरा और शानदार नजर आएगा। तो, तैयार हो जाइए अपने घर को अमीरों जैसा बनाने के लिए और उसे हर दिन रॉयल लुक में सजाने के लिए!

क्या आप जानते हैं रोज 5 मिनट अनुलोम विलोम करने से क्या होता है? सेहतमंद बीतेगी जिंदगी, ऐसे करें अभ्यास

स्वस्थ रहने के लिए सभी स्वास्थ्य विशेषज्ञ उचित आहार के साथ-साथ योग और व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करने की सलाह देते हैं। अक्सर लोग यह सोचकर योग और व्यायाम से बचते हैं कि यह बहुत कठिन है या इसमें बहुत समय लगेगा। लेकिन, ऐसा बिल्कुल नहीं है। योग और प्राणायाम शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। अनुलोम-विलोम और कपालभाति प्राणायाम सेहत को कई तरह से फायदा पहुंचाता है। क्या आप जानते हैं कि रोजाना 5 मिनट अनुलोम-विलोम और कपालभाति करने से क्या फायदा होता है और इसे करने का सही तरीका क्या है, आइए विशेषज्ञ से जानते हैं। योग विशेषज्ञ नताशा कपूर इस बारे में जानकारी दे रही हैं। वह एक प्रमाणित योग शिक्षिका हैं।

अगर आप रोजाना 5 मिनट अनुलोम-विलोम और कपालभाति करते हैं तो क्या होता है?

रोजाना 5 मिनट तक अनुलोम-विलोम और कपालभाति करने से मन शांत होता है। इससे तनाव दूर होता है और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है।

यह पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है. जिन लोगों का पाचन तंत्र खराब है, उन्हें रोजाना 5 मिनट अनुलोम-विलोम और कपालभाति करना चाहिए।

कपालभाति प्राणायाम एसिडिटी, गैस और कब्ज को दूर करता है और पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है।

यह एकाग्रता और स्मरण शक्ति में सुधार करता है तथा चिंता से राहत देता है।

रोजाना 5 मिनट अनुलोम-विलोम करने से भी बीपी नियंत्रित रहता है। अगर आपका बीपी हाई रहता है तो आपको कपालभाति के बाद अनुलोम-विलोम जरूर करना चाहिए।

कपालभाति प्राणायाम करने से भी पेट की चर्बी कम होती है।

रोजाना 5 मिनट कपालभाति और अनुलोम-विलोम करने से शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं और चेहरे पर चमक आती है। इससे वजन भी कम होता है।

अगर आपको अच्छी नींद नहीं आती, शरीर हमेशा थका रहता है और मन शांत नहीं रहता तो ये दो प्राणायाम 5 मिनट तक करें।

रोजाना 5 मिनट कपालभाति और अनुलोम-विलोम करने से शरीर को ऊर्जा मिलती है और फेफड़ों और हृदय का स्वास्थ्य बेहतर होता है।

उलटने का सही तरीका

इस प्राणायाम को करने के लिए आपको एक शांत जगह पर बैठना होगा।

आप इसे फर्श पर बैठकर या योग मैट के साथ बिस्तर पर बैठकर भी कर सकते हैं।

आपको इसे सुखासन या पद्मासन में बैठकर करना होगा।

यह करने के लिए बहुत आसान है।

सबसे पहले आपको अपने दाहिने अंगूठे को अपने दाहिने नथुने पर रखना होगा।

इसके बाद आपको दूसरे नथुने यानि बायें नथुने से सांस लेनी है।

सांस लेते समय इस नथुने को बंद कर लें और अपने अंगूठे को दाएं नथुने से हटाकर सांस छोड़ें।

अब केवल दाहिने नथुने से ही श्वास लें।

आपको इसे बायीं नासिका से बाहर निकालना होगा।

इस प्रक्रिया को इस प्रकार दोहराएँ।

याद रखें कि आपको उसी नथुने से दोबारा सांस लेनी है जिससे आपने सांस छोड़ी थी।

कपालभाति करने का सही तरीका

इस प्राणायाम को करने के लिए आपको सुखासन में बैठना होगा।

अपनी रीढ़ सीधी रखें.

पेट को ढीला छोड़ दें।

अब आपको तेजी से सांस बाहर छोड़नी है।

ऐसा करते समय आपका पेट अंदर की ओर खिंचना चाहिए और पेट पर दबाव महसूस होना चाहिए।

इसे कुछ समय तक दोहराएँ।

रोजाना 5 मिनट अनुलोम-विलोम और कपालभाति करने से आपको ये फायदे मिल सकते हैं। अगर आपको कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या है तो हमें लेख के ऊपर कमेंट बॉक्स में बताएं। हम अपने लेखों के माध्यम से आपकी समस्या का समाधान करने का प्रयास करेंगे।

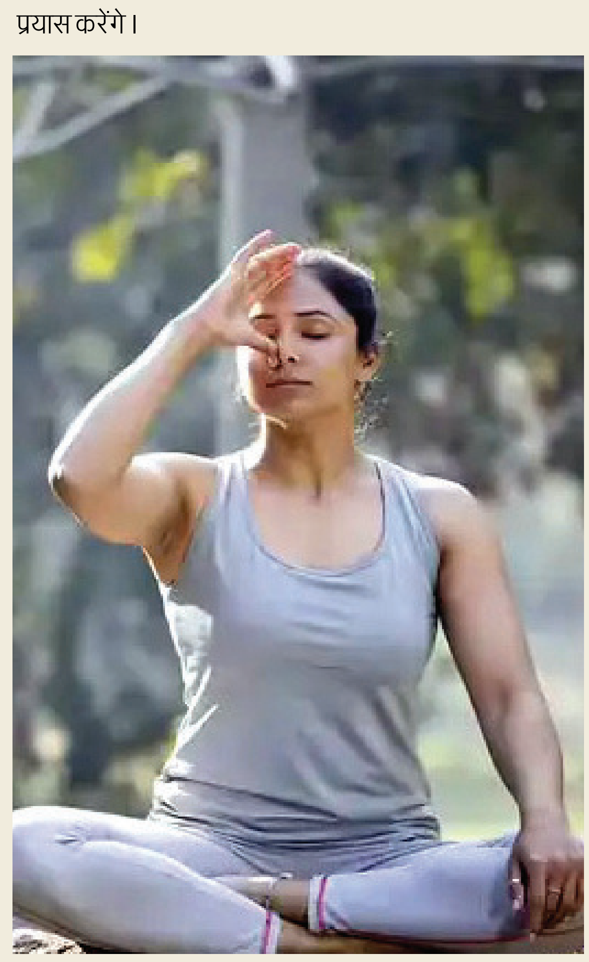

गर्मी में बर्फ की तरह पिघलेगी पेट और जांघों की चर्बी

डाइट में सिर्फ इन 5 फूड्स को कर लें शामिल

महिलाएं घर और बाहर की जिम्मेदारियों में इतनी व्यस्त रहती हैं कि वे अपने स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रख पातीं। इसके अलावा, लंबे समय तक बैठे रहने से शारीरिक गतिविधियां भी कम हो रही हैं। इन कारणों से शरीर का वजन और चर्बी बढ़ने लगती है। शरीर की चर्बी न सिर्फ पर्सनालिटी खराब करती है, बल्कि कई तरह की समस्याएं भी पैदा करती है।

मोटापे के कारण शरीर में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, गठिया, स्ट्रोक जैसी कई बीमारियां घर करने लगती हैं। ऐसे में अपने खान-पान और जीवनशैली में जरूरी बदलाव करना बेहद जरूरी है। इसके लिए रोजाना व्यायाम करना जरूरी है। हालांकि, कभी-कभी महिलाओं के लिए घर और ऑफिस के काम के बीच जिम जाने और व्यायाम करने के लिए समय निकालना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में ऐसे व्यायामों की जरूरत है, जो आसानी से और कम समय में किए जा सकें।

हम आपके लिए 4 ऐसी एक्सरसाइज लेकर आए हैं, जिन्हें करने के लिए आपको जिम जाने की भी जरूरत नहीं है, बल्कि आप घर पर ही थोड़ा-बहुत कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस एक दीवार की जरूरत है। आप ये व्यायाम दीवार के सहारे खड़े होकर आसानी से कर सकते हैं। फिटनेस एक्सपर्ट जूही कपूर हमें इनके बारे में बता रही हैं।

विशेषज्ञ कहते हैं, अगर आपने अभी-अभी फिटनेस पर ध्यान देना शुरू किया है और आप आसान एक्सरसाइज की तलाश में हैं, तो आप दीवार के सहारे कुछ एक्सरसाइज कर सकते हैं। इससे आपको कई फायदे मिलते हैं। यह शरीर की कई मांसपेशियों पर काम करता है। इससे संतुलन और मुद्रा में सुधार होता है और पैर, हाथ और पेट की चर्बी कम होती है। इन एक्सरसाइज को रोजाना करने से शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है। इसके अलावा यह फैट बर्न करने और पूरे शरीर को टोन करने में मदद करता है।

दीवार पर मार्च

यह एक बहुत ही आसान और प्रभावी व्यायाम है जिसे आप घर पर दीवार की मदद से कर सकते हैं। यह पूरे शरीर को सक्रिय करता है और मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। यह एक कार्डियो व्यायाम है जो हृदय गति को बढ़ाता है और पैरों, जांघों और ग्लूट्स को मजबूत करता है।

दीवार मार्चिंग के चरण

इसे करने के लिए दीवार की ओर मुंह करके अपने पैरों को थोड़ा अलग रखकर खड़े हो जाएं।

अपने दोनों हाथ सीधे दीवार पर रखें।

फिर उसी स्थान पर खड़े होकर बारी-बारी से पैरों को छाती की ओर ऊपर उठाएं, जैसे कि आप मार्च कर रहे हों।

इस व्यायाम को 50 बार दोहराएँ।

दीवार मोड़

यह व्यायाम करना थोड़ा कठिन है, लेकिन इसे रोजाना करने से आप पूरे शरीर की चर्बी कम कर सकते हैं। इसके अलावा, यह व्यायाम कमर की मांसपेशियों को मजबूत करता है, रीढ़ को लचीला बनाता है, पाचन में सुधार करता है और तनाव को कम करता है।

दीवार मोड़ने के चरण

इस व्यायाम को करने के लिए दीवार के पास खड़े हो जाएं।

अपने पैरों को कंधे की चौड़ाई तक खोलें।

दोनों हाथ दीवार पर रखें।

कमर से शरीर को दाएं से बाएं ओर घुमाएं, जैसे आप कुर्सी घुमा रहे हों।

यह व्यायाम दूसरी तरफ से भी करें।

व्यायाम करते समय सांस अंदर और बाहर लें।

यह व्यायाम 50 बार करें।

दीवार पर उकड़ूँ बैठना

यह एक ऐसा व्यायाम है, जो न केवल आपके पैरों, जांघों और कूल्हों को मजबूत बनाता है, बल्कि पूरे शरीर को टोन करने में भी मदद करता है। ऐसा इसलिए क्योंकि ऐसा करने से अधिक कैलोरी बर्न होती है और मेटाबोलिज्म भी बढ़ता है। इसके अलावा यह तनाव को भी कम करता है।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल में मंगलवार को अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। दिल्ली का लक्ष्य जीत के साथ ही प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें बनाये रखना रहेगा। दिल्ली ने अब तक खेले गए नौ मैचों में से चार में जीत हासिल की है जबकि उसे पांच में हार का सामना करना पड़ा है और वह अंक तालिका में सातवं स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर सीएसके ने अबतक नौ मैचों में चार जीत हासिल की है और वह भी 6 अंक लेकर छठे स्थान पर है। नेट रन रेट बेहतर होने के कारण वह दिल्ली से अंक तालिका में ऊपर है।

पिछले मैच में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मिली जीत से भी सीएसक टीम उत्साहित है। उसके कप्तान रुतुराज गायकवाड़ भी फार्म में आ गये हैं जिससे टीम की बल्लेबाजी मजबूत हुई है। टीम के पास संजू सैसमन जैसा बल्लेबाज भी है। सैमसन ने अब तक दो शतक लगाये हैं। जहां तक गेंदबाजी की बात है दोनो ही टीमों के पास अच्छे गेंदबाज हैं। दिल्ली के पास मिचेल स्टार्क के अलावा कुलदीप यादव और टी नटराजन जैसे गेंदबाज हैं। वहीं सीएसके के पास अंशुल कंबोज और मुकेश चौधरी व नूर अहमद हैं।

अक्षर पटेल की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स की बल्लेबाजी केएल राहुल के अलावा ट्रिस्टन स्टब्स और पथुम निसांका पर आधारित रहेगी।

दोनो ही टीमों के बीच अबतक 32 मुकाबले हुए है, इनमें से दिल्ली कैपिटल्स ने 12 जबकि चेन्नई सुपर किंग्स ने 20 मैच जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

चेन्नई सुपर किंग्स: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान),संजू सैमसन (विकेटकीपर), उर्विल पटेल, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, जेमी ओवरटन, रामकृष्ण घोष, प्रशांत वीर, नूर अहमद, अंशुल कंबोज और मुकेश चौधरी, इम्पैक्ट प्लेयरः कार्तिक शर्मा

दिल्ली कैपिटल्सः अक्षर पटेल (कप्तान),केएल राहुल (विकेटकीपर), पथुम निसांका, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, नितीश राणा, आशुतोष शर्मा, काइल जैमीसन, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव और टी नटराजन, इम्पैक्ट प्लेयरः आशुतोष शर्मा

आरसीबी को झटका, चोटिल होने के कारण इंग्लैंड वापस गये सॉल्ट

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेल रहे इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट चोटिल होने के कारण स्वदेश लौट गये हैं। माना जा रहा है कि कि सॉल्ट उंगली में लगी चोट की जांच और इलाके लिए अपने घर गये हैं। साल्ट के स्वदेश लौटने से आसीबी की बल्लेबाजी प्रभावित हुई है। इससे उनकी टीम आरसीबी की खिताब बचाने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सॉल्ट को यह चोट दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में लगी थी। बाउंड्री लाइन के पास एक शॉट लगाते समय उनकी बाएं हाथ की उंगली में काफी चोट आई थी। जिसके बाद से ही वह खेल से दूर हैं। चोट इतनी गंभीर हैं कि फ्रेंचाइजी को उन्हें जांच और इलाके लिए स्वदेश भेजना पड़ा।

आरसीबी ने अभी तक सॉल्ट की चोट की गंभीरता और उनके इंग्लैंड रवाना होने को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया है, जिससे भी प्रशंसक साल्ट की वापसी को लेकर आशंकित हैं। सॉल्ट के बाहर होने से उनकी जगह पर इंग्लैंड के ही युवा बल्लेबाज जैकब बेथेल को शीर्ष क्रम में अवसर मिला है। इस सत्र में साल्ट ने 6 पारियों में 168.33 के शानदार स्ट्राइक रेट से कुल 202 रन बनाए थे। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी ने विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाया था और टीम के मध्यक्रम के लिए एक मजबूत मंच तैयार किया था। उनकी अनुपस्थिति में टीम की शुरुआत धीमी पड़ रही है, जिसका सीधा असर कुल स्कोर पर दिख रहा है।रिपोर्ट के अनुसार, सॉल्ट और टीम मैनेजमेंट दोनों को उम्मीद है कि वह इस महीने के अंत तक भारत लौटकर टीम के साथ जुड़ सकते हैं, बशर्ते उनकी चोट की स्थिति में सुधार हो।

अश्विन बोले, धोनी को अपनी गेंदबाजों पर रहता था पूरा भरोसा

–मेरे लिए कभी फील्डिंग नहीं सजाई

चेन्नई (एजेंसी)। पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि जितना भरोसा उनको गेंदबाजों पर रहता था उतना किसी और में नहीं देखा है। अश्विन ने धोनी की कप्तानी कौशल के लिए नहीं, बल्कि उनकी विकेटकीपिंग और खेल के प्रति स्पष्ट सोच के लिए है। अश्विन ने स्पष्ट किया कि उन्हें स्पिनरों के सामने धोनी जैसी विकेटकीपिंग करते हुए किसी और को नहीं देखा है।

अश्विन ने कहा कि लोग धोनी की शानदार कप्तानी की बहुत तारीफ करते हैं, और उनकी सफलता इस बात का प्रमाण है, लेकिन उनके लिए धोनी की दो विशेषताएं सबसे अलग हैं। पहली, एक मध्य क्रम के बल्लेबाज के रूप में उनकी क्षमता, जो खेल को आखिर तक ले जाकर अनुकूल परिणाम में बदल सकते थे। और दूसरी, स्पिन गेंदबाजों के सामने उनकी अद्भुत विकेटकीपिंग, जिसमें उन्हें कोई सानी नहीं।अश्विन ने धोनी के अपनी गेंदबाजों पर भरोसे को भी याद किया। उन्होंने बताया, धोनी ने कभी मेरे लिए फील्डिंग नहीं सजाई। मैं अपनी फील्डिंग स्वयं जमाता था। धोनी उन्हें बस एक सरल सलाह देते थे- दोहरा अनुमान मत लगाओ। पहले से कुछ मत सोचो। अगर तुम्हारी गेंद पर कोई बड़ा शॉट लगता है, तो कोई बात नहीं। अगर कोई जोखिम लेता है तो लेने दो। बस अपनी तय फील्डिंग के हिसाब से गेंदबाजी करो। इस बात से अश्विन को महसूस होता था कि धोनी को उन पर पूरा विश्वास था।

इस भरोसे और धोनी की सजगता का एक उदाहरण देते हुए अश्विन ने 2011 के आईपीएल फाइनल को याद किया, जब धोनी ने क्रिस गेल को शून्य पर आउट करने के लिए स्टंप के पीछे एक शानदार कैच लपका था। अश्विन के अनुसार, आप मैच की रणनीति और विकेट गिरने के बारे में बात कर सकते हैं, लेकिन धोनी ने जिस तरह से वह कैच पकड़ा, वह वास्तव में लाजवाब था। अश्विन ने अपने आईपीएल करियर (2009-25) में कुल 221 मैचों में 187 विकेट लिए हैं, जो उनकी लंबी और सफल यात्रा का प्रमाण है।धोनी के साथ अपने अनुभवों के अलावा, अश्विन ने अपने स्वयं के आईपीएल करियर के उतार-चढ़ाव पर भी बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि 2018-19 में पंजाब किंग्स की कप्तानी करने के बावजूद, वह उस टीम के साथ पूरी तरह से जुड़ नहीं पाए। उन्होंने कहा, पंजाब ने मुझे 2018 में चुना और मैंने अपना पूरा प्रयास किया, लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि मैं उस टीम को वास्तव में अपनी टीम नहीं बना पाया। कप्तान के तौर पर शायद मैंने बहुत कुछ हासिल न किया हो, लेकिन इस दौरा मुझे सीखने को बहुत कुछ मिला।हालांकि, राजस्थान रॉयल्स के साथ बिताए अपने समय को अश्विन ने सबसे संतोषजनक बताया।

पंजाब किंग्स को हराकर पांचवे नंबर पर पहुंची गुजरात, मुम्बई हुई बाहर

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में पंजाब किंग्स को हराकर अपनी प्लेऑफ की संभावनाएं बनाये रखी हैं। गुजरात अब पांचवें स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं मुम्बई इंडियंस की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। पंजाब की टीम हार के बाद भी नंबर एक पर बनी हुई है। गुजरात टाइटंस ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में साई सुदर्शन की 57 रनों की आक्रामक पारी से जीत हासिल की। गुजरात की गेंदबाजी भी हावी रही और उसने पंजाब को 163 रन ही बनाने दिये। इसके बाद जीत का लक्ष्य हासिल करने उतरी टाइटंस के लिए सुदर्शन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को अहम जीत दिलाई। अंक तालिका में पंजाब किंग्स नंबर एक पर बनी रही।

वहीं पंजाब किंग्स 9 मैचों में 6 जीत, 2 हार और एक मैच का परिणाम नहीं निकलने कारण 13 अंक लेकर शीर्ष पर बनी हुई है। वहीं, गुजरात टाइटंस, इस जीत के बाद 10 मैचों में 6 जीत दर्ज करते हुए 12 अंक लेकर अंक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गयी है। अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु है, जिसने पंजाब जितने ही 9 मैच खेलकर 6 जीत और 3 हार के साथ 12 अंक हासिल किए हैं। इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स भी 12 अंकों के साथ ही तीसरे और चौथे स्थान पर बरकरार हैं। वहीं हैदराबाद ने 10 मैच खेले हैं और रॉयल्स को भी इतने ही मैचों में जीत मिली है। इन तीनों टीमों के बीच नेट रन रेट के आधार पर कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है, जो प्लेऑफ की दौड़ को और भी दिलचस्प बना रही है।

मध्य तालिका में चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स दोनों ने 9 मैच खेलकर 4 जीत दर्ज की हैं और 8 अंकों के साथ छठे व सातवें स्थान पर हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स ने 9 में से 3 मैच जीतकर 6 अंक हासिल किए हैं और आठवें स्थान पर है।

वहीं अंक तालिका में मुम्बई इंडियंस 9 मैचों में सिर्फ 2 जीत के साथ ही 4 अंक हैं और वह नौवें स्थान पर हैं। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए, मुंबई के लिए प्लेऑफ की रेस अब लगभग समाप्त हो चुकी है।वहीं सबसे निचले स्थान पर लखनऊ सुपर जायंट्स है, जिसने 8 मैचों में केवल 2 जीत दर्ज की हैं और उसके भी 4 ही अंक हैं।

चहल को एक ओवर दिये जाने से कैफ हैरान

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने स्पिनर युजवेंद्र चहल को कम गेंदबाजी दिये जाने की पंजाब किंग्स की रणनीति पर सवाल उठाये हैं। ।कैफ के अनुसार पंजाब को चहल की क्षमताओं पर भरोसा बनाये रखना चाहिये।कैफ के अनुसार गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में जिस प्रकार से चहल को कम गेंदबाजी मिली उससे मुझे हैरानी हुई है।इस मैच में पंजाब किंग्स को हार का सामना करना पड़ा था।इस हार के बाद से ही पंजाब की गेंदबाजी रणनीति पर सवाल उठ खड़े हुए हैं।इसी को लेकर कैफ ने कहा था कि आईपीएल इतिहास के सबसे सफल गेंदबाजों में से एक होने के बाद भी चहल को केवल एक ही ओवर दिये जाने पर उन्हें हैरानी हुई है जबकि वह अपनी कलात्मक लेग-स्पिन और विकेट लेने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं।कैफ के अनुसार चहल ने आईपीएल में कुल 228 विकेट लिए हैं और उनका नाम सबसे अधिक विकेट लेने वालों में शामिल है।इसमें से उन्होंने काफी विकेट चिन्नास्वामी स्टेडियम जैसी सपाट पिचों पर लिए थे जहां गेंदबाजों को काफी कम सहायता मिलती है।हालांकि, कैफ ने पिच की स्थितियों को भी ध्यान में रखा और स्वीकार किया कि शायद पिच पर घास मौजूद होने के कारण टीम की रणनीति प्रभावित हुई हो।

जैनिक सिनर ने जीता मैड्रिड ओपन का खिताब, फाइनल में अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराया

मैड्रिड ।विश्व नंबर वन टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर मैड्रिड ओपन का खिताब अपने नाम किया।इटली के दिग्गज जैनिक सिनर ने जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 57 मिनट तक चले मुकाबले में 6-1, 6-2 से हराकर, अपने करियर में पहला मैड्रिड ओपन का खिताब जीत लिया है। इस जीत के साथ सिनर लगातार पांच एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब (पेरिस, इंडियन वेल्स, मियामी, मोंटे-कार्लो, मैड्रिड) जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए। सिनर ने अब कैलेंडर पर मौजूद नौ मास्टर्स 1000 प्रतियोगिताओं में से आठ जीत लिए हैं; उनके कलेक्शन में केवल रोम का खिताब ही शेष है। सिनर अपने करियर में आठ अलग-अलग मास्टर्स 1000 प्रतियोगिता जीतने वाले इतिहास के सिर्फ तीसरे खिलाड़ी हैं; उनसे पहले यह कारनामा सिर्फ जोकोविच और रोजर फेडरर ही कर पाए थे।

बीसीसीआई अब आईपीएल में क्रिकेटरों की गर्लफ्रेंड्स के रहने को लेकर सख्त नियम बनाने जा रहा

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खिलाड़ियों की गर्लफ्रेंड्स के रहने को लेकर सख्त नियम बनाने जा रहा है।बीसीसीआई ये कदम मुख्य रूप से भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों को रोकने, खिलाड़ियों की आचार संहिता को बनाए रखने और उनकी छवि को देखते हुए उठा रहा है।जहां भारतीय टीम के विदेशी दौरों के दौरान खिलाड़ियों की पत्नियों और परिवार के सदस्यों के साथ रहने को लेकर पिछले साल बोर्ड ने सख्त नियम बनये थे, वहीं आईपीएल में इस प्रकार के कोई नियम नहीं है जिसका लाभ खिलाड़ी उठा रहे हैं।आईपीएल में खिलाड़ियों की यात्रा और ठहरने की व्यवस्था की जिम्मेदारी आमतौर पर टीम मालिकों की होती है पर बोर्ड के पास इसमें हस्तक्षेप के अधिकार हैं। पिछले कुछ सत्र में कई खिलाड़ी अपनी गर्लफ्रेंड्स के साथ यात्रा करते और होटलों में रुकते देखे गए हैं, जिससे बोर्ड नाराज हैं।बीसीसीआई इसलिए भी परेशान है क्योंकि कुछ खिलाड़ियों की गर्लफ्रेंड्स पर बेटिंग ऐप्स के लिए काम करने का संदेश है।यह भ्रष्टाचार रोधी नियमों के उल्लंघन के साथ ही खेल की अखंडता के लिए खतरा है। इसके अतिरिक्त, कई युवा भारतीय क्रिकेट खिलाड़ियों की गर्लफ्रेंड्स सोशल मीडिया पर इन्फ्लुएंसर हैं और अपने पेज पर विभिन्न प्रोडक्ट्स, जिनमें बेटिंग ऐप्स और शराब ब्रांड्स भी शामिल हैं, का प्रचार करती हैं।ऐसे ब्रांड्स का प्रचार बीसीसीआई के नियमों के खिलाफ है और इससे गलत संदेश जाता है।बोर्ड नहीं चाहता कि भारतीय टीम के लिए खेलने वाले या भविष्य में खेलने की इच्छा रखने वाले किसी भी खिलाड़ी को ऐसी गतिविधियों से कोई परेशानी हो।कुछ खिलाड़ियों के फ्रेंचाइजी की बसों का अपनी गर्लफ्रेंड्स से मिलने के लिए इस्तेमाल करने के मामले भी सामने आए हैं, जिसे भी आचार संहिता का उल्लंघन माना गया है।

एकजुट होकर प्रदर्शन करने से गुजरात टाइटंस को मिल रही सफलता : होल्डर

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के ऑलरराउंडर जेसन होल्डर ने आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली जीत पर उत्साहित होते हुए कहा है कि हमारी सफलता का कारण एक ईकाई के तौर पर खेलना रहा है। आईपीएल के इस मुकाबले में गुजरात ने अंक तालिका में नंबर एक पर चल रही पंजाब किंग्स को 4 विकेट से हरा दिया। होल्डर ने इस मैच में 4 ओवर में ही केवल 24 रन देकर 4 विकेट लिए और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

होल्डर ने कहा कि टीम की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसका एकजुट होकर खेलना रहा है। टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है। उन्होंने कहा, यही हमारी टीम का टेम्पलेट रहा है। हमारे पास मजबूत खिलाड़ी हैं और हर मुकाबले में अलग-अलग खिलाड़ी आगे आकर अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि टीम किसी एक स्टार खिलाड़ी पर निर्भर नहीं करती, बल्कि हर मैच में एक नया हीरो सामने आता है। इसी से टीम अब तक टिकी हुई है।

होल्डर ने साथ ही कहा, हमने अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी नहीं किया है, फिर भी हम जीत हासिल कर रहे हैं। यह बयान टीम की गहराई और क्षमता को दर्शाता है। उनके अनुसार, टीम अभी अपनी क्षमता के शिखर पर नहीं पहुंची है, लेकिन इसके बावजूद लगातार जीत दर्ज कर रही है, जो उनके लिए सबसे बड़ा सकारात्मक पहलू है। यह दिखाता है कि टीम में न केवल गहराई है, बल्कि संतुलन भी मजबूत है, जिससे वे दबाव में भी बेहतर प्रदर्शन कर पा रहे हैं।

इस महत्वपूर्ण जीत के साथ गुजरात टाइटंस की स्थिति अंक तालिका में और बेहतर हुई है। टीम अब तक 10 मुकाबले खेल चुकी है, जिसमें से उसने 6 में जीत हासिल की है और 4 में उसे हार का सामना करना पड़ा है। 12 अंकों के साथ गुजरात टाइटंस अंक तालिका में पांचवें स्थान पर आ गई है। अब गुजरात टाइटंस अपने अगले मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स का सामना करेगी। यह मैच 9 मई को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला जाएगा।

रहाणे ने जीत का श्रेय गेंदबाजों को दिया, वरुण ने अच्छी गेंदबाजी की

हैदराबाद ।कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान आजिंक्य रहाणें ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली 7 विकेट से जीत का श्रेय गेंदबाजों को दिया है।रहाणे ने कहा कि हमारे गेंदबाजों विशेषकर वरुण चक्रवर्ती ने काफी सटीक गेंदबाजी कर करते हुए सनराइजर्स के बल्लेबाजों को खेलने का कोई अवसर नहीं दिया।केकेआर के गेंदबाजों ने इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करते हुए सनराइजर्स के बल्लेबाजों को 19 ओवर में ही 165 रनों पर समेट दिया था। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने अपने चार ओवर में केवल 36 रन देकर तीन अहम विकेट लिए, वहीं अनुभवी सुनील नारायण ने 31 रन देकर दो विकेट लिए।इन दोनों गेंदबाजों ने मिलकर सनराइजर्स के बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया।ये गेंदबाज नियमित अंतराल पर विकेट लेते रहे।इसके बाद लक्ष्य का पीछा रते हुए कोलकाता ने 10 गेंद पहले ही मुकाबला जीत लिया।रहाणे ने उम्मीद जतायी कि इस जीत से उनकी टीम टूर्नामेंट में टिकी रह सकती है।उन्होंने कहा, यह एक अच्छा मैच रहा और जिस तरह से हमने गेंदबाजी में वापसी की, वह शानदार था।एक समय ऐसा लग रहा था कि वे 190-200 रन बना लेंगे, और उस लक्ष्य का पीछा करना कठिन होगा पर हमारे गेंदबाजों ने उन्हें रोक दिया।। रहाणे ने पिछले कुछ मैचों में गेंदबाजों के निरंतर प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, हमारी गेंदबाजी इकाई पिछले पांच-छह मैचों में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही है।इसका श्रेय हमारे गेंदबाजी कोच ड्वेन ब्रावो और टिम साउदी को जाता है, जिन्होंने खिलाड़ियों को सही मार्गदर्शन दिया है।इस मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए वरुण चक्रवर्ती को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इंटर मिलान का जलवा बरकरार, 3 मैच बाकी रहते ही सीरी ए खिताब किया अपने नाम

इटली।प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट Serie A में Inter Milan ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया।इंटर मिलान ने परमा को 2-0 से हराकर तीन मैच शेष रहते ही चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।इस जीत के साथ इंटर मिलान ने अंक तालिका में अपनी पकड़ इतनी मजबूत कर ली कि अब कोई भी टीम उन्हें पीछे नहीं छोड़ सकती।इंटर मिलान को खिताब जीतने के लिए सिर्फ एक ड्रॉ की जरूरत थी, लेकिन टीम ने जीत के साथ ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।इस जीत के बाद टीम ने दूसरे स्थान पर मौजूद Napoli पर 12 अंकों की अजेय बढ़त बना ली है।यह इंटर मिलान का कुल 21वां सीरी ए खिताब है, जिससे वह सबसे ज्यादा खिताब जीतने वाली टीमों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।मैच में इंटर मिलान की शुरुआत दमदार रही और पहले हाफ में ही बढ़त हासिल कर ली।टीम की ओर से Marcus Thuram ने पहला गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद अनुभवी खिलाड़ी Henrikh Mkhitaryan ने 80वें मिनट में दूसरा गोल कर जीत पक्की कर दी।पूरे सीजन में इंटर मिलान का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है।टीम ने लगातार अच्छा खेल दिखाते हुए बाकी टीमों को पीछे छोड़ दिया।उनकी मजबूत डिफेंस और आक्रामक अटैक ने उन्हें इस सीजन का सबसे संतुलित टीम बना दिया।अब इंटर मिलान की नजर एक और ट्रॉफी पर है।टीम जल्द ही इटालियन कप के फाइनल में Lazio से भिड़ेगी।अगर इंटर यह मुकाबला जीत लेती है, तो इस सीजन में डबल ट्रॉफी जीतने का सपना भी पूरा हो सकता है।

पीएसएल जीत से उत्साहित बाबर बोले, तीनों प्रारुप खेलूंगा, किसी भी एक से संन्यास का इरादा नहीं

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान सुपर लीग में अपनी टीम के खिताब जीतने से उत्साहित अनुभवी बल्लेबाज बाबर जाने ने कहा है कि अभी वह तीनों ही प्रारुप खेलते रहेंगे और उनके किसी भी एक प्रारुप को छोड़ने की कोई संभावना नहीं है। आजम ने इसी के साथ ही उनके किसी एक प्रारुप से संन्यास की अटकलों पर भी विराम लगा दिया। वहीं लंबे समय से यह चर्चा जोरों पर थी कि बाबर अपने करियर को बढ़ाने के लिए किसी एक फॉर्मेट से संन्यास ले सकते हैं, लेकिन उन्होंने इन सभी संभावनाओं को खारिज कर दिया। बाबर ने कहा, परेशान न हों, में तीनों प्रारुप खेलूंगा।

बाबर के इस बयान से साफ है कि उन्हें अब पाक टीम में वापसी का अवसर मिल सकता है। पिछले काफी समय से उनकी धीमी बल्लेबाजी पर सवाल उठते रहे हैं। यही वजह थी कि उनके टी20 करियर को लेकर तरह-तरह की बातें शुरू हो गई थीं, जिसमें फॉर्मेट छोड़ने की अटकलें प्रमुख थीं।

हालांकि, इन आलोचनाओं के बीच बाबर ने पाकिस्तान सुपर लीग 2026 में जबरदसत वापसी की। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 पारियों में कुल 588 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 73.50 और स्ट्राइक रेट 145.90 रहा। इस दौरान बाबर ने दो शानदार शतक और तीन अर्धशतक लगाये।

बाबर ने जोर दिया कि एक खिलाड़ी को सभी प्रारुप खेलने चाहिए। उन्होंने तर्क दिया, यह एक खिलाड़ी का काम है कि वह हर फॉर्मेट में अपनी टीम के लिए उपलब्ध रहे। साथ ही कहा कि टेस्ट प्रारुप आपको धैर्य और लंबी पारी खेलने की कला सिखाता है।। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि टेस्ट क्रिकेट से मिलने वाला अनुभव न केवल टेस्ट मैचों में बल्कि टी20 और एकदिवीसय जैसे सीमित ओवरों के प्रारूपों में भी एक खिलाड़ी को बेहतर बनाता है।

पीएसएल की सफलता के बाद अब बाबर का अगला ध्यान टेस्ट क्रिकेट पर है। पाकिस्तानी टीम जल्द ही बांग्लादेश के दौरे पर दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेगी। यह श्रृंखला आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 का महत्वपूर्ण हिस्सा होगी, और बाबर इसमें अपनी टीम के लिए अहम भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार दिख रहे हैं। बाबर ने यह भी साफ संकेत दिए हैं कि वह 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप की योजनाओं का एक अभिन्न अंग बने रहना चाहते हैं।

विश्व एथलेटिक्स 2026 : रागुल , नित्या सहित भारतीय रिले टीम ने बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

गाबोरोन ।बोत्सवाना में हुए विश्व एथलेटिक्स 2026 भारतीय एथलेटिक्स में भारतीय टीम क्वालीफाई नहीं कर पाने के बाद भी एक रिकार्ड बनाने में सफल रही ।इसमें शामिल पांचों भारतीय टीमें अपने-अपने वर्ग में क्वालिफिकेशन नहीं कर पायीं पर 4 गुणा 400 मीटर में भारत की र रिले टीम ने एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड जरुर बनाया। भारतीय रिले टीम में रागुल कुमार, नित्या गांधे, अनिमेश कुजूर और स्नेहा सत्यनारायण शनुवल्ली शामिल थे।इस चारों ने शानदार तालमेल और गति का प्रदर्शन करते हुए 41.35 सेकंड का समय निकाला।इससे ये हीट में छठे स्थान पर रहे और क्वालीफाई नहीं कर पाये पर 42.30 सेकंड के पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ने में जरुर सफल रहे।यह प्रदर्शन भारतीय रिले एथलेटिक्स के भविष्य लिए सकारात्मक कदम है, जो आगामी प्रतियोगिताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकता है और युवा एथलीटों को बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।वहीं अन्य रिले टीमों का प्रदर्शन हालांकि उतना प्रभावशाली नहीं रहा।मिश्रित 4 गुणा 400 मीटर रिले में भारत की दूसरी टीम अपनी हीट में ही पांचवें स्थान पर रही।वहीं, पुरुषों की 4 गुणा 400 मीटर रिले टीम दौड़ पूरी नहीं कर सकी।इसका कारण ये रहा कि अनुभवी धावक आमोज जैकब को दौड़ के बीच में ऐंठन का सामना करना पड़ा।वहीं महिला 4 गुणा 400 मीटर टीम अपनी हीट में अंतिम स्थान पर रही, जबकि पुरुषों की गुणा 400 मीटर टीम को बैटन बदलने के दौरान हुई गलती के कारण अयोग्य करार दिया गया।

आयुष्मान खुराना ने केरल में शुरू की थ्रिलर फिल्म की शूटिंग?

कॉमेडी फिल्मों के बाद अब आयुष्मान खुराना गंभीर भूमिका में वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन 'काला पानी' फेम समीर सक्सेना कर रहे हैं। फिल्म यश राज फिल्म्स और पोशम पा पिक्चर्स द्वारा बनाई जा रही है।

कब शूरू हुई फिल्म की शूटिंग

आयुष्मान की इस फिल्म की शूटिंग अप्रैल की शुरुआत में चुपचाप शुरू हो गई थी। पूरी शूटिंग मई के अंत तक खत्म होने की उम्मीद है। अभी फिल्म का नाम तय नहीं हुआ है। कहानी को गुप्त रखा गया है, लेकिन कथित तौर पर इस फिल्म में आयुष्मान एक आम आदमी की भूमिका निभा रहे हैं, जो अचानक एक खतरनाक और मुश्किल स्थिति में फंस जाता है। इस फिल्म में ज्यादातर सहायक कलाकार नए या कम जाने-माने हैं, जिससे कहानी ज्यादा यथार्थवादी लगेगी।

यश राज के साथ तीसरी फिल्म

यह आयुष्मान खुराना की यश राज फिल्म्स के साथ तीसरी फिल्म है। पहले वे 'दम लगा के हैशा' और 'मेरी प्यारी बिंदु' में काम कर चुके हैं। पोशम पा पिक्चर्स के लिए भी यह थिएटर रिलीज की पहली फिल्म है। पहले उन्होंने नेटफ्लिक्स पर 'मामला लीगल है' और 'होम शांति' जैसी फिल्में बनाई हैं।

आयुष्मान की आने वाली फिल्में

आयुष्मान खुराना इस साल काफी व्यस्त रहने वाले हैं। उनकी 'पति पत्नी और वो दो', 'उड़ता तीर' (सारा अली खान के साथ) और सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' भी रिलीज होने वाली हैं। यह तीनों ही फिल्में इस साल 2026 या फिर अगले साल 2027 में रिलीज होंगी।

अहमद खान की अनटाइटल्ड जॉम्बी एंटरटेनर में हुई शनाया कपूर की एंट्री

निर्देशक अहमद खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म के बाद अहमद एक जॉम्बी कॉमेडी फिल्म पर काम करेंगे। इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ लीड हीरो के रोल में नजर आएंगे और उनके अपोजिट इस बॉलीवुड अभिनेत्री की एंट्री हो चुकी है।

कौन होगी इस फिल्म में टाइगर की हीरोइन

इस जॉम्बी कॉमेडी फिल्म का निर्देशन अहमद खान करेंगे। फिल्म के निर्माता फिरोज नाडियाडवाला है। टाइगर श्रॉफ इस प्रोजेक्ट से जुड़ चुके हैं। अब मुख्य अभिनेत्री के तौर पर शनाया कपूर का नाम सामने आया है। हालांकि, फिल्म को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिल्म की बाकी डिटेल्स को अभी गुप्त रखा गया है।

शनाया कपूर ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' से की थी। उसके बाद उन्होंने आदर्श गौरव के साथ सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म 'तू या मैं' की है, जिसमें उनकी एक्टिंग की काफी तारीफ हुई। अब वह अपने आगामी प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। वहीं, टाइगर श्रॉफ अभी फिल्म 'लग जा गले' की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ जान्हवी कपूर और लक्ष्य मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शन्स के बैनर तले बन रही है।

अहमद खान की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल'

अहमद खान निर्देशित फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में 30 से ज्यादा बड़े कलाकार काम कर रहे हैं। इसमें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, रवीना टंडन, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडीज, अरशद वारसी, परेश रावल, राजपाल यादव, जॉनी लीवर और कई कलाकाल शामिल हैं। अहमद खान ने बताया कि इतनी बड़ी कास्ट को एक साथ मैनेज करना बहुत मुश्किल था। अभिनेताओं की डेट्स, बजट और बाकी जरूरतों को संभालना आसान नहीं रहा। फिर भी उन्होंने यह फिल्म पूरी की।

बंद होगा एकता कपूर का 'नागिन 7'

टीवी की क्वीन कही जाने वाली निर्माता एकता कपूर ने अपने हिट सुपरनेचुरल शो नागिन 7 को लेकर एक अहम अपडेट साझा किया है। उन्होंने पुष्टि की है कि मौजूदा सीजन जल्द ही समाप्त होने वाला है और अगले साल इसे फिर से शुरू करने की योजना है। एकता कपूर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज में शो के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर बात करते हुए स्पष्ट किया कि सीजन को समाप्त करने का फैसला आंशिक रूप से शेड्यूलिंग की वजह से लिया गया है। उन्होंने कहा, 'नागिन को लेकर कुछ अपडेट देने आई हूं। दोस्तों, मैंने कल एक पोस्ट किया था और मुझे एहसास नहीं था कि हम अचानक शो खत्म करने वाले हैं। लेकिन हां, चैनल के अनुरोध के कारण हमें अप्रैल में शो खत्म करना था। अब हम इसे मेरे जन्मदिन पर खत्म कर रहे हैं। नागिन के किसी भी सीजन की ऐसी योजना नहीं थी। यह सिर्फ 30 एपिसोड का होना था। लेकिन हमने इसे 48 एपिसोड तक बढ़ा दिया और फिर हम अगले साल वापस आएंगे।'
एकता ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक और वीडियो भी साझा किया। इसमें उन्होंने छोटे सीजन बनाने के अपने फैसले के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, 'नागिन को हर साल प्रसारित करने के लिए हमें छोटे सीजन बनाने चाहिए ताकि मुझे अपना सारा समय न देना पड़े और मैं बाकी कामों पर ध्यान दे सकूं।' 'नागिन 7' का फिनाले एपिसोड अब 7 जून को टेलीकास्ट होगा। मौजूदा सीजन में प्रियंका चाहर चौधरी मुख्य भूमिका में हैं।

सुपर कॉप के रोल में फिर तबाही मचाएंगे रणदीप हुड्डा

रणदीप हुड्डा स्टारर सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' का पहला सीजन 2023 में आया था। इसके बाद से ही फैंस इसके दूसरे पार्ट का इंतजार कर रहे थे। अब मेकर्स ने इसके दूसरे सीजन का टीजर रिलीज कर फैंस की धड़कनें और बढ़ा दी हैं।

क्या है टीजर में खास

टीजर में रणदीप हुड्डा दबंग इंस्पेक्टर के रूप में नजर आ रहे हैं। कुछ सीन में वे बहरूपिया भी बनते दिखाई दिए हैं। टीजर में काफी दमदार डायलॉग्स बताए गए हैं। इनमें से एक है जिसमें रणदीप हुड्डा कहते हैं- 'जिंदगी और मृत्यु के बीच सिर्फ हमारी एक उंगली का फर्क है।' वहीं टीजर में कुछ इंटेंस सीन भी नजर आए हैं, जिनमें एक्टर दमदार एक्शन सीन करते नजर आए हैं। वीडियो के कैप्शन में लिखा- 'यूपी का महाकाल, इंस्पेक्टर अविनाश वापस आ रहे हैं। और इस बार होगा असली तांडव।'

कब रिलीज होगी सीरीज

सीरीज में रणदीप के अलावा उर्वशी रौतेला, रजनीश दुग्गल, अमित सियाल, सरगम सिंह, शालीन भनोट अहम किरदार में नजर आएंगे। सीरीज का निर्देशन नीरज पाठक कर रहे हैं। फिलहाल मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट का खुलासा नहीं किया है। सीरीज पिछले पार्ट से ज्यादा एक्शन पैक और इंटेंस बताई जा रही है। मेकर्स ने सीरीज के दूसरे सीजन 'इंस्पेक्टर अविनाश' का टीजर रिलीज कर दिया है। ये सीरीज हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

क्या साथ काम करेंगे अहान और आर्यन?

अहान पांडे ने फिल्म 'सैयारा' से बॉलीवुड में बतौर अभिनेता डेब्यू किया। वहीं शाहरुख के बेटे और निर्देशक आर्यन खान ने 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से निर्देशन में कदम रखा। क्या आर्यन खान की आने वाली किसी फिल्म में अहान पांडे काम कर सकते हैं?
अहान पांडे और शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान, दोनों ने साल 2025 में मनोरंजन की दुनिया में कदम रखा। जहां अहान ने फिल्म 'सैयारा' से बतौर अभिनेता अपना धमाकेदार डेब्यू किया। वहीं आर्यन ने नेटफ्लिक्स सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के जरिए निर्देशन में सफलता हासिल की। तो क्या अब दोनों एक साथ काम करेंगे?

बचपन की यादें और गहरा रिश्ता

हाल ही में एक इंटरव्यू में अहान ने आर्यन के साथ अपने खास रिश्ते के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि वे बचपन के दोस्त हैं। अहान ने एक मजेदार किस्सा भी शेयर किया। दरअसल, आर्यन स्कूल से सीधे अहान के घर आ जाते थे। वह अपने माता-पिता (शाहरुख और गौरी खान) से मिलने से पहले अहान के घर वक्त बिताते थे। हालात, ऐसी थी कि खुद शाहरुख खान अहान को फोन करके पूछते थे कि आर्यन घर क्यों नहीं आए? जब अहान से पूछा गया कि क्या वह भविष्य में आर्यन के निर्देशन में काम करेंगे, तो उन्होंने कहा, 'वे दोनों एक बेहतरीन निर्देशक-अभिनेता की जोड़ी बन सकते हैं। अहान का मानना है कि उनके बीच एक 'वास्तविक बंधन' है, इसलिए साथ काम करना काम जैसा नहीं लगेगा। बचपन की दोस्ती की वजह से दोनों एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह समझते हैं।

अहान के प्रोजेक्ट्स

अपनी पहली फिल्म 'सैयारा' की बड़ी सफलता के बाद, अहान के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। 'सैयारा' के बाद अहान पांडे एक बार फिर से मोहित सूरी की अगली फिल्म में काम करेंगे। इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म में अहान के साथ अनीत पड्डा नजर आएंगी। इसे यशराज फिल्म्स बना रहा है। इसके अलावा अहान निर्देशक अली अब्बास जफर के साथ भी एक फिल्म में काम कर रहे हैं। यह एक एक्शन-रोमांस ड्रामा फिल्म होगी।

सारा अर्जुन की लगी लॉटरी

'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' में यलीना के रोल से छाईं सारा अर्जुन अब मधुबाला बनेंगी। खबर है कि उन्हें मधुबाला की बायोपिक के लिए साइन किया गया है। नाम कन्फर्म है और एक्ट्रेस ने तैयारी भी शुरू कर दी है। हालांकि, अभी आधिकारिक ऐलान बाकी है।

हिंदी सिनेमा की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस मानी जाने वाली मधुबाला की बायोपिक की चर्चा कई साल से हो रही है। इसके लिए कई एक्ट्रेसेस के नाम सामने आए, पर किसी पर भी मुहर नहीं लगी। अब इसके लिए 'धुरंधर' की यलीना यानी सारा अर्जुन का नाम कन्फर्म बताया जा रहा है। यानी उनकी लॉटरी लग गई है। कहा जा रहा है कि वह मधुबाला पर बन रही बायोपिक में उनका किरदार निभाएंगी। उनका नाम मधुबाला की बायोपिक के लिए कन्फर्म है। इस बायोपिक को जसमीत के रीन डायरेक्ट करेंगी, जबकि संजय लीला भंसाली प्रोड्यूसर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मधुबाला की बायोपिक की शूटिंग जुलाई 2026 से शुरू होगी। 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' के बाद इसे सारा अर्जुन के करियर की अहम फिल्म माना जा रहा है, जो उनके करियर को एक नई दिशा देगी। सारा अर्जुन वैसे तो बचपन से फिल्मों में काम कर रही हैं, पर 'धुरंधर' ने उन्हें रातोंरात जबरदस्त स्टारडम दिलाया है।

इस कारण मधुबाला की बायोपिक में हुई देरी

मधुबाला की बायोपिक की बात करें, तो यह कई साल से अटकी हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, बजट की कमी के कारण इसे कई बार देरी का सामना करना पड़ा, लेकिन बाद में यह ट्रैक पर लौट आई। अहम मोड़ तब आया जब संजय लीला भंसाली बतौर प्रोड्यूसर मधुबाला की बायोपिक से जुड़े। वहीं जसमीत के रीन डायरेक्टर हैं, जिन्होंने विजय वर्मा और आलिया भट्ट स्टारर 'डार्लिंग्स' डायरेक्ट की थी।

सारा ने शुरू की तैयारी

बताया जा रहा है कि सारा अर्जुन ने मधुबाला की खूबसूरती, गरिमा और पर्दे पर उनकी उपस्थिति को हूबहू उतारने के लिए जोरदार तैयारी शुरू कर दी है। अब दिलीप कुमार और किशोर कुमार के किरदारों के लिए कास्टिंग चल रही है, जिनका मधुबाला की निजी जिंदगी में अहम रोल रहा।

इन एक्ट्रेसेस के नामों की थी चर्चा

मालूम हो कि मधुबाला के किरदार के लिए पहले कियारा आडवाणी से बातचीत चल रही थी, पर बात नहीं बन पाई और फिर सारा अर्जुन को साइन किया गया। इससे पहले मधुबाला के किरदार के लिए साई पल्लवी और अनीत पड्डा का नाम भी सामने आया, पर वो महज अफवाह निकली। मधुबाला की बायोपिक में उनके करियर और निजी जिंदगी के कई अहम पहलुओं को दिखाया जाएगा। उन पलों को भी दर्शकों को देखने का मौका मिला, जिनसे वो अछूते हैं।

मनीष मल्होत्रा भी बनाने वाले थे मधुबाला पर बायोपिक

मधुबाला पर बायोपिक बनाने के लिए फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा का भी नाम सामने आया था, पर दिवंगत एक्ट्रेस की बहन मधुर भूषण ने 2022 में कह दिया था कि मधुबाला की जिंदगी पर फिल्म सिर्फ वो और उनकी टीम ही बनाएगी, बाकी कोई और नहीं बनाएगा।

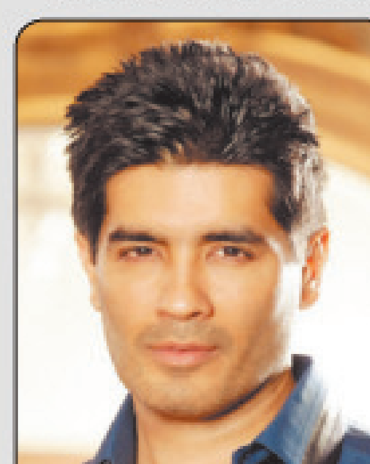

संक्षिप्त समाचार

इराक ने 14 वर्ष बाद सीरिया के रास्ते शुरू किया तेल निर्यात

बगदाद/दमिश्क, एजेंसी। इराक ने सीरिया के अल-यारुबियाह बॉर्डर क्रॉसिंग के जरिए तेल निर्यात फिर से शुरू कर दिया है। 70 टैंकरों का एक काफिला इस रास्ते से सीरिया में दाखिल हुआ, जो पिछले 14 वर्षों में इस मार्ग से पहला ऐसा शिपमेंट है। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी एसएएनए के अनुसार, काफिले ने भूमध्यसागर तट पर स्थित बानियाज रिफाइनरी का रुख किया। अल-यारुबियाह बॉर्डर क्रॉसिंग पर तैनात सीरियाई अधिकारी फेरास रुस्तम ने कहा कि '14 साल बाद इस क्रॉसिंग का फिर से खुलना इराक और सीरिया के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की एक रणनीतिक पहल है।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि इससे व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति को अधिक प्रभावी ढंग से सुगम बनाया जा सकेगा और दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक साझेदारी विकसित होगी। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब इराक अपने तेल निर्यात के लिए वैकल्पिक मार्ग तलाश रहा है, क्योंकि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज अमेरिका-इजरायल और ईरान के तनाव के चलते बंद है। ईरान पर मनमानी का आरोप लगाते हुए अमेरिका ने भी उसके कई बंदरगाहों पर नाकेबंदी कर दी है। इस बीच एक्सियोस ने कुछ अधिकारियों के हवाले से खबर छापी है, जिसके मुताबिक अमेरिका की समुद्री नाकाबंदी से ईरान को करीब 4.8 अरब डॉलर यानी लगभग 456 अरब रुपये (करीब 45,600 करोड़ रुपये) के तेल राजस्व का नुकसान हुआ है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक यह आकलन अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) का है। यह बॉर्डर क्रॉसिंग, जिसे इराक में राबिया के नाम से जाना जाता है, 2011 में सीरियाई गृहयुद्ध शुरू होने के बाद बंद कर दी गई थी। बाद में 2014 में इस पर आईएसआईएल का कब्जा हो गया था, जिसे बाद में इराकी कुर्द बलों ने वापस ले लिया। इस बीच, सीरिया पेट्रोलियम कंपनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए परिचालन क्षमता बढ़ाने की बात कही है। उनके मुताबिक आपूर्ति की गति तेज करने के लिए अहम कदम उठाए गए हैं। बनियाज रिफाइनरी पर तकनीकी और इंजीनियरिंग कार्यों के बाद अब रोजाना लगभग 500 इराकी टैंकरों को अनलोड किया जा रहा है। इन सुधारों से रिफाइनरी की परिचालन क्षमता में करीब 30 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

ईरान ने इजरायल के लिए जासूसी करने के आरोप में 2 और लोगों को दी फांसी

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने दो और व्यक्तियों को इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद के लिए जासूसी करने का दोषी पाए जाने पर फांसी दे दी है। ईरानी न्यायपालिका की समाचार एजेंसी मिजान के अनुसार, इन दोनों की सजा को देश की सुप्रीम कोर्ट ने भी बरकरार रखा था। फांसी दिए गए लोगों की पहचान याकूब करिमपुर और नासेर बेकरजादेह के रूप में हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, करिमपुर पर आरोप था कि उसने युद्ध के दौरान संवेदनशील जानकारी एक मोसाद अधिकारी को भेजी और कुछ सैन्य गतिविधियों से जुड़ी सूचनाएं साझा कीं। उस पर यह भी आरोप लगाया गया कि उसने सैन्य ठिकानों की वीडियो रिकॉर्डिंग की, गलत जानकारी देकर सुरक्षा एजेंसियों को गुमराह किया और कुछ हमलों से जुड़े कामों में भूमिका निभाई। इसके बदले उसे पैसे भी मिले थे। दूसरे आरोपी बेकरजादेह पर आरोप था कि उसने सरकारी इमारतों, सुरक्षा ठिकानों और महत्वपूर्ण अधिकारियों से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो साझा किए। उसने यह जानकारी मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स और ईमेल के जरिए भेजी और इसके बदले आर्थिक लाभ लिया। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब हाल ही मैईरान, अमेरिका और इजराइलके बीच संघर्ष हुआ था। फरवरी में शुरू हुए इस टकराव के बाद अप्रैल में युद्धविराम की घोषणा की गई थी, लेकिन क्षेत्र में तनाव अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

अमेरिका के प्रहार से मेक्सिको की सत्ता में भूचाल, गवर्नर और मेयर ने छोड़ी कुर्सी

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। अमेरिका द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी का आरोप लगाए जाने के बाद मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लौडिया शिनबाम की पार्टी के दो सदस्यों ने अपने पद से अस्थायी रूप से हटने की घोषणा की है। उत्तर पश्चिमी सिनालोआ राज्य से शिनबाम की पार्टी के इन सदस्यों ने बताया कि अमेरिका ने उन पर और आठ अन्य नेताओं एवं सुरक्षा अधिकारियों पर मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप लगाए हैं। शुक्रवार मध्यरात्रि को जारी एक वीडियो संदेश में अभियोग में नामित गवर्नर रुबेन रोचा मोया ने उन आरोपों का खंडन किया कि उन्होंने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह 'सिनालोआ कार्टल' को संरक्षण दिया और लाखों डॉलर की रिश्वत के बदले में उसे अमेरिका में मादक पदार्थों की तस्करी में मदद की। पूर्व राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्राडोर के लंबे समय से सहयोगी रहे 76 वर्षीय रोचा ने कहा, ' 'मेरा ईमान साफ है।

ईरान ने अमेरिका को 14 सूत्रीय प्रस्ताव भेजा, नाकाबंदी हटाने और हर मोर्चे पर युद्ध खत्म करने की रखी शर्त

तेहरान, एजेंसी। तस्नीम न्यूज़ एजेंसी के मुताबिक ईरान ने अमेरिका को एक 14-पॉइंट प्लान सौंपा है, जिसमें लेबनान समेत सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करने के मकसद से एक बड़ा फ्रेमवर्क बताया गया है. यह प्रस्ताव अमेरिका के पहले भेजे गए नौ-पॉइंट प्लान के जवाब में आया है. इसमें कथित तौर पर सीज़फायर के लिए दो महीने का टाइमलाइन शामिल था. हालांकि, कहा जाता है कि तेहरान ने किसी भी लंबे अंतरिम इंतजाम को मना कर दिया है, और इसके बजाय इस बात पर जोर दिया है कि 30 दिनों के अंदर एक पूरा समाधान निकाला जाए. इसे अस्थायी युद्धविराम के बजाय युद्ध के स्थायी अंत के आस-पास बनाया जाए. रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के प्रस्ताव में पक्की सुरक्षा गारंटी शामिल है, जो ईरान के खिलाफ भविष्य में किसी भी मिलिट्री हमले पर रोक लगाएगी और इसके आस-पास के माहौल से अमेरिका की सेना को वापस बुलाना जरूरी करेगी. इसमें मौजूदा नेवी पाबंदियों और ब्लॉकेड को हटाने के साथ-साथ विदेशों में जमा ईरानी एसेट्स को रिलीज करने और ईरान द्वारा बैन और मिलिट्री दबाव के कारण हुए नुकसान के लिए मुआवजा देने की भी बात कही गई है. आर्थिक तौर पर इस प्लान में ईरान पर लगाए गए सभी अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध को पूरी तरह हटाने की मांग की गई है. इलाके के हिसाब से यह प्रस्ताव ईरान-अमेरिका तनाव से आगे बढ़कर सभी मोर्चों पर युद्ध को खत्म करने की मांग करता है, जिसमें लेबनान से जुड़े झगड़े भी शामिल हैं. यह होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए एक नया गवर्निंग सिस्टम बनाने का भी सुझाव देता है, जो एक जरूरी ग्लोबल तेल ट्रांजिट कॉरिडोर है. इसका मकसद स्थिरता और बिना रुकावट समुद्री बहाव पक्का करना है, जैसा कि तस्नीम ने बताया है. रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि ईरान अब वाशिंगटन से ऑफिशियल जवाब का इंतजार कर रहा है. इस बीच ईरान के लीगल और इंटरनेशनल मामलों के डिप्टी विदेश मंत्री काजम गरीबाबादी ने शनिवार को कन्फर्म किया कि तेहरान का हाल ही में अमेरिका को दिया गया राजनयिक प्रस्ताव जो पाकिस्तान के जरिए एक मीडिएटर के तौर पर पेश किया गया है, उसका मकसद थोपे गए युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करना और दोनों देशों के बीच चल रहे तनाव को खत्म करना है. स्टेट ब्रॉडकास्टर, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के मुताबिक यह बात तेहरान में मौजूद विदेशी डिप्लोमैट्स और एम्बेसडर की एक मीटिंग में कही गई, जहां गरीबाबादी ने डिप्लोमैटिक बातचीत और किसी भी संभावित मिलिट्री हमले, दोनों के लिए ईरान की तैयारी पर जोर दिया. इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के मुताबिक डिप्टी मिनिस्टर ने कहा, 'ईरान ने हमेशा मौजूदा मुद्दों को सुलझाने के लिए इंटरेस्ट-बेस्ड डिप्लोमेसी में विश्वास किया और अपनी भूमिका निभाई.' उन्होंने आगे कहा, 'ईरान ने पाकिस्तान को एक मीडिएटर के तौर पर अपना प्लान पेश किया. इसका मकसद थोपे गए युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करना है, और अब गेंद अमेरिका के पाले में है कि वह राजनयिक का रास्ता चुने या टकराव वाला तरीका जारी रखे.' गरीबाबादी ने कहा कि तेहरान राजनयिक तरीके से बातचीत करने के लिए तैयार है, लेकिन वह अमेरिका पर गहरा भरोसा नहीं करता और ईमानदार और मतलब वाली बातचीत के उसके कमिटमेंट पर सवाल उठाता है. इस बीच, अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान के नए प्रस्ताव पर नाखुशी जाहिर की. इसका मकसद चल रहे युद्ध को खत्म करना है, साथ ही इस बात पर भी शक जताया कि क्या कोई आखिरी समझौता हो पाएगा. व्हाइट हाउस में रिपोर्टर्स से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, 'वे एक डील करना चाहते हैं, लेकिन मैं इससे खुश नहीं हूं, इसलिए देखते हैं क्या होता है।

टैंकर ट्रैकर्स फर्म का दावा, 'ईरानी सुपरटैंकर ने यूएस नाकाबंदी को दिया चकमा'

तेहरान, एजेंसी। ईरान का एक सुपरटैंकर अमेरिकी नाकेबंदी को चकमा देकर एशिया-प्रशांत क्षेत्र तक पहुंच गया है। मॉनिटरिंग फर्म 'टैंकरट्रैकर्सडॉटकॉम' के अनुसार, जहाज लगभग 1.9 मिलियन बैरल कच्चा तेल लेकर वहां से निकल गया। इसकी कीमत करीब 220 मिलियन डॉलर (लगभग 220 मिलियन डॉलर) आंकी गई है। यह वेरी लार्ज क्रूड कैरियर (वीएलसीसी) नेशनल इरानियन टैंकर कंपनी का बताया जा रहा है, जिसे 'ह्यूज' नाम से पहचाना गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसे आखिरी बार डेढ़ हफ्ते पहले श्रीलंका के पास देखा गया था। फिलहाल यह जहाज लोमबोक स्ट्रेट से गुजरते हुए रिओ आर्किपेलेगो (द्वीप समूह) की ओर बढ़ रहा है। टैंकरट्रैकर्सडॉटकॉम ने बताया कि 13 अप्रैल को जब अमेरिकी नौसेना ने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी की घोषणा की, उस समय यह टैंकर ईरानी जलक्षेत्र में था। इससे पहले 20 मार्च को स्ट्रेट ऑफ मलाका से ईरान के लिए रवाना होने के बाद से इसने अपने ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (एआईएस) को बंद कर दिया था, जिससे इसकी लोकेशन ट्रैक करना मुश्किल हो गया था। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब ईरानी सरकारी

मीडिया ने 29 अप्रैल को दावा किया था कि कम से कम 52 ईरानी जहाज अमेरिकी नाकेबंदी को तोड़ने में सफल रहे हैं। वहीं अमेरिकी सैन्य अधिकारियों का कहना है कि नाकेबंदी शुरू होने के बाद से उन्होंने ईरान से जुड़े करीब 41 जहाजों को वापस लौटने पर मजबूर किया है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, यह नाकेबंदी प्रभावी साबित हो रही है और इससे ईरान को अरबों डॉलर का नुकसान हुआ है। उनका कहना है कि ईरान तेल निर्यात करने में असमर्थ हो रहा है और उसे उत्पादन रोकने से पहले तेल को स्टोर करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। शनिवार को ही एक्सियोस ने कुछ अधिकारियों के हवाले से खबर प्रकाशित की, जिसमें दावा किया गया कि अमेरिका की समुद्री नाकाबंदी से ईरान को करीब 4.8 अरब डॉलर यानी लगभग 456 अरब रुपए (करीब 45,600 करोड़ रुपए) के तेल राजस्व का नुकसान हुआ है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक यह आकलन अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) का है।

किंग्स्टन पहुंचकर खुशी हुई', तीन कैरिबियाई देशों की यात्रा के पहले चरण में जमैका पहुंचे जयशंकर

किंग्स्टन , एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर शनिवार को जमैका पहुंचे। यह उनकी इस कैरिबियाई देश की पहली आधिकारिक यात्रा है। इस दौरान वह जमैका के नेतृत्व, व्यापार जगत और भारतीय मूल के लोगों से मुलाकात करेंगे। किंग्स्टन पहुंचने पर जयशंकर ने क्या कहा? जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, किंग्स्टन पहुंचकर बहुत खुशी हुई। यह मेरी जमैका की पहली यात्रा है। उन्होंने आगे कहा, विदेश मंत्री कामिना जे स्मिथ की ओर से किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत से मैं प्रभावित हूं। उन्होंने यह भी कहा कि वह इस दो दिवसीय यात्रा के दौरान कई अहम बैठकों के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने लिखा, अगले दो दिनों में मैं जमैका के नेताओं, व्यापार समुदाय और भारतीय प्रवासी लोगों से मिलने की प्रतीक्षा कर रहा हूं। इससे पहले, अपने कैरिबियाई दौरे के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में एक छोटा सा ठहराव किया। वह इस समय जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद और टोबैगो की तीन देशों की आधिकारिक यात्रा पर हैं। विदेश मंत्रालय ने जयशंकर के दौरे पर क्या कहा? विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह यात्रा 2 मई से 10 मई तक चलेगी। मंत्रालय ने बताया कि यह दौरा भारत और इन देशों के बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करेगा, खासकर गिरमिटिया समुदाय की वजह से। इस यात्रा के दौरान जयशंकर तीनों देशों के नेताओं से मिलेंगे और अपने समकक्ष मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय संबंधों, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। मंत्रालय ने कहा कि यह यात्रा भारत के इन देशों के साथ राजनीतिक संबंधों को और मजबूत करने और लंबे समय से चले आ रहे मित्रतापूर्ण संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए है। यह यात्रा दक्षिण-दक्षिण सहयोग और विकास के प्रति साझा प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

लेबनान में इजराइल का बड़ा हमला, हिज्बुल्लाह से जुड़े 50 ठिकाने तबाह

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइली सेना ने कहा कि उसने शनिवार को दक्षिणी लेबनान में टारगेट पर कई हमले किए. इजराइली रक्षा बल ने कहा कि उसकी सेना ने पिछले दिन दक्षिणी लेबनान में हिज्बुल्लाह से जुड़ी कई जगहों पर हमले किये. इसे उसने हमलों की प्लानिंग और सपोर्ट करने के लिए इस्तेमाल होने वाले 'मिलिटेंट इंफ्रास्ट्रक्चर' बताया.

इजराइली रक्षा बल ने कहा, 'पिछले दिन (शनिवार) आईडीएफ ने हिज्बुल्लाह से जुड़े कई ठिकानों पर हमले किये और उन्हें खत्म कर दिया.' इसमें यह भी कहा गया कि कई इलाकों में करीब 70 मिलिट्री स्ट्रक्चर और लगभग 50 हिज़्बुल्लाह से जुड़े ठिकानों को खत्म कर दिया गया. इजराइली रक्षा बल के मुताबिक टारगेट में कमांड सेंटर, हथियार रखने की जगहें, मिलिट्री बिल्डिंग और दूसरी जगहें शामिल थी. इनका इस्तेमाल कथित तौर पर इजराइली सेना के खिलाफ हमलों को आगे बढ़ाने के लिए किया जाता था. बयान में कहा गया, 'इजराइली रक्षा बल

राजनीतिक स्तर के निर्देशों के अनुसार इजराइली नागरिकों और इजराइली रक्षा बल सैनिकों को मिलने वाले खतरों के खिलाफ काम करना जारी रखेगा.' एक अलग घटनाक्रम में आईडीएफ ने दक्षिणी गाजा पट्टी में हुई घटनाओं की रिपोर्ट करते हुए कहा कि सैनिकों ने चार लड़ाकों की पहचान की जो येलो लाइन पार करके इजराइली ठिकानों के पास पहुँचे थे. इसमें आगे कहा गया, 'पहचान के बाद सैनिकों ने खतरे को खत्म करने के लिए लड़ाकों पर फायरिंग की. तीन लड़ाके मारे गए और एक और हिट की पहचान की गई.' आईडीएफ ने कहा कि उसकी सदर्न कमांड फोर्स सीजफायर एग्रीमेंट के अनुसार तैनात है और तुरंत आने वाले खतरों का मुकाबला करने के लिए ऑपरेशन जारी रखेगी. ये डेवलपमेंट हिज़्बुल्लाह लीडरशिप के कड़े रुख के बीच हो रहे हैं. हिज़्बुल्लाह चीफ नईम कासिम ने 27 अप्रैल को अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार इजराइल के साथ सीधी बातचीत में शामिल होने से ग्रुप के इनकार को दोहराया और इजराइली आक्रमण के खिलाफ लगातार विरोध पर जोर दिया. कासिम ने कहा कि सीधी बातचीत अभी भी सवाल से बाहर है और ग्रुप के मिलिट्री रुख पर जोर देते हुए कहा, 'हम हथियार नहीं छोड़ेंगे, और डिफेंस और फील्ड ने टकराव के लिए हमारी तैयारी साबित कर दी है.' अल जजीरा के मुताबिक हिज़्बुल्लाह चीफ ने लेबनान सरकार के डिप्लोमैटिक तरीके की भी बुराई की. उन्होंने आगे कहा, 'अधिकारियों ने बिना वजह और बिना वजह रियायत देने की जल्दबाजी की और हम सीधी बातचीत से साफ मना करते हैं. अधिकारियों को सीधी बातचीत बंद करके इनडायरेक्ट बातचीत का रास्ता अपनाना चाहिए.' मौजूदा सिक्योरिटी सिस्टम की कमज़ोरी को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने और भी ज़्यादा हाईलाइट किया, जिन्होंने 26 अप्रैल को कहा कि लेबनान में सीजफायर के इंतजाम को हिज़्बुल्लाह कमजोर कर रहा है. नेतन्याहू ने चेतावनी दी कि इजराइल उत्तरी बॉर्डर पर सिक्योरिटी पक्का करने के लिए ताकत से जवाब देगा, और कहा कि इसके उलट सोच के बावजूद, आईडीएफ एक्टिव रूप से शामिल है. प्रधानमंत्री ने कहा, 'लेबनान के बारे में किसी को यह लग सकता है।

राष्ट्रपति ट्रंप बोले- ईरान प्रस्ताव पर विचार जारी, समझौते के साथ सैन्य कार्रवाई की भी चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में संघर्ष विराम के लिए अमेरिका और ईरान नए प्रस्ताव पर आगे बढ़ सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह ईरान के साथ संघर्ष खत्म करने के लिए आए नए प्रस्ताव की समीक्षा कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने आगे सैन्य और रणनीतिक कार्रवाई की भी चेतावनी दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाम बीच से रवाना होने से पहले एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा, 'ईरान के मामले में हम बहुत अच्छा कर रहे हैं। वे समझौता करना चाहते हैं।' ट्रंप ने पुष्टि की कि वह तेहरान के कथित 14-सूत्रीय प्रस्ताव की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने संकेत

दिया कि अमेरिका आगे सैन्य और रणनीतिक कदमों पर भी विचार कर सकता है, जिसमें तेहरान की बची हुई मिसाइल क्षमता को समाप्त करना और यूरोप में अमेरिकी सैनिकों की संख्या कम करना शामिल है। उसी बातचीत में राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को कमजोर बताया। उन्होंने कहा, 'वे समझौता करना चाहते हैं, वे कमजोर हो चुके हैं। उन्हें यह तय करने में मुश्किल हो रही है कि उनका नेता कौन है।' ईरान की बची हुई मिसाइल क्षमता के बारे में पूछे जाने पर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह इसे खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं इसे खत्म करना चाहूंगा। यह उनके लिए फिर से आगे बढ़ने की एक शुरुआत होगी और हां, मैं इसे खत्म करना चाहूंगा।' उन्होंने आगे की अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के लिए शर्तों को स्पष्ट करने से इनकार कर दिया, लेकिन उन्होंने इसकी संभावना से भी इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा, 'अगर वे गलत व्यवहार करते हैं और कुछ बुरा करते हैं, तो निश्चित रूप से सैन्य कार्रवाई संभव है। इसी बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति ने क्षेत्र में जारी अमेरिकी कार्रवाइयों का बचाव किया और उन्हें स्थिर बताया। उन्होंने कहा, 'यह एक बहुत ही मैत्रीपूर्ण नाकाबंदी है। कोई भी इसे चुनौती नहीं दे रहा है। हालांकि, आर्थिक मोर्चे पर उन्होंने यह संभावना भी जताई कि अमेरिकी ऊर्जा कंपनियां ईरान में काम कर सकती हैं। वहीं, उन्होंने अमेरिका से तेल की भारी खेप भेजे जाने की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, 'हमारे बहुत सारे जहाज टेक्सास और लुइसियाना आ रहे हैं। सैकड़ों जहाज कतार में हैं। हम बहुत सारा तेल बेच रहे हैं।

गाजा प्रदर्शन पर सख्ती के संकेत, स्टार्मर बोले- उकसाने वाले नारों पर होगा एक्शन

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर ने गाजा युद्ध के समर्थन में हो रहे प्रदर्शनों को लेकर सख्त रुख अपनाने की बात कही है। उन्होंने साफ कहा कि देश में विरोध प्रदर्शन का अधिकार तो रहेगा, लेकिन अगर कुछ नारे या गतिविधियां लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बनती हैं, तो सरकार को कड़ी कार्रवाई करनी पड़ेगी। लंदन में हाल ही में दो यहूदी नागरिकों पर चाकू से हमला हुआ, जिसके बाद हालात और ज्यादा संवेदनशील हो गए हैं। यह हमला गोल्डर्स ग्रीन इलाके में हुआ, जिसे ब्रिटेन में यहूदी समुदाय का प्रमुख केंद्र माना जाता है। पुलिस ने इस घटना को आतंकवादी हमला बताया है और एक 45 वर्षीय आरोपी पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया गया है।

'उकसाने वाले नारों पर होगा एक्शन' : ब्रिटिशी पीएम कीएर स्टार्मर ने खास तौर पर 'ग्लोबलाइज द इंतिफादा' जैसे नारों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ऐसे नारे लोगों को उकसाने वाले हो सकते हैं, इसलिए इन पर सख्ती जरूरी है। उनका कहना है कि लगातार हो रहे गाजा समर्थक प्रदर्शनों का एक असर पड़ा है, जिससे यहूदी विरोधी घटनाएं बढ़ी हैं।

ब्रिटेन में आतंकवादी खतरे का स्तर बढ़ाया गया : ब्रिटेन के शीर्ष पुलिस अधिकारी मार्क राउली ने भी चेतावनी दी है कि देश में यहूदी समुदाय इस समय सबसे बड़े खतरे का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा

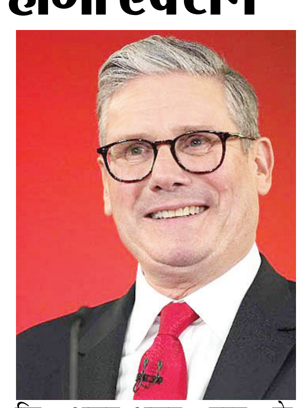

कि अलग-अलग तरह के चरमपंथी समूह, चाहे वे वामपंथी हों, दक्षिणपंथी हों या इस्लामिक आतंकवादी, सभी यहूदियों को निशाना बना रहे हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ब्रिटेन में आतंकवादी खतरे का स्तर 'सब्सटैंशियल' से बढ़ाकर 'गंभीर' कर दिया गया है। इसका मतलब है कि आने वाले छह महीनों में आतंकी हमले की आशंका काफी ज्यादा मानी जा रही है।

2023 में इस्राइल पर हमले के बाद से बढ़ी घटनाएं : रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2023 में इस्राइल पर हुए हमले और उसके बाद शुरू हुए गाजा युद्ध के बाद से ब्रिटेन में यहूदी विरोधी घटनाओं में तेज बढ़ोतरी हुई है। एक संस्था के अनुसार, 2025 में ऐसे करीब 3700 मामले सामने आए, जबकि 2022 में यह संख्या 1662 थी। कुल मिलाकर, ब्रिटेन में गाजा युद्ध को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शनों और बढ़ती हिंसा के बीच सरकार अब कानून-व्यवस्था को लेकर ज्यादा सख्त रुख अपनाने की तैयारी में है।

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप: चार और बच्चों की मौत, मरने वालों का आंकड़ा 280

ढाका , एजेंसी। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने घोषणा की है कि खसरे के लक्षणों के कारण चार और बच्चों की मौत हो गई है. इसके साथ ही 15 मार्च से अब तक मरने वालों की संख्या 280 हो गई है, क्योंकि देश अभी भी इस बीमारी से जूझ रहा है. डीजीएचएस के डेटा का हवाला देते हुए, स्थानीय मीडिया ने बताया कि शुक्रवार तक 24 घंटे में खसरे के 170 नए संदिग्ध मामले सामने आए, जिससे कुल संदिग्ध मामलों की संख्या 38,301 हो गई. डीजीएचएस ने इसी समय में खसरे के 115 नए कन्फर्म मामले दर्ज किए, जिससे कुल कन्फर्म इन्फेक्शन के मामलों की संख्या बढ़कर 5,146 हो गई. 15 मार्च से अब तक हुई कुल मौतों में से 49 कन्फर्म खसरे से हुई मौतें थीं, जबकि 231 मौतें कथित तौर पर संदिग्ध मामलों में हुईं. बांग्लादेश के अखबार, द ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, नए पहचाने गए 1,170 संदिग्ध मामलों में से 942 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि 893 को छुट्टी दे दी गई. पिछले महीने, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बांग्लादेश में चल रहे मीजल्स के प्रकोप को कंट्रोल करने के लिए तुरंत कदम उठाने को कहा था, और चेतावनी दी थी कि बेहतर निगरानी, ??तेज रिस्पॉन्स सिस्टम और बेहतर वैक्सीनेशन के बिना यह बीमारी फैलने की संभावना है.

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, डब्ल्यूएचओ ने बांग्लादेशी अधिकारियों को सलाह दी है कि वे सभी नगर पालिकाओं में खसरे वाली वैक्सीन की दोनों डोज का कम से कम 95 प्रतिशत कवरेज पक्का करें, साथ ही सरकारी और प्राइवेट हेल्थकेयर सुविधाओं में संदिग्ध मामलों की जल्दी पहचान करने के लिए मजबूत एकीकृत निगरानी प्रणालियां भी बनाएं.

हाल ही में, एक रिपोर्ट में बताया गया है कि बांग्लादेश का स्वास्थ्य क्षेत्र, जो दशकों

से बना है, अगर सुधार के कदम नहीं उठाए गए तो कुछ ही सालों में खत्म होने का खतरा है. बांग्लादेश के जाने-माने अखबार 'द डेली स्टार' के मुताबिक, दक्षिण एशियाई देश में अभी का मीजल्स वैक्सीन संकट सिर्फ एक अलग रुकावट नहीं है, बल्कि यह इंस्टीट्यूशनल कमजोरी को दिखाता है. 2010 और 2022 के बीच 85-92 प्रतिशत से, 2025 में राष्ट्रीय टीकाकरण कवरेज घटकर लगभग 60 प्रतिशत रह जाएगा जो लगभग एक दशक में सबसे कम है. बांग्लादेश का टीकाकरण पर विस्तारित कार्यक्रम लंबे समय से देश की सबसे मशहूर पब्लिक हेल्थ सफलताओं में से एक रही है. सरकार के लगातार प्रतिबद्धता, मजबूत विकास साझेदारी और अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ता के बड़े नेटवर्क पर बने इस सिस्टम ने लगातार ज़्यादा कवरेज दिया और वैक्सीन से रोकी जा सकने वाली बीमारियों के मामलों में तेजी से कमी लाई. रिपोर्ट में बताया गया है, 'सालों तक इसने देश को विकासशील दुनिया के लिए एक मॉडल के तौर पर पेश किया. अब वह मॉडल खत्म किया जा रहा है. बढ़ती मौतों के बीच, एक्सपर्ट्स ने सरकार से तुरंत एक्शन लेने की अपील की है, और चेतावनी दी है कि अगर एक्शन नहीं लिया गया तो खसरे का फैलाव बड़े पैमाने पर हो सकता है, क्योंकि एक मरीज 16 से 18 लोगों को संक्रमित कर सकता है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.